हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11 खेल

विनेश फोगाट डब्ल्यूएफवाई द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी, एशियन गेम्स...

Page 09 देश

हिमाचल प्रदेश : ससुर का सरकारी भूमि पर कब्जा तो, बहू नहीं लड़ सकेगी पंचायत चुनाव

कृष्ण पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • शुक्रवार • 08 मई 2026 • वर्ष 28 • अंक 155 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,39,750	₹ 2,65,000

आज का इतिहास

1861 : भारत के प्रसिद्ध बांग्ला कवि रबींद्रनाथ टैगोर का कलकत्ता में जन्म हुआ। रबींद्रनाथ टैगोर एशिया के पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

2010 : चिली ओईसीडी का 31 वा सदस्य बना।

न्यूज बाइट्स

तीन जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

पटना (नि.सं.) ।जम्मू। आगामी तीन जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथ यात्रा की तैयारियां तेजी की गई हैं। यात्रा मार्ग से बर्फ को हटाने व मरम्मत कार्य किए जा रहे हैं, जिसे समयबद्ध पूरा करने पर जोर दिया गया है। गांदरबल के जिला उपायुक्त जतिन किशोर ने बुधवार को एक बैठक कर बालटाल मार्ग पर यात्रा प्रबंधों की तैयारियों की जानकारी ली। की बैठक में दी गई। उन्होंने पुलिस विभाग के साथ सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। तैनाती स्थलों, चेकपोस्ट और तलाशी बिंदुओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए।

विक्रमशिला सेतु पर जल्द बहाल होगा यातायात

भागलपुर (नि.सं.) । विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत और यातायात व्यवस्था को जल्द सामान्य करने को लेकर पथ निर्माण विभाग में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय सचिव पंकज कुमार पाल ने की। इस दौरान सेतु की वर्तमान स्थिति, मरम्मत कार्य तथा वैकल्पिक यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तकनीकी विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों ने विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही बेली पुल और ट्रस पुल निर्माण जैसे त्वरित उपायों पर विचार-विमर्श किया गया, ताकि सेतु पर जल्द से जल्द आंशिक रूप से यातायात बहाल किया जा सके। इलाके में लोगों को हो रही भारी परेशानियों को देखते हुए विभाग ने युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की सहायता से शीघ्र ही एक बेली पुल का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। विभागीय सचिव पंकज कुमार पाल ने कहा कि इन तैयारियों का मुख्य उद्देश्य जल्द से जल्द आंशिक रूप से यातायात बहाल कर आम लोगों को राहत पहुंचाना है।

बिहार की सम्राट सरकार का हुआ मंत्रिमंडल विस्तार, नीतीश कुमार के बेटे निशांत को भी मंत्री पद की दिलाई गई शपथ

32 मंत्रियों को दिलाई गई शपथ, पीएम मोदी-पूर्व सीएम नीतीश कुमार रहे मौजूद

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का गुरुवार को विस्तार किया गया, जिसमें जातीय और सामाजिक समीकरणों का खास ध्यान रखा गया। 34 सदस्यों वाले बिहार मंत्रिमंडल में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) को मिला है। इसके अलावा दलित, ओबीसी, सवर्ण और अल्पसंख्यक समुदायों को भी संतुलित भागीदारी देने की कोशिश की गई है। मंत्रिमंडल में ईबीसी वर्ग से सर्वाधिक मंत्री बनाए गए हैं। वहीं दलित और ओबीसी समुदाय से 7-7 नेताओं को जगह मिली है। सवर्ण वर्ग से 9 मंत्री बनाए गए हैं।

सबसे ज्यादा ईबीसी-ओबीसी पर मेहरबानी, भूमिहार-राजपूत से छह मंत्री, सात दलित

भाजपा के 15, जदयू के 13, एलजेपीआर के 2, हम से 1, आरएलएम से 1 बने मंत्री

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत बने मंत्री

जेडीयू से तीन नए चेहरे- निशांत, बुलो मंडल और श्वेता गुप्ता

जदयू कोटे से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने मंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ जदयू से श्वेता गुप्ता और बुलो मंडल ने भी मंत्री पद की शपथ ली। निशांत कुमार और दीपक प्रकाश दोनों अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। वहीं बीजेपी से मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरूण शंकर पासवान, नंद किशोर राम और इंजीनियर शैलेंद्र को पहली बार मंत्रीमंडल में जगह मिली है।

ना मैथिली को जगह मिली और ना ही जीवेश मिश्रा को

बीजेपी से मैथिली ठाकुर (अलीनगर विधायक), नीरज सिंह बबलू, जीवेश मिश्रा, अरवल से विधायक मनोज शर्मा और तेघड़ा से विधायक रजनीश सिंह का नाम चल रहा था। माना जा रहा था कि इन नेताओं को कैबिनेट में जगह जरूर मिलेगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। वहीं, महादलित में कृष्ण कुमार ऋषि औ संगीता कुमार का भी नाम चल रहा था, लेकिन इनमें से भी किसी ने भी मंत्री पद की शपथ नहीं ली। इधर, जदयू से भी कई ऐसे नाम हैं, जो मंत्री बनने की रेस में थे। इनमें रूहैल रंजन, अतिरेक कुमार, चेतन आनंद, कोमल सिंह, ऋतुराज कुमार, नचिकेता मंडल का नाम शामिल है। इनमें से किसी को भी मंत्री नहीं बनाया गया।

पांच महिला मंत्रियों को किया गया शामिल

महिला प्रतिनिधित्व की बात करें तो सम्राट कैबिनेट में कुल 5 महिला मंत्रियों को शामिल किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा 3 महिला मंत्री जेडीयू से हैं। इससे यह संकेत देने की कोशिश की गई है कि सरकार महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के पक्ष में है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के कई बड़े नेता मौजूद रहे। गांधी मैदान में हजारों समर्थकों की भीड़ जुटी रही और पूरे कार्यक्रम को शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा गया। कैबिनेट विस्तार के बाद अब नई सरकार के सामने विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने और राजनीतिक संतुलन बनाए रखने की बड़ी चुनौती होगी। हालांकि इस विस्तार से यह साफ हो गया है कि एनडीए ने बिहार में सामाजिक समीकरण को साधते हुए चुनावी रणनीति पर पूरी तरह फोकस कर दिया है।

सम्राट सरकार में विभागों का बंटवारा

निशांत कुमार को स्वास्थ्य तो मिथिलेश तिवारी बने बिहार के नए शिक्षा मंत्री

निज संवाददाता | पटना

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। नई सरकार में कई बड़े विभागों में बदलाव किए गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग अपने पास रखा है, जबकि कई नए चेहरों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को पहली बार मंत्री बनने के बाद स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पिछली सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे विजय कुमार सिन्हा का विभाग बदल दिया गया है। अब उन्हें कृषि मंत्रालय सौंपा गया है। इससे पहले उनके पास राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग था। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को नया राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री बनाया गया है। वे पहले भी इस विभाग की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। सम्राट सरकार में जदयू कोटे से पहले उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन और संसदीय कार्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दूसरे उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव वित्त एवं वाणिज्य कर विभाग के मंत्री बने रहेंगे। हालांकि उनसे ऊर्जा विभाग वापस ले लिया गया है। पहली बार मंत्री

बने बुलो मंडल को बिहार का नया ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। मंत्रिमंडल फेरबदल में शिक्षा विभाग भी भाजपा के खाते में चला गया है। जदयू नेता सुनील कुमार से शिक्षा विभाग वापस लेकर भाजपा नेता मिथिलेश तिवारी को बिहार का नया शिक्षा मंत्री बनाया गया है। इसके बदले स्वास्थ्य विभाग जदयू को दिया गया, जिसकी जिम्मेदारी निशांत कुमार को मिली है। जदयू के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी के विभाग में भी बदलाव किया गया है। पिछली सरकार में उनके पास ग्रामीण कार्य विभाग था, लेकिन अब उन्हें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं भाजपा की युवा महिला नेता श्रेयसी सिंह को उद्योग विभाग का जिम्मा दिया गया है। अब बिहार में निवेश और औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। राजनीतिक हलकों में इसे भाजपा द्वारा युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। नई कैबिनेट में विभागों के बंटवारे को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि आगामी चुनावों और विकास योजनाओं को ध्यान में रखते हुए जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश की गई है।

राजस्व कार्यों की डिजिटल घेराबंदी अब हर दिन होगी अंचलों की समीक्षा

निज संवाददाता | पटना

बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और तेजी लाने के लिए राज्य सरकार ने नई डिजिटल निगरानी व्यवस्था लागू की है। अब राज्य के सभी अंचलों में चल रहे राजस्व कार्यों की प्रतिदिन विभागीय स्तर पर सीधी मॉनिटरिंग की जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है। विभागीय सचिव जय सिंह द्वारा जारी निर्देश के अनुसार अब प्रत्येक दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (भीसी) के माध्यम से अंचल स्तर के कार्यों की समीक्षा होगी। यह समीक्षा दोपहर 3:30 बजे से 4:00 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें सचिव स्वयं अथवा उनके द्वारा अधिकृत कोई वरीय अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में संबंधित अंचल अधिकारी (सीओ) और राजस्व अधिकारी (आरओ) की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

नई व्यवस्था के तहत राज्य के किसी भी दो अंचलों का प्रतिदिन रैंडम चयन कर वहां चल रहे कार्यों की गहन समीक्षा की जाएगी। विभागीय आईटी मैनेजर सुबह 10 बजे चयनित अंचलों को सूचना और वीसी लिंक उपलब्ध कराएंगे, ताकि अधिकारी आवश्यक आंकड़ों और रिपोर्ट के साथ बैठक में शामिल हो सकें। समीक्षा के दौरान ऑनलाइन दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, अभियान बसेरा, सरकारी भूमि सत्यापन, लोक भूमि अतिक्रमण हटाने तथा लोक शिकायतों के निवारण जैसे महत्वपूर्ण मामलों की प्रगति पर विशेष नजर रखी जाएगी। विभाग का मानना है कि नियमित मॉनिटरिंग से राजस्व महाअभियान के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने में मदद मिलेगी और आम लोगों को सेवाएं तेजी से उपलब्ध होंगी।

विभाग ने इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को भी सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया है। उन्हें सुनिश्चित करने को कहा गया है कि चयनित अंचलों के अधिकारी पूरी तैयारी और अद्यतन जानकारी के साथ समीक्षा बैठक में भाग लें। आदेश की प्रति सभी अपर समाहर्ताओं और भूमि सुधार उप समाहर्ताओं को भी भेजी गई है, ताकि जिला स्तर पर भी निगरानी और जवाबदेही मजबूत हो सके। सरकार की इस नई पहल को राजस्व प्रशासन में डिजिटल सुधार और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि इससे अंचल कार्यालयों में लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी आएगी और आम लोगों को सरकारी सेवाओं के लिए अनावश्यक दौड़-भाग से राहत मिलेगी।

परिवहन विभाग ने जारी की चेतावनी

बिहार में वाहनों पर जाति सूचक शब्द लिखने पर लगेगा जुर्माना

पटना(नि.सं.)। बिहार परिवहन विभाग ने राज्य के वाहन मालिकों के लिए सख्त चेतावनी जारी की है। विभाग ने कहा है कि यदि किसी वाहन पर जाति सूचक स्लोगन, शब्द या स्टीकर लगे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा लिया जाए। ऐसा नहीं करने पर वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जाएगा। परिवहन विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी वाहन मालिक एक महीने के भीतर अपने वाहनों से जाति सूचक शब्द, नारे या स्टीकर हटा लें। विभाग का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के शब्द सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकते हैं और यह नियमों के विरुद्ध भी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर वाहनों की जांच की जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी वाहन पर जाति सूचक शब्द या स्टीकर पाए जाते हैं, तो संबंधित वाहन मालिक पर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 177 और 179 के तहत कार्रवाई की जाएगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में वाहन मालिकों पर दो हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। परिवहन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे समय रहते अपने वाहनों से ऐसे स्लोगन और स्टीकर हटा लें, ताकि कार्रवाई से बचा जा सके।

86 दिनों बाद खत्म हुई राजस्व कर्मियों की हड़ताल अंचल कार्यालयों में कामकाज होगा सामान्य

निज संवाददाता | पटना

बिहार में पिछले 86 दिनों से जारी राजस्व कर्मियों की हड़ताल गुरुवार को समाप्त हो गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह के साथ हुई वार्ता के बाद राजस्व कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की। इसके साथ ही राज्य के सभी अंचल कार्यालयों में लंबे समय से प्रभावित कार्यों के दोबारा सामान्य होने की उम्मीद बढ़ गई है। राजस्व कर्मी अपनी 17 सूत्री मांगों को लेकर 9 फरवरी 2026 से अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर थे। हड़ताल के कारण राज्यभर में दाखिल-खारिज, भूमि निबंधन, राजस्व वसूली और अन्य कई महत्वपूर्ण कार्य

प्रभावित हो रहे थे। आम लोगों को भी अंचल कार्यालयों में काम कराने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। राजस्व कर्मियों की हड़ताल समाप्त होने से राज्य सरकार के साथ-साथ आम जनता को भी बड़ी राहत मिली है। अब अंचलों में लंबित पड़े जमीन संबंधी मामलों के निष्पादन में तेजी आने की संभावना है। हड़ताल के दौरान सरकार ने कामकाज प्रभावित होने पर पंचायत सचिवों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। हालांकि बाद में पंचायत सचिवों के भी हड़ताल पर चले जाने से स्थिति और जटिल हो गई थी। इससे कई जिलों में राजस्व विभाग से जुड़े कार्य लगभग ठप हो गए थे।

इससे पहले अंचलाधिकारी (सीओ) और राजस्व पदाधिकारी (आरओ) भी हड़ताल पर थे, लेकिन विभागीय सचिव जय सिंह के साथ वार्ता के बाद उन्होंने अपनी हड़ताल समाप्त कर दी थी। 3 मई से सभी सीओ और राजस्व पदाधिकारी काम पर लौट चुके थे। इसके बावजूद राजस्व कर्मियों की हड़ताल जारी रहने से अंचल कार्यालयों में कार्य पूरी तरह सामान्य नहीं हो पा रहा था। अब राजस्व कर्मियों के भी काम पर लौटने से जमीन से जुड़े मामलों, दाखिल-खारिज और निबंधन कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके अलावा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को आगामी जनगणना कार्य के लिए नोडल विभाग बनाया गया है। ऐसे में हड़ताल समाप्त होने से जनगणना कार्यों के संचालन में भी सहूलियत मिलेगी।

बिहार की राजनीति और भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव के संकेत

मंगल पांडे को मिल सकती है राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार की राजनीति और भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित बिहार सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार समारोह के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। खास तौर पर भाजपा विधायक और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मंगल पांडेय को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने के बाद कई तरह के कयास लगाए जा

रहे हैं। राजनीतिक सूत्रों और पार्टी के अंदरूनी चर्चाओं के अनुसार, भाजपा नेतृत्व मंगल पांडे को केंद्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि उन्हें पार्टी की राष्ट्रीय टीम में शामिल कर राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीन नवीन की नई टीम को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन के बाद केंद्रीय स्तर पर नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसे में संगठनात्मक अनुभव और लंबे राजनीतिक कार्यकाल को देखते हुए मंगल पांडे को राष्ट्रीय अध्यक्ष की कोर टीम में अहम स्थान मिलने की संभावना जताई जा रही है। हाल ही में बिहार मंत्रिमंडल विस्तार में मंगल पांडे को शामिल नहीं किए जाने पर राजनीतिक हलकों में सवाल उठे थे। हालांकि अब इसे पार्टी की रणनीतिक तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व उन्हें राज्य की राजनीति से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका देने की योजना पर काम कर रहा है।

सूत्रों के मुताबिक अगले एक महीने के भीतर भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का औपचारिक गठन किया जा सकता है। पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों और विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को नए स्वरूप में तैयार कर रही है। ऐसे में मंगल पांडे का नाम राष्ट्रीय टीम के संभावित प्रमुख चेहरों में शामिल बताया जा रहा है। गौरतलब है कि मंगल पांडे पूर्व में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और संगठनात्मक स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में चुनाव प्रभारी के रूप में पार्टी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE: DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th; DEMS Electrohomeopathy Medicine | DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE: MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2; BEMS Electrohomeopathy Medicine | MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE: MD (Acu Yoga) MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट; MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE: BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE: MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त, अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश, सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

संक्षिप्त समाचार

रजौली पुलिस ने दो वारंटी को किया गिरफ्तार

रजौली। रजौली पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की यह कार्रवाई बुधवार को अलग स्थानों पर छापेमारी के दौरान की गई। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि शराब मामले में रजौली थाना कांड संख्या 89/21 के तहत फरार चल रहे अभियुक्त सिरदला थाना क्षेत्र के खरौंध गांव निवासी बालेश्वर राजवंशी के पुत्र उपेंद्र राजवंशी गिरफ्तार किया गया है। वहीं स्पेशल एक्साइज कोर्ट द्वितीय नवादा से निर्गत गैर जमानती वारंट के आधार पर बंधन छपरा गांव निवासी कुलो राजवंशी के पुत्र अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने बताया कि दोनों वारंटी लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इन्हें पकड़ा। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अन्य लंबित वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

ओडो स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर नंगे पैर आंदोलन तेज, 24वें दिन भी जारी संघर्ष

नवादाः ओडो स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर एंटी क्राइम ह्यूमन राइट्स प्रोटक्शन काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं नंगे पैर आंदोलनकारी अरविंद मिश्रा का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। 14 अप्रैल 2026 को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर शुरू हुआ यह आंदोलन अब 24वें दिन में प्रवेश कर चुका है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अरविंद मिश्रा ने बताया कि वे भीषण गर्मी के बावजूद नंगे पैर चलकर इस जनहित के मुद्दे को उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मांग किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि ओडो, इछुआ करन, कोशला और नारदीगंज पंचायत समेत आसपास के हजारों लोगों की जरूरत से जुड़ी है। वर्तमान में इन क्षेत्रों के लोगों को एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए राजगीर या तिलैया जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की परेशानी होती है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, डीआरएम दानापुर (पूर्व मध्य रेलवे), नवादा जिलाधिकारी, गृह सचिव पटना और अनुमंडल पदाधिकारी नवादा को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पत्र भेजकर अविलंब कार्रवाई की मांग की गई है।

अरविंद मिश्रा ने यह भी बताया कि नवादा की विधायक विभा देवी ने भी 4 मई 2026 को अपने पत्रांक 108 के माध्यम से केंद्रीय रेल मंत्री, रेल राज्य मंत्री एवं डीआरएम दानापुर को पत्र लिखकर ओडो स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव की अनुशंसा की है। वहीं नवादा के सांसद विवेक ठाकुर ने भी पूर्व में 2 दिसंबर 2025 को रेल मंत्री से मिलकर दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस (13233-13234) के ठहराव की मांग रखी थी। इसके बावजूद अब तक रेलवे विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। अरविंद मिश्रा ने कहा कि जब तक ओडो स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित नहीं होता, तब तक उनका नंगे पैर आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि नंगे पैर चलना उनकी मजबूरी नहीं, बल्कि एक प्रतीक है—संघर्ष, पीड़ा और उम्मीद का। यह आंदोलन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को आम जनता की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास है, ताकि वर्षों से चली आ रही इस समस्या का समाधान हो सके।

रजौली थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बिखेरी मुस्कान, बरामद किए गए तीन कीमती मोबाइल फोन

अपने खोये मोबाइल प्राप्ती के बाद खुशी में लोग व पुलिस

रजौली। रजौली पुलिस ने बिहार पुलिस के विशेष अभियान 'ऑपरेशन मुस्कान' को सार्थक करते हुए गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों के चेहरे पर खुशी लौटा दी है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के कुशल नेतृत्व में चलाई गई इस मुहिम के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी अनुसंधान और सक्रियता के बल पर तीन मोबाइल फोन खोज निकाले। इस सफलता में नव प्रशिक्षु अवर निरीक्षक दिलीप कुमार और रितेश पासवान ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए टीम वर्क का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। पुलिस कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीड़ित इब्राहिम खान, पवन कुमार सिंह और प्रेम सागर कुमार को उनके खोए हुए कीमती फोन सौंपे गए। अपना मोबाइल वापस पाकर तीनों युवकों ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली की सराहना की और आभार प्रकट किया। थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस का उद्देश्य न केवल अपराध नियंत्रण है, बल्कि आम नागरिकों की छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान कर उनके बीच विश्वास को और मजबूत करना भी है।

रजौली पूर्वी पैक्स अध्यक्ष व जदयू नेता के असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर, ससम्मान के साथ दी गई विदाई

श्रद्धांजलि देते जदयू कार्यकर्ता

रजौली। रजौली प्रखंड के रजौली पूर्वी पंचायत के लोकप्रिय पैक्स अध्यक्ष और जनता दल यूनाइटेड के प्रखंड सचिव अनिल कुमार सिंह के असामयिक निधन से पूरे नवादा जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। बीते मंगलवार को नवादा जाने के क्रम में हुड़राही मोड़ के समीप एक अज्ञात बोलेरो की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। लगातार चार बार से पैक्स अध्यक्ष निर्वाचित होते आ रहे अनिल कुमार सिंह न केवल किसानों के चहेते थे, बल्कि अखिल भारतीय दांगी क्षत्रिय संघ नवादा के महासचिव के रूप में भी समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहते थे। उनकी मृत्यु की खबर मिलते ही व्यापार मंडल अध्यक्ष सह लेंगुरा पैक्स अध्यक्ष पवन कुमार, राजेंद्र यादव, राजा पांडेय, राजेश यादव, विक्की कुमार, वीरेंद्र कुमार, संतोष यादव, चंदन कुमार, संतोष कुमार और टनु सिंह समेत तमाम पैक्स अध्यक्षों ने इसे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। उनके पार्थिव शरीर के पैतृक गांव पहुंचते ही एमएलसी प्रतिनिधि सह जदयू जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार मुन्ना और प्रखंड अध्यक्ष कारू सिंह ने उनके पार्थिव शरीर पर पार्टी का झंडा ओढ़ाकर दल की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दुखद घड़ी में कृषि सलाहकार समिति अध्यक्ष मनोज आदर्शी, 20सूत्री सदस्य अरुण चंद्रवंशी, रजौली पश्चिमी अध्यक्ष अवधेश पाण्डेय और मुरहेना पंचायत अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने भी शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दिवंगत नेता अपने पीछे पत्नी, चार बेटियों और दो बेटों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिनकी इस अपार क्षति पर समस्त राजनीतिक और सामाजिक गलियारे ने गहरी संवेदना प्रकट की है।

विद्युत योजनाओं एवं आपूर्ति व्यवस्था की जिलाधिकारी ने की समीक्षा, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा जिलाधिकारी, रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में विद्युत विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों को निर्बाध एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना, विद्युत शक्ति उपकेंद्र निर्माण, 33 केवी नए फीडर निर्माण सहित विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने योजनाओं की प्रगति, कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना के अंतर्गत किसानों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर सिंचाई हेतु आवश्यक विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा ट्रांसफार्मर स्थापना एवं विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने हेतु जहां-जहां आवेदन प्राप्त हुए हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को सिंचाई कार्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में कार्यपालक अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि विद्युत शक्ति उपकेंद्र बुधौल (नवादा) एवं पाली (कौआकोल) में 2×10 एमवीए क्षमता से विद्युत आपूर्ति संचालित

की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो रही है। वहीं गंगटी (अतौआ) में 2×10 एमवीए विद्युत शक्ति उपकेंद्र निर्माण योजना का कार्य प्रगति पर है, जिसे जुलाई 2026 तक पूर्ण कर लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक में 33 केवी नए फीडर निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि खनवां ग्रिड से हिसुआ विद्युत शक्ति उपकेंद्र तक 13.1 किलोमीटर, खनवां ग्रिड से सिरदला विद्युत शक्ति उपकेंद्र तक 17.00 किलोमीटर तथा वारिसलीगंज ग्रिड से वारिसलीगंज विद्युत शक्ति उपकेंद्र तक 3.5 किलोमीटर फीडर निर्माण कार्य का ऊर्जीकृत कर संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना के अंतर्गत 11 केवी नई लाइन निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि कुल 365 किलोमीटर कार्य आवंटित है, जिसमें 220.51 किलोमीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष 144.49 किलोमीटर कार्य सितंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार एल.टी. नई लाइन निर्माण कार्य के अंतर्गत कुल 627.97 किलोमीटर कार्य आवंटित है, जिसमें 429.394 किलोमीटर कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष 198.576 किलोमीटर कार्य सितंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

बैठक में यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना के अंतर्गत कुल 931 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर अधिष्ठापन का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से 680 ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा चुके हैं तथा शेष 251 ट्रांसफार्मर का अधिष्ठापन सितंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। आगामी ग्रीष्म ऋतु एवं बढ़ती गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में विद्युत की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली जाएं, ताकि आमजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने जर्जर एवं क्षतिग्रस्त विद्युत तारों को चिन्हित कर अविलंब मरम्मत एवं प्रतिस्थापन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जहां-जहां पुराने एवं जर्जर तार हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं एवं विद्युत बाधाओं से बचा जा सके। बैठक में कार्यपालक अभियंता, विद्युत को निर्देशित किया गया कि गर्मी के दिनों में घरेलू विद्युत आपूर्ति में उत्पन्न होने वाली तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा विद्युत आपूर्ति को सुचारु रूप से संचालित रखने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। बैठक में कार्यपालक अभियंता विद्युत रजौली एवं नवादा, विद्युत विभाग के संबंधित अन्य पदाधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

अखलाक गौहर बने अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष

चुनाव के बाद माला पहने पदाधिकारीगण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नरहट (नवादा)। अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ की नरहट प्रखंड इकाई के गठन को लेकर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नई प्रखंड कमेटी का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का चयन किया गया।

बैठक में अखलाक गौहर को प्रखंड अध्यक्ष चुना गया। वहीं दिनेश कुमार एवं नीरज कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया। मुकेश कुमार को सचिव तथा दीपक कुमार (नव प्राथमिक विद्यालय गारोविगहा बेलदारी) को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इसके अलावा आशुतोष कुमार राय को कोषाध्यक्ष, सुरेन्द्र प्रसाद को कार्यालय सचिव एवं हीरालाल को अंकेक्षक चुना गया। चुनाव प्रक्रिया राज्य प्रतिनिधि अनिल कुमार, जिला प्रतिनिधि महेश कुमार मधु, अनुमंडल प्रतिनिधि सुमन कुमार, पर्यवेक्षक संजय कुमार तथा चुनाव पदाधिकारी प्रवीण चंद की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति (DWSC) की समीक्षा बैठक आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी, रवि प्रकाश की अध्यक्षता में उनके में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता समिति (DWSC) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महादलित टोलों में शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु चल रहे सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी पात्र परिवारों का सर्वेक्षण कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लिया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र परिवार सर्वेक्षण से वंचित न रहे। जिले में निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसरों के क्रियाशीलता सर्वेक्षण की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कचरा संग्रहण कार्य में प्रयुक्त ई-रिक्शा एवं पी-रिक्शा के अनुरक्षण को सुदृढ़ करते हुए नियमित रूप से कचरा

निष्पादन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक में अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों (Waste Processing Unit) की कार्यक्षमता की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में निर्मित कुल 153 अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों में से 115 इकाइयों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें 102 इकाइयाँ क्रियाशील तथा 13 इकाइयाँ अक्रियाशील पाई गईं। जिला पदाधिकारी ने अक्रियाशील अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों की अक्रियाशीलता के कारणों से संबंधित प्रतिवेदन एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा शत-प्रतिशत सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

अप्रैल माह में घरों से उपयोगिता शुल्क संग्रहण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 3,90,954 परिवारों में से 2,25,444 परिवारों का स्वच्छता मित्र ऐप (SMA) में निबंधन किया गया है, जो कुल परिवारों का 57.67 प्रतिशत है। माह अप्रैल 2026 में 2,664 परिवारों से मात्र 49 हजार रुपये उपयोगिता शुल्क संग्रहण किया गया। अप्रैल माह में उपयोगिता शुल्क संग्रहण में अपेक्षित प्रगति नहीं रहने पर नवादा सदर, वारिसलीगंज, कौआकोल, मेसकौर एवं रजौली प्रखंडों के संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण की मांग करने का निर्देश दिया गया।

इसके साथ ही बैठक में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ग्रामीण गली-नाली पक्कीकरण योजना (MMGSY) वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (MMGAY) वर्ष 2018-19 से 2025-26 तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) वर्ष 2015-16 से 2025-26 तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजनों को योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से प्राप्त हो सके। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती नीलिमा साहू, प्रभारी सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अमरनाथ कुमार, निदेशक डीआरडीए श्री धीरज कुमार, डीपीओ मनरेगा श्री विकेश कुमार, जिला समन्वयक स्वच्छता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सेकेंडरी दिल्ली पब्लिक स्कूल, गया में दो दिवसीय ओपन जिला कराटे चैंपियनशिप का भव्य आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया/नवादा। सेकेंडरी दिल्ली पब्लिक स्कूल, गया में 2 एवं 3 मई को आयोजित 11वीं जिला कराटे चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 32 खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

चैंपियनशिप में नवादा के अद्यंत प्रथम का जलवाः गया में आयोजित दो दिवसीय कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में नवादा के अद्यंत प्रथम ने स्वर्ण पदक जीत कर नवादा का मान बढ़ाया है।पिता अरविंद कुमार और माता मनीषा ने बताया कि अद्यंत प्रथम ने बहुत छोटी उम्र से कराटे सीखना प्रारम्भ कर दिया था और अनेक प्रतियोगिता में पुरस्कृत हो चुका है। पिता अरविंद कुमार (शिक्षक) ने बताया कि आज फिर से कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता जिससे पूरा परिवार में खुशी है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कुमिते स्पर्धाओं में भाग लेकर आत्मरक्षा, अनुशासन और खेल कौशल का

शानदार प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में कुल 17 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक, 8 खिलाड़ियों ने रजत पदक तथा 7 खिलाड़ियों ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैंः: एमडी. फ़ारिज अख्तर, अद्यंत प्रथम,एमडी. ज़िदान जमाली, आरव कुमार, एमडी. फ़ाइज़ अख्तर, एमडी. माजिद अहमद, यश राज, एमडी. अफ़्फान फैसल, समर राज, सनी राज, प्रतीक राज, श्रेयांश राज, दिया कुमारी, अनामिका कुमारी, अनुष्का बरुई, मुस्फिराह अख्तर, अक्सा इफ्तेहाल, उमैरा साबिर

रजत पदक के विजेताओं के नामः अर्चिता रंजन, ज़ायनाह नफ़ीस, श्रेया आनंद, पीहू कुमारी, सौंदर्या प्रियसी, अनाया साबिर, आयुष्मान बरियल, सनी राज

कांस्य पदक विजेताओं के नामः समन सबिर, अना ख्वाहिश, सौम्या वर्मा, आकांक्षा कुमारी, साहिल कुमार, रेयांश आर्य, सैफन जमाली

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कोच सेंसेई सैलेश एवं सेम्पई समर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं टीम प्रबंधन की जिम्मेदारी मनीषा शर्मा ,मधु मैम एवं निधि लक्ष्मी ने कुशलतापूर्वक निभाई।

सेंट जोसेफ स्कूल के हेडमास्टर फादर जेसु राज ने बच्चों को बधाई देते हुए उनका हौसला बुलंद किया और कहा बच्चों एवं युवाओं में कराटे के माध्यम से आत्मरक्षा, आत्मविश्वास एवं अनुशासन की भावना विकसित करना है।

समापन समारोह में सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, विद्यालय प्रशासन एवं खेल प्रेमियों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी सफल बनाया। इस चैंपियनशिप में कुल मिलाकर नवादा जिला के संत जोसेफ स्कूल उपविजेता रहे।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा का प्रखंड स्तरीय सांगठनिक चुनाव सम्पन्न

कई पंचायतों में सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत, संगठन मजबूती पर जोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रखंड स्तरीय सांगठनिक चुनाव को लेकर गुरुवार को कौआकोल प्रखण्ड के सोखोदेवरा स्थित पार्टी कार्यालय में नवादा जिला संयोजक विनय कुशवाहा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिला संयोजक श्री कुशवाहा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पार्टी की ओर से नियुक्त नवादा जिला पर्यवेक्षक अरुण कुशवाहा,देवेंद्र प्रसाद (शेखपुरा) एवं निर्वाचक पदाधिकारी मुसाफिर कुशवाहा की संयुक्त देखरेख में संगठनात्मक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया।चुनाव प्रक्रिया के दौरान सर्वसम्मति से विभिन्न पंचायतों के अध्यक्षों का मनोनयन किया गया। जिसमें सोखोदेवरा पंचायत से मनोज कुमार,देवनगढ़ पंचायत से आनंदी कुमार,कौआकोल पंचायत से ललन कुमार, महुडर पंचायत से सुमित कुमार,पाली पंचायत से नारायण प्रसाद, केवाली पंचायत से सुधीर पाण्डेय, नावाडीह पंचायत से मुकेश कुमार, सरौनी पंचायत से त्रिदेव कुमार, दरावां पंचायत से सौरव राज,छबैल पंचायत से चंदेश्वर प्रसाद, लालपुर पंचायत से शशिभूषण प्रसाद, पाण्डेय गंगौट पंचायत से सौदागर महतो तथा पहाड़पुर पंचायत से सुखदेव महतो को पंचायत अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया।

बैठक में संगठन विस्तार,कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई। इस मौके पर सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित रहे।

मातृ स्वास्थ्य एवं एनीमिया नियंत्रण को लेकर बैठक का आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में गुरुवार को सभी एएनएम एवं जीएनएम (प्रसव कक्ष एवं इमरजेंसी) के साथ मातृ स्वास्थ्य एवं एनीमिया नियंत्रण को लेकर बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवीन कुमार ने की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं में बढ़ते एनीमिया की समस्या को कम करना तथा उन्हें समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक इरसाद अहमद, बीसीएम किरण कुमारी,आरएमएनसीएएचए +एन के रवि कुमार, पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि मंतोष कुमार, केशव ज्योति एवं पवन सिंह जसरोटिया सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय एवं टीमवर्क पर बल दिया।

बैठक के दौरान डा. सोनी कुमारी व पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि मंतोष कुमार द्वारा एफसीएम (फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज) थेरेपी के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी । उन्होंने बताया कि यह थेरेपी मध्यम एवं गंभीर एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रभावी उपचार पद्धति है। इस थेरेपी के माध्यम से महिलाओं में हीमोग्लोबिन की मात्रा तेजी से बढ़ाई जा सकती है, जिससे गर्भावस्था के दौरान होने वाले जोखिमों को कम करने में सहायता मिलती है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) एवं नियमित टीकाकरण दिवस के दौरान चिन्हित एनीमिक गर्भवती महिलाओं को एफसीएम थेरेपी की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए सभी एएनएम, जीएनएम, सीएचओ एवं आशा कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच कर एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की पहचान करने का निर्देश दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में एफसीएम थेरेपी की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है, जिससे क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्यकर्मी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी एनीमिक गर्भवती महिला को उपचार से वंचित न रहना पड़े। समय पर पहचान एवं उचित उपचार से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा एफसीएम इंजेक्शन एक सिंगल डोज थेरेपी है। जिसके माध्यम से एक ही बार में लगभग दो से 2.5 ग्राम तक हीमोग्लोबिन की वृद्धि संभव है। यह थेरेपी विशेष रूप से उन गर्भवती महिलाओं के लिए उपयोगी है। जिनमें आयरन की गंभीर कमी पाई जाती है । उन्हें शीघ्र उपचार की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि यह पहल सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस दौरान मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, गर्भवती महिलाओं की नियमित स्क्रीनिंग, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान एवं समय पर रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में सभी प्रतिभागियों को सामूहिक रूप से कार्य करने, स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी मजबूत करने तथा प्रत्येक गर्भवती महिला तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प दिलाया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में मोबाइल दुकानदार से 80 हजार की लूट, विरोध करने पर मारा चाकू

नालंदा। नालंदा में बुधवार की शाम हथियारबंद अपराधियों ने लूटपाट की एक बड़ी घटना को अंजाम दिया। मोबाइल दुकानदार से कैश और जेवरात की लूट हुई है। विरोध करने पर चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना सारे थाना क्षेत्र के नोनिया पुल के पास की है। पीड़ित की पहचान बड़ेपुर गांव निवासी ब्रह्मदेव यादव के पुत्र सुधीर कुमार के रूप में हुई है, जो बेनार में दुकान चलाते हैं। घायल दुकानदार को इलाज के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने बताया कि दुकान बंद कर बेनार से वापस घर लौट रहा था। रास्ते में पहले से घात लगाए बाइक सवार तीन अपराधियों ने घेर लिया। अपराधियों ने पिस्तौल तान दी और जान से मारने की धमकी देते हुए उनसे 80 हजार रुपए नकद, सोने की चेन और मोबाइल फोन लिया। जब इस लूटपाट का विरोध किया, तो अपराधियों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। घायल अवस्था में छोड़कर बरबीघा की ओर फरार हो गए। तीन अपराधियों में एक बाइक स्टार्ट करके खड़ा था। सारे थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से आवेदन मिला है। अज्ञात अपराधियों की पहचान के लिए सघन छापेमारी की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। ताकि अपराधियों का सुराग मिल सके। थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि एक दिन पहले भी अज्ञात बाइक सवारों द्वारा पीड़ित को रोके जाने की बात सामने आई है, जिससे मामला रेकी से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का उद्भेदन कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजगीर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में एडमिशन की डेट बढ़ी, 15 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

नालंदा। बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एडमिशन डेट को आगे बढ़ा दिया है। अब इच्छुक अभ्यर्थी आगामी 15 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। यह निर्णय उन छात्र-छात्राओं के लिए राहत भरा है जो किसी कारणवश अब तक आवेदन नहीं कर पाए थे। इस सत्र में मुख्य रूप से तीन पाठ्यक्रमों में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें शारीरिक शिक्षा एवं खेल में स्नातक (बीपीईएस) का चार वर्षीय पाठ्यक्रम शामिल है। जो नई शिक्षा नीति 2020 के मानकों के अनुरूप संचालित होगा। इसके लिए कुल 50 सीटें आवंटित की गई हैं। वहीं, खेल प्रशिक्षण में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएससी) पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है, जिसमें एथलेटिक्स, क्रिकेट, कबड्डी, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल जैसे खेलों के लिए कुल 100 सीटें निर्धारित की गई हैं। इस पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि इसे एनएसएनआईएस पटियाला और एलएनआईपीई ग्वालियर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के समकक्ष मान्यता प्राप्त है। इसके अतिरिक्त खेल प्रबंधन के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे अभ्यर्थियों के लिए पीजीडीएसएम की 20 सीटों पर भी आवेदन मांगे गए हैं। नामांकन प्रक्रिया के तहत 8 अप्रैल से ही आवेदन लिए जा रहे थे, जिसे अब बढ़ाकर 15 मई कर दिया गया है। पात्रता मानदंड, शुल्क और चयन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट bsur.bihar.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को पोर्टल के 'एडमिशन' सेक्शन में जाकर 'ऑनलाइन अप्लाई' लिंक का उपयोग करना होगा। राहत की बात यह भी है कि जो अभ्यर्थी अपनी अर्हता परीक्षा (Qualifying Exam) में शामिल हो रहे हैं, वे भी इस शर्त पर आवेदन दे सकते हैं कि उन्हें नियत समय तक अपना उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। किसी भी प्रकार की पूछताछ के लिए विश्वविद्यालय ने हेल्पलाइन नंबर 9691639627, 9102380222 और 8210015003 जारी किए हैं, जिस पर सुबह 10:30 से शाम 5:00 बजे के बीच संपर्क किया जा सकता है।

रेलवे प्रशासन ने नालंदा के हिलसा में बंद किया फाटक, एक साल पहले डीएम ने खोलने का दिया था निर्देश

नालंदा। नालंदा के हिलसा में रेलवे प्रशासन की मनमानी और प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना का एक मामला सामने आया है। दरअसल, रेलवे प्रशासन की ओर से फाटक संख्या 18/C को लंबे समय से बंद किया गया है। मामले की जानकारी के बाद नालंदा के जिलाधिकारी की ओर से एक साल पहले ही इस फाटक को खोलने का निर्देश दिया गया था, लेकिन रेलवे प्रशासन की उदासीनता के कारण बनवारीपुर समेत दर्जनों गांवों के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे की ओर से फाटक को बंद किए जाने के बाद 10 से 12 गांव के करीब 50 हजार की आबादी को कामता हाल्ट के पास घूम कर हिलसा बाजार जाने में 6 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है। 19 अप्रैल 2025 को रेलवे ने अचानक इस फाटक को बंद कर दिया था। उस समय ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा था कि सहायक मंडल इंजीनियर के पत्रांक में फाटक संख्या 17/C और 19/C को बंद करने का निर्देश था, परंतु किसी रसूखदार व्यक्ति के स्वार्थ और दबाव में आकर नियमों को ताक पर रखते हुए जबरन 18/C पर ताला जड़ दिया गया। इस कार्रवाई में पुलिस बल का भी दुरुपयोग किया गया, जिसे ग्रामीणों ने पूरी तरह से नियम विरुद्ध और दमनकारी बताया है। मामला तब और गंभीर हो गया जब हिलसा अनुमंडल पदाधिकारी की ओर से की गई स्थल जांच रिपोर्ट में रेलवे के दावों की पोल खुल गई। प्रशासनिक जांच में यह साफ हुआ कि इस फाटक के बंद होने से नगरनौसा प्रखंड तक पहुंचने वाला मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह कट गया है, जिससे न केवल आम जनजीवन बल्कि आपातकालीन सेवाएं और दैनिक आपूर्ति भी बुरी तरह बाधित हो रही हैं। इसी रिपोर्ट को आधार बनाकर जिलाधिकारी ने पूर्व मध्य रेलवे दानापुर के वरीय परियोजना अभियंता को पत्र लिखकर विधि-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई थी और जनहित में फाटक खोलने का निर्देश दिया था, लेकिन रेलवे विभाग ने इन आदेशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। भाजपा नगर महामंत्री उदित नारायण, अमरजीत कुमार, रेखा देवी और मनोरमा देवी समेत दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षरित आवेदन के माध्यम से प्रशासन को याद दिलाया है कि उन्हें महज 2-3 दिनों में फाटक खोलने का भरोसा दिया गया था, जो एक साल बाद भी पूरा नहीं हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन के आदेश का पालन न होना सीधे तौर पर लोकतंत्र में जनता की समस्याओं का उपहास उड़ाना है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और ग्रामीणों की उग्र आंदोलन की रणनीति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि रेलवे प्रशासन ने जल्द ही अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ी, तो यह विवाद आने वाले दिनों में एक बड़ी कानून-व्यवस्था की समस्या का रूप ले लेगा। वहीं इस पूरे प्रकरण पर एसडीओ हिलसा अमित कुमार पटेल ने बताया कि मामला उच्च न्यायालय में लंबित है।

इमामगंज के पाकरडीह में आध्यात्म, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक बदलाव का अनोखा संगम

महायज्ञ में शहीदों के नाम दान, मिर्ची आहुति और मुख्यधारा में लौटने की ले रहे प्रतिज्ञा भटके युवा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

इमामगंज। गया जिले के नक्सल प्रभावित इमामगंज प्रखंड का पाकरडीह गांव इन दिनों आस्था, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक परिवर्तन का केंद्र बना हुआ है। यहां आयोजित मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री शतचंडी रुद्र शनि शांति मारुति महायज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को नई दिशा देने वाला अभियान बनकर उभरा है। जिस क्षेत्र की पहचान कभी नक्सली गतिविधियों और भय के माहौल से होती थी, वहां आज वैदिक मंत्रोच्चार, भक्ति और सामाजिक समरसता की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। इस महायज्ञ की सबसे अनोखी परंपरा मिर्ची आहुति है। वैदिक मंत्रों के बीच मिर्च से दी जाने वाली आहुति को नकारात्मक शक्तियों के विनाश, क्षेत्र में सुख-शांति और जनकल्याण का प्रतीक माना जा रहा है। इस अनूठे अनुष्ठान को देखने के लिए बिहार के विभिन्न जिलों के साथ-साथ झारखंड से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। महायज्ञ परिसर में रखी गई दान पेटी लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई जा रही राशि शहीद जवानों के सम्मान

और सहयोग के लिए समर्पित की जाएगी। नक्सल प्रभावित इलाके में शहीदों के नाम पर दान पेटी रखने की पहल लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव पैदा कर रही है। श्रद्धालु इसे राष्ट्रसेवा और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम बता रहे हैं। इस महायज्ञ की सबसे भावुक और चर्चित पहलू यह है कि समाज की मुख्यधारा से भटके लोग भी यहां पहुंचकर सामाजिक जीवन में लौटने की प्रतिज्ञा ले रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों बाद इलाके में ऐसा माहौल बना है जहां भय नहीं, बल्कि आस्था और भाईचारे का वातावरण दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह महायज्ञ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र में शांति, सद्भाव और सकारात्मक परिवर्तन का संदेश बन गया है। लोग इसे नक्सल प्रभावित इलाके में बदलती सोच और नई शुरुआत के रूप में देख रहे हैं। महायज्ञ को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। महिला, पुरुष, बच्चे और कुमारी कन्याओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। पूरा इलाका जयकारों और भक्ति गीतों से गूंज उठा। श्रद्धालु यज्ञशाला की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की कामना कर रहे हैं। रात होते ही पूरा यज्ञ परिसर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। श्रद्धालुओं की सुविधा और मनोरंजन के लिए परिसर में मीना बाजार भी लगाया गया है, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

महायज्ञ का संचालन श्री तालिपीठाधीश्वर अनंत विभूषित महंत श्री बाल योगेश्वरानंद ए.एन. स्वामी शनि देव जी महाराज के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। स्वामी शनि देव जी महाराज ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना जगाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि मिर्ची आहुति की परंपरा नकारात्मक शक्तियों के नाश और सुख-शांति की स्थापना के उद्देश्य से की जाती है। यदि भटके हुए लोग भी धर्म और समाज की ओर लौट रहे हैं, तो यह महायज्ञ की सबसे बड़ी सफलता है। महायज्ञ में प्रतिदिन हवन, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका राधिका प्रियम बदा जी द्वारा कथा वाचन तथा वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रासलीला श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि लगभग दस वर्ष पूर्व भी स्वामी शनि बालयोगेश्वर गुरुदेव जी के मार्गदर्शन में इस इलाके में महायज्ञ आयोजित किया गया था। उस समय भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला था। अब दस वर्ष बाद पुनः पाकरडीह गांव में महायज्ञ आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य लोगों के दुख-कष्ट दूर करना और क्षेत्र में सुख-शांति स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि पहले भी कई भटके हुए लोग परिवार के साथ यहां पहुंचे थे और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की प्रतिज्ञा ली थी। इस बार भी लोग गुरुदेव का आशीर्वाद लेकर सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ने का संकल्प ले रहे हैं।

डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि महायज्ञ परिसर में किसानों और शहीद जवानों के सम्मान में तीन विशेष दान पेटियां रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि जिन जवानों की वजह से देश सुरक्षित है, उनके सम्मान में यह छोटा प्रयास किया गया है। इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में यज्ञ समिति और स्थानीय ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं पकरी गुरिया पंचायत के मुखिया अविनाश उर्फ टिमन सिंह, मोहन यादव, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, दीपक कुमार सक्सेना, विक्की कुमार अमीन, राजेश यादव, समर कुमार, डॉ. बीके साव, शिक्षक मोतीलाल, बालमुकुंद पांडे समेत कई लोग सक्रिय रूप से आयोजन में जुटे हुए हैं। 3 मई से शुरू हुआ यह महायज्ञ 9 मई तक चलेगा। फिलहाल पाकरडीह गांव का यह आयोजन पूरे मगध क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे आध्यात्म, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक बदलाव की मिसाल के रूप में देख रहे हैं।

बोधगया में धर्म संस्कृति संगम का शुभारंभ, अलग-अलग राज्यों से साधु-संत, बौद्ध धर्मावलंबी पहुंचे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डॉ. इंद्रेश बोले- भाईचारा ही सच्चे धर्म की पहचान है

गयाजी। अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल बोधगया एक बार फिर धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के रंग में रंग गया। गुरुवार से चार दिवसीय धर्म संस्कृति संगम का शुभारंभ हुआ। देश के अलग-अलग राज्यों से पहुंचे साधु-संत, विद्वान, बौद्ध धर्मावलंबी और गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी से माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो उठा। कार्यक्रम के पहले दिन धार्मिक अनुष्ठान, वैचारिक संगोष्ठी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ शुरुआत हुई। मंच से समाज में एकता, समरसता और सद्भाव का संदेश दिया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं और आगंतुकों की भीड़ उमड़ी रही। बोधगया की पावन धरती पर सनातन परंपरा और बौद्ध संस्कृति का संगम

लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

बोधगया की धरती से एकजुटता का संदेशः मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार शामिल हुए। उन्होंने कहा कि धर्म संस्कृति संगम केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का अभियान है। पिछले 11 वर्षों से यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश दे रहा है। गयाजी केवल सनातन परंपरा का केंद्र नहीं, बल्कि भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली होने के कारण विश्व शांति का भी प्रतीक है। यहां सभी धर्मों के लोग एक साथ आकर प्रेम, भाईचारा और सहअस्तित्व का संदेश देते हैं। प्रेम, समानता और भाईचारा ही सच्चे धर्म की पहचान है। समाज तभी मजबूत होगा जब लोग विभाजन नहीं, बल्कि एकजुटता की राह चुनेंगे। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम पर डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी ताकत है और जनता अपने मत से हर परिस्थिति का जवाब देती है।

तीसरी बार मिनिस्टर बने संतोष सुमन, विरासत में मिली है राजनीति

सास-पत्नी विधायक, पिता जीतनराम मांझी केंद्र में मंत्री

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। सम्राट सरकार में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा(सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन को एक बार फिर मंत्री बनाया गया है। तीसरी बार उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन पिछली सरकार में भी मंत्री थे। परिवार की राजनीतिक पकड़ भी मजबूत है। उनकी पत्नी दीपा मांझी इमामगंज से विधायक हैं, जबकि सास ज्योति मांझी बाराचट्टी की विधायक हैं। संतोष सुमन ने इस बार भी विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ा था। वर्तमान में बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं।

प्रोफेसर भी हैं संतोष सुमनः संतोष सुमन का जन्म गयाजी जिले के महकार गांव में 10 फरवरी 1975 को हुआ। प्रारंभिक पढ़ाई बिहार में हुई। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में एमए किया। यूजीसी-नेट भी पास किया। बाद में मगध विश्वविद्यालय से पीएचडी की डिग्री हासिल की। राजनीति में सक्रिय होने से पहले शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर भी काम कर चुके हैं। गयाजी कॉलेज में बतौर प्रोफेसर भी हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेः पिता जीतनराम मांझी शुरुआत से ही राजनीति में थे, लिहाजा संतोष सुमन को राजनीति विरासत में मिली है। पिता के मुख्यमंत्री बनने के बाद एक्टिव पॉलिटिक्स में आ गए। जेडीयू से अलग होकर जीतन राम मांझी ने अपनी पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा बनाई, तब से संतोष सुमन संगठन में सक्रिय हो गए। मुखर होकर फ्रंट पर आए और धीरे-धीरे पार्टी का चेहरा बने। खासकर दलित और महादलित राजनीति में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई।

पिता जीतनराम मांझी ने बनाई 'हम' पार्टीः 2018 में विधान परिषद के सदस्य चुने गए। दो साल बाद यानी 2020 में नीतीश सरकार में मंत्री बनाया गया। तीन साल बाद जब नीतीश कुमार एनडीए से अलग होकर महागठबंधन के साथ मिलकर सरकार बनाई तो मार्च 2023 में मंत्रिमंडल विस्तार में संतोष सुमन को दोबारा मंत्री बनाया गया।

चुनावी सफर, कहां जीते-कहां हारेः संतोष सुमन अब तक विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक नहीं बने हैं। मुख्य रूप से विधान परिषद यानी एमएलसी के रास्ते राजनीति में आगे बढ़ रहे हैं। वर्ष 2018 में वे पहली बार बिहार विधान परिषद पहुंचे थे। इसके बाद लगातार पार्टी और सरकार दोनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। 2020 में एनडीए सरकार बनने के बाद उन्हें मंत्री बनाया गया था। उस समय उन्हें अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग और लघु सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी मिली थी। बाद में 2023 में उन्होंने नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा देकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया था। उस दौरान जेडीयू और हम के रिश्तों में खटास खुलकर सामने आई थी। फिर 2024 में जब बिहार में सत्ता समीकरण बदला और एनडीए की सरकार बनी तो संतोष सुमन दोबारा मंत्री बनाया गया। उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी और एससी-एसटी कल्याण विभाग मिला। 2025 विधानसभा चुनाव में उन्होंने खुद चुनाव नहीं लड़ा। बावजूद इसके हम पार्टी के कोटे से मंत्री बनाए गए। उस चुनाव में हम के पांच विधायक जीते थे। फिर भी पार्टी ने मंत्री पद के लिए संतोष सुमन को ही आगे किया।

2 दिनों से लापता छात्र का नदी में मिला शव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा के बिहार थाना क्षेत्र में दो दिनों से लापता 18 साल के युवक का शव आज गांव के पास ही गोईठवा नदी से बरामद किया गया। मृतक की पहचान रामजी चक गांव निवासी स्वर्गीय मुन्नू पासवान के बेटे अमरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। युवक की बेरहमी से हत्या कर सबूत छिपाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंक दिया गया था।

मृतक के भाई रणधीर कुमार ने बताया कि अमरेंद्र मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे घर से घूमने के लिए निकला था। काफी देर तक वापस न लौटने पर जब खोजबीन शुरू की गई, तो स्थानीय दुकानदार ने बताया कि वह कोल्ड ड्रिंक लेकर गांव के पास सड़क किनारे आम के पेड़ की ओर गया था। इसके बाद से ही उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। परिजनों ने पूरी रात और

अगले दिन गांव के हर कोने, खाई और नदी में तलाशी ली, लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरुवार दोपहर को कुछ बच्चों ने नदी में शव होने की सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान की।

चेहरे को बुरी तरह कुचलाः परिजनों का आरोप है कि अमरेंद्र की हत्या अत्यंत क्रूरता के साथ की गई है। रणधीर ने बताया कि हत्यारों ने उसकी पहचान मिटाने के उद्देश्य से चेहरे को बुरी तरह कुचल दिया था और शरीर पर पेट्रोल से जलाने के निशान भी पाए गए हैं। मृतक के दांत टूटे हुए थे और चेहरा इस कदर बिगाड़ दिया गया था कि उसे पहचानना नामुमकिन था। अंततः भाई ने उसके कपड़ों, बेल्ट और पैर की उंगलियों के जरिए उसकी शिनाख्त की। परिजनों ने बताया कि अमरेंद्र अगले साल 12वीं की परीक्षा देने वाला था और वह स्वभाव से बेहद सीधा था। उसकी किसी से कोई पुरानी रंजिश या दुश्मनी की बात भी सामने नहीं आई है।

घटना की जानकारी मिलते ही बिहार थाना अध्यक्ष सम्राट दीपक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि पानी में रहने के कारण शव काफी हद तक डीकंपोज हो चुका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों और समय का स्पष्ट पता चल सकेगा।

अस्पताल परिसर में पहुंचे परिजनः फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की योजना बना रही है। अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा है और परिजनों के विलाप से माहौल गमगीन बना हुआ है।

बिहारशरीफ में जुटे आरएलएम दिग्गज, पदाधिकारी के चयन की दी जानकारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। बिहारशरीफ में राष्ट्रीय लोक मोर्चा नालंदा जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें पार्टी के आने वाले संगठनात्मक चुनावों की रूपरेखा तैयार करते हुए पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर चुनाव संपन्न कराने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पटना से आए पर्यवेक्षक अजय कुशवाहा और जिला प्रभारी हिमांशु पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी प्रखंड अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

पदाधिकारियों के चयन की रूपरेखा तैयार कीः पर्यवेक्षक अजय कुशवाहा ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा को जमीनी स्तर पर मजबूत और धारदार बनाने के उद्देश्य से ही लोकतांत्रिक तरीके से पदाधिकारियों के चयन की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक अपनी पहुंच बनाना है, ताकि आम जनमानस का विश्वास संगठन पर बना रहे। इसी क्रम में जिलाध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने चुनावी कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि जिले में संगठनात्मक चुनाव को लेकर तैयारियां पूर्ण हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंचायत स्तरीय चुनाव 26 अप्रैल से 15 मई तक संपन्न होंगे, जबकि प्रखंड स्तरीय चुनाव 16 मई से 25 मई और जिला स्तरीय चुनाव 26 मई से

4 जून तक आयोजित किए जाएंगे। इसके पश्चात 7 जून को प्रदेश अध्यक्ष और 14 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न होगा।

बैठक में संगठन की शक्ति का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मजबूत संगठन के कारण ही पार्टी के नेता उपेंद्र कुशवाहा राज्यसभा सदस्य बने और दीपक प्रकाश जैसे युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे नालंदा में संगठन को नंबर वन बनाएं, ताकि आने वाले चुनावों में पार्टी के विधायकों और मंत्रियों की संख्या में वृद्धि हो सके। इस दौरान वक्ताओं ने पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम में एनडीए की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित केंद्रीय नेतृत्व को बधाई दी। इस अवसर पर प्रेम कुमार चंदन, मल्लू महतो, संकेत कुमार चंदन, नंदन महतो, सुबोध पंडित, चमेली वर्मा और आकाश कुशवाहा सहित भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

तेज गति से जा रही मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर के ट्रक से टकराई , घटना स्थल पर की हुई मृत्यु

बिक्रमगंज रोहतास : थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । हादसा आरा- सासाराम मुख्य मार्ग पर शिवपुर एवं मोहनी गांव के बीच उस समय हुआ, मृतक पिरो से तगादा कर वापस आ रहा था कि तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े खाली ट्रक से जा टकराई । दुर्घटना इतनी भयावह थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया । मिली जानकारी के अनुसार बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 01 तेंदुनी निवासी बबन प्रसाद के 30 वर्षीय पुत्र सरोज कुमार बुधवार की रात करीब 9:30 बजे अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे । इसी दौरान शिवपुर-मोहनी गांव के बीच सड़क किनारे खड़े खाली ट्रक में उनकी बाइक जोरदार तरीके से घुस गई । टक्कर की आवाज सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी । घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की । थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि मृतक के शव को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है । हादसे के बाद मृतक के घर में चीख-पुकार और मातम का माहौल बना हुआ है ।

गयाजी में मिला महिला का शव,शरीर पर चोट के निशान, पारिवारिक विवाद में मर्डर की आशंका

गयाजी। गयाजी के टिकारी अनुमंडल क्षेत्र में आज केसपा पंचायत के रिदपुरा टोला में एक महिला का शव संदिग्ध हालात में बरामद किया गया। मृतका की पहचान कौशलेंद्र मांझी की पत्नी कारी देवी के रूप में हुई है। शव मिलने की खबर फैलते ही देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों के मुताबिक घटना के बाद से मृतका का पति घर पर मौजूद नहीं है। पति के अचानक गायब रहने से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोग पारिवारिक विवाद में हत्या किए जाने की आशंका जता रहे हैं। हालांकि, पुलिस अभी हर बिंदु पर जांच कर रही है और आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से बच रही है। सूचना मिलते ही अलीपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। शव को कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार पति की तलाश में जुट गई है, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने लाई जा सके। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण भी माहौल बना रहा। स्थानीय वार्ड सदस्य सह उप मुखिया संजय साव भी मौके पर पहुंचे और प्रशासन को जांच में सहयोग किया। ग्रामीणों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच सामने आए और दोषी पर कार्रवाई हो सके। सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की गहराई से जांच कर जल्द दोषी को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जांच के दौरान किसी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। फिलहाल महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह जांच के बाद ही साफ हो सकेगा। लेकिन पति के फरार होने से मामला और भी संदिग्ध बन गया है। थाने के दारोगा सत्यम का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

गयाजी में आरएसएस सदस्य बोले- मानवता ही सबसे बड़ा धर्म, सभी भारत माता की संतान

गयाजी। गयाजी के मानपुर स्थित एक निजी होटल में चार दिवसीय धर्म संस्कृति संगम चल रहा है। इसके दूसरे दिन आज आध्यात्म, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की मजबूत झलक दिखी। देशभर से पहुंचे संतों, धर्माचार्यों और विद्वानों ने मंच से एक स्वर में मानवता, भाईचारा और सांस्कृतिक समरसता का संदेश दिया। 6 मई से शुरू हुआ यह आयोजन 9 मई तक चलेगा। गयाजी में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों में खास उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में नारी शक्ति, राष्ट्रभक्ति और मानवता को केंद्र में रखा। उन्होंने कहा कि नारी के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। धरती मां जीवन देती है और भारत मां हम सभी के लिए समान है। उन्होंने कहा कि इंसानों के रंग, जाति और विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन सबकी जड़ एक ही है और हम सभी भारत माता की संतान हैं। इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में सामाजिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि धर्म का मूल उद्देश्य जोड़ना है, तोड़ना नहीं। उन्होंने लोगों से भारतीय संस्कृति की मूल भावना को समझने और समाज में सद्भाव मजबूत करने की अपील की। वहीं संघ के स्वयंसेवक करण सिंह ने बताया कि धर्म संस्कृति संगम केवल भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किया जाता है। गया में यह आयोजन लगातार 12वीं बार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी धर्मों के बीच समरसता, भाईचारा और भारतीय संस्कृति का संदेश फैलाना है। हिंदू, बौद्ध, सिख समेत सभी धर्म मानवता और शांति की राह दिखाते हैं। कार्यक्रम के विभिन्न सत्र अलग-अलग स्थलों पर आयोजित किए जा रहे हैं। दूसरे दिन आयोजन का संचालन अविनाश कुमार के नेतृत्व में किया गया। आयोजन समिति के अनुसार तीसरे दिन का मुख्य कार्यक्रम मगध विश्वविद्यालय परिसर में होगा जहां बड़ी संख्या में संत-महात्माओं, विद्वानों और श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है।

प्राथमिक विद्यालय दोखड़ा के छात्र-छात्राओं को वितरण किया पाठ्य पुस्तक

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत कदवा पंचायत स्थित में प्राथमिक विद्यालय दोखड़ा में पठन-पाठन करने वाले छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य पुस्तक वितरण किया गया। पाठ्य पुस्तक वितरण से पूर्व पिछले दिनों विद्यालय में हुए वार्षिक परीक्षा का परिणाम भी घोषित किया गया। वर्ग पांच में पठन-पाठन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मान पूर्वक परित्याग प्रमाण पत्र दिया गया। वर्ग एक में नामांकन प्रारंभ है। वर्ग एक में 68 छात्र-छात्राओं का नामांकन किया गया है। आगे नामांकन जारी है।बड़ी संख्या में बच्चों के साथ अभिभावक विद्यालय आते हैं और अपने-अपने बच्चों का नामांकन करवा रहे हैं। इस क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय दोखड़ा में बेहतर पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है। विद्यालय में अच्छे-अच्छे शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं शिक्षा सेवक है,जो बच्चों के हित में लगे रहते हैं।प्रधानाध्यापक सरोज कुमार रजक कुशल व्यवहार के साथ-साथ कुशल प्रशासक भी हैं। प्रधानाध्यापक सरोज कुमार रजक शिक्षक-शिक्षिकाओं के अच्छा तालमेल रखते हुए विधालय का संचालन कर रहे हैं। सभी बच्चों को एक समान देखते हैं। प्राथमिक विद्यालय दोखड़ा के प्रधानाध्यापक सरोज कुमार रजक ने बताया कि वर्ग एक से पांच तक के 437 छात्र-छात्राओं पिछले दिनों रिजल्ट जारी कर प्रगति पत्रक वितरण किया गया। वर्ग 5 में पठन-पाठन करने वाले 91 छात्र-छात्राओं को सम्मान पूर्वक परित्याग प्रमाण पत्र दिया गया। प्रधानाध्यापक सरोज कुमार रजक ने बताया कि विद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर 275 छात्रों के बीच पाठ्य पुस्तक वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षा सेवक हुस्न आरा,अस्तरा खातून उपस्थित होकर पुस्तक वितरण में काफी सहयोग किया। छात्र-छात्राओं पाठ्य पुस्तक लेते ही काफी खुश नजर आये। पाठ्य पुस्तक मिलते ही बच्चों के चेहरे पर एक नई मुस्कान देखने को मिला।बाल कल्याण समिति के निःवर्तमान सदस्य सह शिक्षा प्रेमी सह वरिष्ठ अधिवक्ता सह समाजसेवी प्रवीण कुमार झा ने विद्यालय पहुंचकर सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दिया।

डिहरी-राजपुर पथ पर कार-टेंपू की टक्कर, 7 घायल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

इलाज के दौरान मजदूर मनोज राम की मौत

डिहेरी-राजपुर पथ पर करकट पुर गांव के पास गुरुवार सुबह करीब 10 बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। राजपुर की तरफ से अकोढ़ी गोला बाजार जा रही टेंपू(BR26P B1492) को डिहरी से राजपुर की ओर जा रही अनियंत्रित कार(बलेनो BR028F9136)ने करकट पुर गांव के सामने जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपू में सवार चार छात्रा, एक छात्र, एक मजदूर व टेंपू चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल छात्र सड़क पर गिरकर रोने-चिल्लाने लगे। राहगीरों ने तत्काल सभी घायलों को सरकारी अस्पताल अकोढी गोला पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गम्हरिया गांव के गेट से शबाना खातून, सुचिता कुमारी, नसरीन खातून, जिशान आलम, आमिर आलम और मजदूरी करने जा रहे मनोज राम गम्हरिया निवासी खाली टेंपू से अकोढ़ी गोला जा रहे थे, तभी हादसा हुआ।

गंभीर रूप से घायल मनोज राम के दोनों पैर टूट गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां शाम 4 बजे के आस पास इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे। अपर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार व टेंपू को जब्त कर थाना ले आई है। इलाज के दौरान शाम 4:00 बजे के आसपास मनोज राम की मौत हो गई। मनोज राम के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है।

बेटे की शादी से पहले आकाशीय बिजली गिरने से पिता की मौत, 10 मई को था तिलक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अकोढ़ीगोला (रोहतास)। बताते चले की बसंतपुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक दर्दनाक हादसा हो गया। भैंस चरा रहे 65 वर्षीय नंदकिशोर यादव की मौके पर ही मौत हो गई।

गुरुवार दोपहर करीब 2:00 बजे नंदकिशोर यादव, पिता राम वृक्ष यादव, गांव के खेतों में भैंस चरा रहे थे। इसी दौरान मौसम ने अचानक करवट ली। तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। नंदकिशोर यादव भैंस लेकर घर लौट रहे थे कि तभी तेज गर्जना के साथ उन पर बिजली गिर पड़ा, उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सबसे दुखद पहलू यह है कि नंदकिशोर के इकलौते बेटे कुंदन कुमार, 22 वर्ष, की इसी महीने शादी थी। 10 मई को तिलक और 12 मई को बारात जानी थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन बेटे की शादी से पहले ही पिता की अर्थी उठ गई। घटना के बाद पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातम पसरा है।

अकोढ़ीगोला के प्रभारी थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने घटना की पुष्टि की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

संसार डिहरी गांव में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, 12 गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कारकाट / रोहतास । थाना क्षेत्र के संसार डेहरी में दो पक्षों के बीच बुधवार को जमकर मारपीट हुई। विवाद मंगलवार को शुरू हुआ और बुधवार को हिंसक रूप धारण कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार जहां एक पक्ष का दावा है कि मामला इंस्टाग्राम पर एक लड़के द्वारा अपलोड किए गए वीडियो से भड़का, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि यह पुराने पैसे के लेन-देन को लेकर हुआ। वही गुरुवार को प्रभारी थानाध्यक्ष मिथलेश कुमार ने बताया कि मारपीट के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर क्रॉस केस दर्ज कराए। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई। आज दोनों पक्षों से कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पहले पक्ष से कांड संख्या 194/26 में संसार डिहरी निवासी दयाशंकर पासवान के 22 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार, राजेंद्र पासवान के पुत्र प्रेम शंकर पासवान, राजेंद्र पासवान के पुत्र दयाशंकर पासवान, राजेंद्र पासवान के पुत्र जयशंकर पासवान उर्फ बिगन तथा स्वर्गीय अयोध्या पासवान के 22 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार को गिरफ्तार किया गया। दूसरे पक्ष से भुवनेश्वर राम के पुत्र शक्ति कुमार, भूठुनी पासवान के पुत्र कन्हैया पासवान, सुरेंद्र पासवान के पुत्र नीरज कुमार, स्वर्गीय गोविंद राम के पुत्र भीखम पासवान, शिवमुनि पासवान के पुत्र सुरेंद्र पासवान, भीखम पासवान के पुत्र शशि कुमार उर्फ चिंटू कुमार तथा भूठुनी पासवान के पुत्र मनोज पासवान को हिरासत में लिया गया। जांच के बाद सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से वे जेल भेज दिए गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और आगे की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह श्री हनुमंत प्राण-प्रतिष्ठा

महामहोत्सव को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कारकाट/रोहतास। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोरखपरासी व धर्मागतपरासी (सातों परसियां) स्थित मां काली मंदिर प्रांगण गुरुवार को उस समय पूरी तरह भक्तिमय आस्था के रंग में रंग गया,जब श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह श्री हनुमंत प्राण-प्रतिष्ठा महामहोत्सव को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई । वैदिक विधि-विधान एवं विद्वतजनों के पूजन-अर्चन के बाद प्रारंभ हुई शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया । यज्ञ स्थल सातों परसियां मां काली मंदिर से निकली शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग के रास्ते काराकाट बाजार स्थित सूर्य मंदिर पोखरा भगवान भास्कर मंदिर प्रांगण पहुंची । यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं द्वारा कलश पूजन किया गया तथा पवित्र गंगाजल भरकर कांवरियों व श्रद्धालुओं ने पुनः यज्ञ स्थल की ओर प्रस्थान किया । शोभायात्रा के दौरान "जय श्रीराम", "हर-हर महादेव" एवं वैदिक मंत्रों के गगनभेदी उद्घोष से वातावरण पूरी तरह धर्ममय बना रहा । हाथी,घोड़े, ऊंट एवं सुसज्जित रथ शोभायात्रा की भव्यता में चार चांद लगा रहे थे । वहीं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लिए महिलाओं और युवतियों की लंबी कतारें आस्था का अनुपम दृश्य प्रस्तुत कर रही थीं ।

हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ से सातों परसियां से लेकर काराकाट बाजार तक का इलाका भक्तिमय हो उठा । आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा,सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए थे । पूरे आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत वातावरण बना दिया ।

अतिक्रमण से कराह रहा है प्रखंड मुख्यालय राजपुर

सड़क किनारे सजती हैं मांस की दुकाने, ठेला व सब्जी हॉट लगाकर दुकानदार सड़क को कर देते हैं अतिक्रमित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय राजपुर बाजार अतिक्रमण से कराह रहा है.चौक स्थित नासरिगंज को जाने वाली सड़क किनारे दर्जनों मांस की दुकाने सजाकर प्रतिदिन बिक्री किया जाता है. बड़ी संख्या में ठेला पर दुकान लगाने वाले दुकानदार दोनों तरफ से लगभग आधा सड़क कब्जा किये रहते हैं.चौक ऐरिया अन्तर्गत मुख्य बजार जाने वाले सड़क के किनारे दुकानदार फुटपाथी सब्जी दुकान लगाकर समुचा सड़क कब्जा किये बैठे रहते हैं.ऐसा प्रतिदिन होता है,जिससे लोगों को आवागमन में समस्या उत्पन्न हो गई है.

बजार के चौक एरिया से गुजरना बहुत मुश्किल बन गया है.आने जाने में काफी समय खराब होता है.किसी भी सड़क में चारपहिया अथवा बडा वाहन प्रवेश करते हीं स्थिति बद से बदतर हो जाती है. बावजूद भी प्रशासन मुक दर्शक बना हुआ है.

बाजार निवासी राजेश कुशवाहा,श्याम जी तिवारी,श्री भगवान तिवारी,मुरली मनोहर सिन्हा,गणेश साह,उमेश साह,विनोद साह,शिवम गुप्ता समेत अन्य लोगों ने बताया कि सब्जी हॉट के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त जगह एलॉटमेंट है. लाखों की लागत से दुकानों के लिए सेड बना हुआ है.बावजूद भी बजार के चौक क्षेत्र में सड़क पर सब्जी बजार स्थापित है.जो अतिक्रमण समस्या का प्रमुख कारण है. पूर्व प्रमुख रजिन्द्र सिंह ने कहा कि मांस की दुकान बजार के चौक स्थित सड़क पर स्थापित है.जहा दुकानदार खुलेआम बकरा मुर्गा काटने का प्रदर्शन करते हैं. ठेला दुकानों की बाढ है,जो चौक स्थित सड़क को घेरे रहते हैं.जिससे अतिक्रमण की समस्या भयावह बनी हुई है.

मालुम हो कि 18 सितंबर 2025 को अंचलाधिकारी प्रणवेश राज के नेतृत्व में स्थानिय प्रशासन, एएसआई कुन्दन कुमार व अन्य कर्मियों के सहयोग से बजार में माईकिंग करते हुए चौबीस घंटे में सड़क से सभी तरह के अतिक्रमण हटा लेने के लिए अल्टिमेटम को संदेशित किया था.लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुआ है.

मामले में अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि जल्द हीं कारवाई करते हुए सभी सड़क को अतिक्रमण मुक्त किया जायेगा.

8वीं बार मंत्री बने श्रवण कुमार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ जननायक के आशीर्वाद से मिली राजनीतिक दिशा, 1995 से हैं विधायक

नालन्दा। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम के करीबी श्रवण कुमार एक बार फिर मंत्री बने हैं। पटना के गांधी मैदान में आयोजित सुपर स्पेशल इवेंट में मंत्री पद की शपथ ली। लगातार 1995 से ही नालंदा सीट से विधायक हैं। अब तक कुल 8 बार मंत्री बने हैं। बिहार की सियासत में कुछ चेहरे अपनी वैचारिक दृढ़ता और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा के लिए जाने जाते हैं, जिनमें श्रवण कुमार का नाम प्रमुखता से शुमार है। नालंदा की मिट्टी से उपजे इस राजनेता का सफर छात्र राजनीति के उस दौर से शुरू हुआ जब 1974 में जेपी आंदोलन की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही थी।

जेपी आंदोलन की तपिश में खुद को तपाने के बाद उन्होंने जननायक कर्पूरी ठाकुर के सानिध्य में लोकदल से अपने राजनीतिक जीवन की विधिवत शुरुआत की। हालांकि, शुरुआती चुनावी डगर उनके लिए आसान नहीं रही। लोकदल के टिकट पर नालंदा विधानसभा के उपचुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन हार ने उनके हौसलों को पस्त करने के बजाय और भी मजबूत किया। श्रवण कुमार की संगठन क्षमता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे युवा जनता दल और फिर जनता दल के बिहार प्रदेश महासचिव पद की जिम्मेदारी संभालते हुए संगठन की धुरी बने रहे। 1990 के दशक की शुरुआत उनके लिए चुनावी मोर्चे पर चुनौतीपूर्ण रही।

नीतीश के साथ राजनीतिक सफरः 1994 में जब नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने जनता दल से अलग होकर नई पार्टी बनाई, तो श्रवण कुमार ने जनता दल बिहार के महासचिव पद से इस्तीफा देकर नीतीश के नेतृत्व में आस्था व्यक्त की। बाद में यह पार्टी समता पार्टी बनी। 1995 के विधानसभा चुनाव में श्रवण कुमार ने नालंदा विधानसभा से 44,000 मतों से जीत दर्ज की। तब से वे नीतीश कुमार के विश्वसनीय साथी बने हुए हैं। 2005 से नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के बाद श्रवण कुमार जेडीयू के मुख्य सचेतक रहे। जब जनता दल का विभाजन हुआ और जॉर्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार के नेतृत्व में समता पार्टी(अब जदयू) का गठन हुआ, तब से श्रवण कुमार नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार और संकटमोचक के रूप में उभरे। 1995 के बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और नालंदा विधानसभा क्षेत्र से लगातार जीत का परचम लहराते आ रहे हैं।

ग्रामीण इलाकों में पुल-पुलियों का जाल बिछायाः संसदीय कार्यों में उनकी पकड़ का ही नतीजा था कि वे 2004 में बिहार विधानसभा में मुख्य विपक्षी सचेतक बने। 2005 में सत्ता परिवर्तन के बाद से आज तक लगातार सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। मंत्रिमंडल में उनकी मौजूदगी सदैव प्रभावशाली रही है। मांझी सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री के रूप में उन्होंने बिहार के सुदूर इलाकों में सड़क और पुल-पुलियों का जाल बिछाया। उनकी कार्यक्षमता का प्रमाण यह रहा कि उन्होंने विभागीय राशि को कभी सरेंडर नहीं होने दिया। उसे विकास कार्यों में पूरी तरह खपाया। ग्रामीण विकास मंत्री के तौर पर जीविका संगठन के माध्यम से लगभग दो करोड़ महिलाओं को जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है।

न्यायालय के आदेश व विभागीय निर्देशों के बावजूद रजौली में विशिष्ट शिक्षकों की प्रोन्नति अधर में

आर्थिक तंगी और दोहरी जिम्मेदारियों के बीच न्याय की गुहार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और शिक्षकों की प्रोन्नति का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है,जहां सरकारी आदेशों और उच्च न्यायालय के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद 'विशिष्ट शिक्षकों' की पदोन्नति की प्रक्रिया कछुआ गति से चल रही है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी,रजौली द्वारा पत्रांक 143, दिनांक 12 मार्च 2026 के माध्यम से जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना, (नवादा) को पत्र भेजकर माननीय उच्च न्यायालय के वाद संख्या सीडब्ल्यूजेसी 1673/2025 के अनुपालन में चार विशिष्ट शिक्षकों में अजीत कुमार, राजीव कुमार, चंदन कुमार और निर्मला कुमारी का आवेदन अग्रसारित किए गए थे। इस पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि बिहार राज्य अध्यापक नियमावली 2023 के संशोधित प्रावधानों के तहत कक्षा 1-5 के इन शिक्षकों को कक्षा 6-8 में प्रोन्नति हेतु उनकी सेवा अवधि की गणना कर सूची भेजी जा चुकी है,परंतु महीनों बीत जाने के बाद भी यह फाइलें धूल फांक रही हैं और प्रक्रिया अब तक 'प्रक्रियाधीन' ही बनी हुई है। विडंबना यह है कि एक ओर विभाग ने अप्रैल 2026 तक प्रोन्नति कार्य पूर्ण करने का संकल्प दोहराया था, वहीं दूसरी ओर धरातल पर शिक्षक आज भी अपने हक के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

रजौली प्रखंड के शिक्षक नेता अजीत कुमार ने इस विलंब पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार और न्यायालय के आदेशों का इस तरह से लंबित रहना न केवल प्रशासनिक शिथिलता को दर्शाता है बल्कि समर्पित शिक्षकों के मनोबल को भी तोड़ता है। वर्तमान में शिक्षक न केवल विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य बखूबी संभाल रहे हैं, बल्कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण और श्रमसाध्य कार्यों में भी सरकार के निर्देशों का अक्षरशः पालन कर रहे हैं, इसके बावजूद शिक्षा के इन पुजारियों को उनकी वाजिब पदोन्नति के लिए लंबा इंतजार कराया जाना समझ से परे है।शिक्षकों की व्यथा केवल पदोन्नति तक ही सीमित नहीं है,बल्कि पिछले तीन महीनों से वेतन का आवंटन न होने के कारण वे भीषण आर्थिक तंगी से भी गुजर रहे हैं। वेतन के अभाव में परिवार का भरण-पोषण चुनौतीपूर्ण हो गया है, फिर भी शिक्षक अपनी दोहरी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। रजौली के इन शिक्षकों ने राज्य सरकार से तत्काल बजट आवंटित करने और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी से न्यायालय के आदेशानुसार यथाशीघ्र प्रोन्नति की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने की भावुक अपील की है, ताकि कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों को उनका संवैधानिक और विभागीय अधिकार मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

नर्सें अब इमरजेंसी में करेंगी ड्यूटी

भागलपुर। मायागंज में कम मरीजों के कारण आइसोलेशन वार्ड की नर्सों को इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में ड्यूटी करने का आदेश दिया गया है। जरूरत पड़ने पर संक्रमण के मरीज पहले पैथिकेटेड वार्ड में भर्ती होंगे और अगले दिन आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किए जाएंगे। डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि साल में केवल 2-3 मरीज आने के कारण निर्णय लिया गया है।

डीएलएसए में वकीलों का इंटरव्यू 12 से

भागलपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), में गरीबों व निशक्तों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए 30 पैनल वकीलों के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। 125 आवेदनों में से 120 आवेदन सही मिले। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार, इन योग्य उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार की तिथियां 12, 13, 14 और 15 मई 2026 निर्धारित की गई हैं।

नवगछिया से जोगबनी तक दो बस शुरू

भागलपुर। सेतु से आवागमन बंद होने के बाद बुधवार से पथ परिवहन निगम ने नवगछिया से पूर्णिया और जोगबनी रूट पर दो बस का परिचालन शुरू कर दिया है। नवगछिया से पूर्णिया और जोगबनी के लिए जो भाड़ा पहले से था, वहीं भाड़ा अभी भी रहेगा। निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक अमित कुमार ने बताया रविवार को एक बस पूर्णिया गयी थी। पुल टूटने पर पूर्णिया में रह गई थी।

वकीलों ने राहगीरों को पिलाया शरबत

भागलपुर। भीषण गर्मी को देखते हुए उच्च न्यायालय संघर्ष समिति द्वारा मनाली चौक पर राहगीरों और टोटो चालकों के बीच आम का शरबत एवं शीतल पेय वितरित किया गया। अधिवक्ता मुकेश कुमार ठाकुर के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को लू से बचाव के सुझाव भी दिए गए।

महापौर ने 18 योजनाओं का उद्घाटन किया

भागलपुर। निगम क्षेत्र में जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने को लेकर महापौर व उप महापौर ने संयुक्त रूप से विभिन्न वार्डों में विकास योजनाओं की झड़ी लगा दी। वार्ड संख्या 1, 2, 4, 6, 10, 17, 30 और 49 में कुल 18 नए प्याऊ जनता को समर्पित किए गए। प्रत्येक प्याऊ की लागत 7.32 लाख है। वार्ड 2 में नवनिर्मित सड़क व नाले का भी उद्घाटन हुआ।

मंत्रिमंडल विस्तार में बुलो मंडल पर चर्चा तेज

भागलपुर। बिहार सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में गोपालपुर विधायक शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल का नाम मंत्री पद की रेस में सबसे आगे चल रहा है। जदयू कोटे से उनके नाम की चर्चा ने समर्थकों में भारी उत्साह भर दिया है। बुलो मंडल वर्तमान में जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और उनकी पकड़ सभी वर्गों में मजबूत मानी जाती है।

पीएमआर ओपीडी में मरीजों की भीड़ घटी

भागलपुर। सेतु टूटने का असर मायागंज अस्पताल पर भी पड़ा है। बुधवार को पीएमआर ओपीडी में छोटे बच्चे को लेकर आने वाले परिजन की संख्या काफी कम थी। 50 प्रतिशत से भी कम परिजन बच्चों को लेकर पहुंचे थे। जबकि सामान्य तौर पर कमरे के बाहर और प्लास्टर रुम के पास मरीजों की लंबी कतार रहती थी।

ट्रेन से गिरा युवक 3 घंटे तक इलाज के इंतजार में रहा, खून बहने से मौत

बीहट। नगर परिषद बीहट वार्ड संख्या-16 निवासी 35 वर्षीय अभिजीत कुमार की मौत के बाद परिजनों ने इलाज में देरी पर सवाल उठाया है। मंगलवार सुबह बरौनी-पटना रेलखंड पर राजेंद्र पुल स्टेशन के समीप धुरियान एक्सप्रेस से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए अभिजीत को अस्पताल पहुंचाने और इलाज शुरू होने में करीब तीन घंटे लग गए। इस दौरान अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई और सदर अस्पताल बेगूसराय में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान स्व. संजय कुमार चौधरी के पुत्र अभिजीत कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि सात मई को उसके चचेरे भाई की शादी थी। वह एक संबंधी के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान राजेंद्र पुल स्टेशन के समीप ट्रेन से गिर गया। हादसे में उसका एक पैर कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों राजन कुमार, रितेश कुमार, किशोर कुमार एवं बिट्टू कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन घायल को अस्पताल पहुंचाने में काफी समय लग गया। पहले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौनी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल बेगूसराय रेफर कर दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में करीब तीन घंटे बीत गए।परिजनों का कहना है कि लगातार खून बहने के कारण अभिजीत की स्थिति गंभीर होती चली गई। उनका मानना है कि समय पर बेहतर इलाज मिल जाता तो शायद उसकी जान बच सकती थी।

चोरी के सिलेंडर के साथ बदमाश धराया

बेगूसराय। गैस एजेंसी से भरा हुआ सिलेंडर चोरी कर भाग रहे बदमाश को लोगों ने खदेड़ कर पकड़ लिया। बदमाश नगर थाना क्षेत्र के मुंगेरीगंज का बादल कुमार है। इस सम्बन्ध में बाघा, रघुवर नगर स्थित जय मंगला इंडेन गैस एजेंसी के संचालक ललन कुमार ने लोहियानगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़ित का कहना है कि 4 अप्रैल को आरोपी उनके एजेंसी के ऑफिस में घुस कर भरा हुआ सिलेंडर साइकिल पर लोड कर भागने लगा।

"फर्स्ट 95" और "थर्ड 99" के लिए चलेगा अभियान

बेगूसराय। जिले में एचआईवी/एड्स संक्रमण की रोकथाम तथा उच्च जोखिम वाले समूहों तक स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर बीजीजेएस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संक्रमण की रोकथाम, संभावित संक्रमितों की शीघ्र पहचान तथा इलाज की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित "फर्स्ट 95" और "थर्ड 99" लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत अधिक से अधिक संभावित संक्रमित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें जांच और उपचार से जोड़ा जाएगा। बैठक में तय किया गया कि बीजीजेएस की टीम जिले के विभिन्न हॉटस्पॉट क्षेत्रों, औद्योगिक इलाकों तथा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सघन जागरूकता अभियान चलाएगी। इसके साथ ही सामुदायिक आधारित स्क्रीनिंग यानी सीबीएस कैंप का आयोजन किया जाएगा, जहां लोगों को मुफ्त, सुरक्षित और पूरी तरह गोपनीय एचआईवी जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। टीम में शामिल पीयर एजुकेटर्स और आउटरीच वर्कर्स सीधे समुदाय के बीच पहुंचकर लोगों को संक्रमण से बचाव, समय पर जांच और इलाज के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। बैठक में यह भी बताया गया कि एआरटी (एंटी रेट्रो वायरल थेरेपी) ले रहे मरीजों का नियमित वायरल लोड टेस्ट कराया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपचार प्रभावी तरीके से चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार समय पर जांच और उपचार शुरू होने से न केवल मरीज का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि संक्रमण को फैलने से रोकने में भी काफी मदद मिलती है। इस संबंध में कार्यपालक निदेशक ई. कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि जिले में ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है, जहां संक्रमण का खतरा अधिक माना जाता है। इन इलाकों में विशेष फोकस के साथ जांच अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई लोग सामाजिक झिझक या जानकारी के अभाव में जांच नहीं करा पाते हैं, इसलिए जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों का भरोसा जीतने और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों एवं सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाएगा।

बिजली तार चोरी करते बदमाश धराया महिला बोली- मेरे घर में की थी चोरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के ईशाकचक थाना क्षेत्र स्थित शिवपुरी कॉलोनी में बिजली का तार चोरी करते हुए एक चोर पकड़ा गया। इसको आज स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। लोगों का कहना है कि यहां पिछले कई दिनों से एसी और बिजली के तार चोरी हो रही थी, जिससे लोग परेशान थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि आज एक युवक तार काटने का प्रयास कर रहा था। तभी लोगों की नजर उस पर पड़ गई। इसके बाद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाना चली गई। स्थानीय निवासी प्रियंका देवी ने बताया कि कुछ दिन पहले भी यही युवक उनका टोटो चार्जर चोरी कर भाग गया था। आज दोबारा दिखने पर उन्होंने उसे पहचान लिया। पकड़े गए युवक ने बताया कि वह नशा करने के लिए चोरी की घटना को अंजाम देता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पकड़ाए गए युवक ने बताया कि उसे काली स्थान के पास पकड़ा गया। उसके अनुसार, रवि नाम का व्यक्ति उसे जबरदस्ती अपने साथ ले जाना चाहता था। रवि ठाकुरबाड़ी के पास रहता है। युवक के मुताबिक, वह वहां से गुजर रहा था, तभी सरोज चाचा उसे अपने साथ ले गए। इसी दौरान रवि वहां पहुंचा और उसे गाड़ी पर बैठने के लिए दबाव बनाने लगा। युवक ने आरोप लगाया कि जब उसने गाड़ी पर बैठने से इनकार किया, तो उसके साथ मारपीट की गई और करंट लगाने की धमकी दी गई। युवक ने कहा कि डर के कारण वह वहां से भागने लगा। भागने के दौरान लोगों ने उसे चोर समझकर पकड़ लिया। युवक का आरोप है कि उसे पकड़कर रखा गया और पुलिस को भी सूचना नहीं दी गई। उसने कहा कि उसे जबरदस्ती रोका गया है। प्रियंका देवी ने बताया कि वह वर्तमान में किराये के मकान में रहती हैं। करीब आठ-नौ दिन पहले सुबह लगभग 9:11 बजे उनके घर से ई-रिक्शा (टोटो) का चार्जर चोरी हो गया था। प्रियंका देवी के अनुसार, घटना के समय घर का गेट बंद था, बावजूद इसके चोर गेट खोलकर अंदर घुस गया और चार्जर लेकर फरार हो गया। घर की रेलिंग भी काफी सुरक्षित तरीके से बनी हुई है, फिर भी चोरी की घटना हो गई। बाद में जानकारी मिली कि आरोपित किसी अन्य व्यक्ति की थैली लेकर भाग रहा था। इसी दौरान लोगों ने उसे पकड़ लिया।

ट्रक-कार से 16 लाख की विदेशी शराब जब्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में शराबबंदी को सफल बनाने के लिए एक्शन मोड में काम कर रही पुलिस को एक सफलता हाथ लगी है। भगवानपुर थाना पुलिस और डीआईयू (DIU) की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप बरामद की है। मौके से एक ट्रक और एक लग्जरी कार जब्त किया गया है। एसपी मनीष ने बताया कि अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप भगवानपुर थाना क्षेत्र से गुजरने वाली है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए भगवानपुर थाना पुलिस और जिला आसूचना इकाई (DIU) की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने भगवानपुर थाना क्षेत्र में ताजपुर दोबटिया के पास मोर्चा संभाला। सघन चेकिंग के दौरान पुलिस ने गिट्टी लदे एक संदिग्ध ट्रक और एक कार को रोक लिया गया। तलाशी लेने पर दोनों वाहनों से 1539 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। इसके साथ ही चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर के रहने वाले है बदमाशः पकड़े गए तस्कर अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं, जो संगठित रूप से शराब की तस्करी कर रहे थे। पकड़े गए तस्कर मुजफ्फरपुर स्थित पियर के रहने वाले मनोज कुमार, समस्तीपुर के खानपुर के रहने वाले धनंजय कुमार, बेगूसराय जिला के मंसूरचक के रहने वाले शिवकुमार चौधरी और गेहुनी भगवानपुर के रहने वाले शिवम कुमार हैं।

सीपीआई का किला ध्वस्त करने वाले संजय बने मिनिस्टर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के बखरी(सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से लोजपा(रा.) के टिकट पर पहली बार विधायक बने संजय कुमार उर्फ संजय पासवान को सम्राट कैबिनेट में शामिल किया गया है। दूसरी बार उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली है। इससे पहले नीतीश कैबिनेट में भी मंत्री रह चुके हैं। जिला मुख्यालय के शिवपुरी पोखरिया निवासी गुलाब पासवान के पुत्र संजय कुमार(52) ने 1998 में हिंदी विद्यापीठ देवघर से बीए की डिग्री ली। इस दौरान तत्कालीन केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के संपर्क में आ गए। इसके बाद समर्पित भाव से रामविलास पासवान के साथ रहे। दलित सेना के जिलाध्यक्ष बने। इसके बाद लोजपा के युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने। वर्तमान में पार्टी के प्रदेश के प्रधान महासचिव हैं।

लोकसभा चुनाव में टिकट के दावेदार थेः संजय पासवान 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट के दावेदार थे, लेकिन बात नहीं बनी। फिर भी पार्टी के प्रति तन-मन से समर्पित रहे। इसी का परिणाम है कि इस बार गठबंधन में जब लोजपा के हिस्से में बखरी सीट आई तो चिराग पासवान ने यहां से उम्मीदवार बनाया। जिनको लेकर शुरुआती दौर में एनडीए के अदर काफी उठापटक हुई।

सीपीआई उम्मीदवार को हराया थाः टिकट मिला तो संजय पासवान ने बखरी के वर्तमान विधायक और महागठबंधन में सीपीआई के प्रत्याशी सूर्यकांत पासवान को 17 हजार से अधिक वोट से हराकर विजय प्राप्त किया। शपथ पत्र के अनुसार इनकी संपत्ति करीब 20 लाख रुपए ही है।

फसल नुकसान पर मिलेगी राहत राशि

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया जिले में हाल ही में आए आंधी-तूफान और भारी वर्षा से फसलों को हुए नुकसान के बाद, बिहार सरकार प्रभावित किसानों को जल्द ही सहायता राशि वितरित करेगी। जिला पदाधिकारी विनोद दूहन ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि राहत राशि का वितरण नुकसान के आकलन के आधार पर पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि सहायता वितरण से पहले सभी आवेदनों की सत्यता की कड़ी जांच की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या सरकारी कर्मी सहायता दिलाने के नाम पर अनुचित मांग करता है, तो उसे गंभीर अपराध माना जाएगा और तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था कीः डीएम विनोद दूहन ने तूफान और बारिश से प्रभावित किसानों सहित आम जनता से अपील की है कि सरकार द्वारा दी जा रही यह सहायता राशि पूरी तरह निःशुल्क है। इसके लिए किसी बिचौलिए, दलाल या अन्य किसी के झांसे में आने की आवश्यकता नहीं है।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीजी-30-35-आरई, दिनांक: 05.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए **निविदा सं.: एएसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीजी-30-35-आरई** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल-निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य-शेड्यूल ए1-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 30 के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल ए2-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 30 के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए टेलीकॉम्यूनिकेशन लागत। शेड्यूल बी1-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 35 के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल बी2-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 35के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। **निविदा की किस्मः** खुली। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 2,62,41,469.46, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूतिः** रु. 5,24,800/-, **निविदा कागजात का मूल्यः** रु.0.00, **बोली प्रणालीः** एकल पैकेट। **बोली प्रारंभ होने की तिथिः** 15.05.2026, **प्रस्ताव की वैधता : 60 दिन। समापन अवधिः** 12 माह। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समयः** 05.05.2026, 17.43 बजे। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** 29.05.2026, 15.00 बजे। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। HWH-50/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: **10-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 06.05.2026** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थानः** "आसनसोल मंडल-बराकर स्टेशन यार्ड में अप रिसेप्शन लाइन (लाइन नं. 16) का विस्तार"। **निविदा मूल्यः** रु. 1,10,08,062,65, **बयाना राशिः** रु. 2,20,200/-, **कार्य की समापन अवधिः** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समयः** दिनांक 01.06.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरणः http://www.ireps.gov.in**

ASN-56/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जिला पदाधिकारी का औचक निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया के जिला पदाधिकारी विनोद दूहन ने विभिन्न अनुमंडल स्थित कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लंबित मामलों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत अनुमंडल कार्यालय, अररिया से हुई। यहां साफ-सफाई व्यवस्था, लिपिकों को आवंटित कार्य से संबंधित पंजियों जैसे अनुक्रमण पंजी, प्राप्त पंजी, निर्गत पंजी, अनुमंडल नजारत प्रशाखा की मुख्य रोकड़ पंजी और सहायक रोकड़ पंजियों की जांच की गई। डीएम ने इन्हें अद्यतन करने का निर्देश दिया।

आपूर्ति प्रशाखा के कार्यों की भी समीक्षा की गईः इसी क्रम में कोर्ट से संबंधित लंबित मामलों और स्थापना एवं आपूर्ति प्रशाखा के कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद भूमि सुधार उप समाहर्ता, अररिया के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। यहां सीडब्ल्यूजेसी (CWJC) और एमजेसी (MJC) से संबंधित मामलों की गहन समीक्षा हुई। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि न्यायालय से जुड़े मामलों के निष्पादन में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि आम जनता से जुड़े मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।निरीक्षण के दौरान अनुमंडलीय पुलिस कार्यालय का भी जायजा लिया गया, जहां विधि-व्यवस्था से संबंधित विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अनियंत्रित ट्रक ने बुजुर्ग को कुचला, मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया के नरपतगंज थाना क्षेत्र के राजगंज एमपी चौक के समीप एक सड़क दुर्घटना में 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी सदर अस्पताल अररिया में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान सुपौल जिले के भीमपुर वार्ड संख्या 13 निवासी अखिलेश्वर सिंह के रूप में हुई है।

सामान खरीदकर साइकिल से घर लौट रहे थेः परिजनों के अनुसार अखिलेश्वर सिंह नरपतगंज बाजार से घरेलू सामान खरीदकर साइकिल पर घर लौट रहे थे। राजगंज एमपी चौक के निकट एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत घायल अखिलेश्वर सिंह को सदर अस्पताल अररिया पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती कर इलाज शुरू किया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के पुत्र महेंद्र सिंह ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिताजी बाजार से सामान लेकर घर वापस आ रहे थे।

बिहार सरकार

कार्यालय नगर परिषद्, औरंगाबाद

पुर्नअति अल्पकालिन आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् औरंगाबाद क्षेत्रान्तर्गत **वित्तीय वर्ष 2026–27** के शेष 10 माह के लिए निम्नांकित सैरातो की बन्दोबस्ती खुले डाक द्वारा **दिनांक–25.05.2026 को अप0 1:00 बजे** से नगर परिषद् औरंगाबाद के सभाकक्ष में निम्नांकित नियम एवं शर्तो के अधीन किया जाएगा :–

1. संबंधित डाक की विवरणी, जमा राशि एवं अग्रधन उनके सम्मुख निम्नरूपेण अंकित है:–

सैरात सं0	सैरात का नाम	सुरक्षित जमा राशि	अग्रधन की राशि
1.	औरंगाबाद बस स्टैण्ड एवं टेम्पो स्टैण्ड से दैनिक शुल्क की वसूली।	69,00,000.00	6,90,000.00
2.	रामाबांध बस स्टैण्ड एवं दानी बिगहा बस स्टैण्ड को छोड़कर और NH से गुजरनेवाले वाहनो को छोड़कर शहर में प्रवेश करनेवाले मालवाहक टेम्पो एवं अन्य वाहनों से दैनिक चुंगी कर की वसूली एवं गीतिका होटल के सामने चारपहिया वाहन और कारगिल चौक के पास दो पहिया वाहन, राजा नारायण सिंह पार्क के उत्तर और धरनीधर मोड (गया ज्वेलर्स) के पास बने वाहन पार्किंग से पार्किंग शुल्क की वसूली।	29,33,400.00	2,95,000.00

1.वसूली नगर परिषद् औरंगाबाद द्वारा निर्धारित निम्नांकित दर पर ही करना होगा :–

सैरात सं0–1 के लिए निर्धारित दर :–

क्र0सं0	वाहन का नाम	प्रति वाहन वसूल की जाने वाली राशि
1.	टेम्पो/टोटो	15.00 रू0 दैनिक
2.	छोटी बस/407/709	60.00 रू0 दैनिक
3.	बडी बस	80.00 रू0 दैनिक

सैरात सं0–2 के लिए निर्धारित दर :–

क्र0सं0	वाहन का नाम	प्रति वाहन वसूल की जाने वाली राशि
1.	मालवाहक टेम्पो	20.00 रू0 दैनिक
2.	ट्रैक्टर/चार चक्का टेम्पो	40.00 रू0 दैनिक
3.	छोटी बस/ट्रक/407/709	60.00 रू0 दैनिक
4.	बडी बस	80.00 रू0 दैनिक
5.	दस चक्का ट्रक	100.00 रू0 दैनिक
6.	चारपहिया वाहन से पार्किंग शुल्क	20.00 रू0
7.	दो पहिया से पार्किंग शुल्क	5.00 रू0

1. डाक/बंदोबस्ती को बिना कारण बताए रद्द करने का अधिकार हर समय अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
2. अपरिहार्य कारणवश यदि दिनांक–25.05.2026 को डाक संपन्न नहीं हो सका तो पुनः उपर्युक्त नियम/शर्तो के अधीन अगली तिथि दिनांक–26.05.2026 एवं 27.05.2026 को उपर्युक्त समय पर खुला डाक कराया जाएगा।

विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरी के सूचनापट्ट या https://www.aurangabad.bih.nic.in पर देखा जा सकता है।

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर देखी जा सकती है।

PR- 002647 (B & C) 2026-27

मुख्य पार्षद
नगर परिषद् औरंगाबाद

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/755, दिनांकः 06.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के लिए ओपन ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैंः **क्रम सं. 1, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3540, कार्य का नाम :** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 12ए/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु.18,500/-, **क्रम सं. 2, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3560-आर, कार्य का नाम :** "पूर्व रेलवे मुख्यालय भवनों (फेयरली प्लेस और ओल्ड केजी) के कार्यालयों के रिमॉडलिंग तथा भवन के बाहरी हिस्से के बड़े पैमाने पर उन्नयन जिसमें भवन की छत, दीवारों, चारदीवारी की व्यापक मरम्मत और छत से होने वाले रिसाव की रोकथाम शामिल है" से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 79,45,476/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 1,58,900/-, **क्रम सं. 3, निविदा संख्याः ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3588, कार्य का नाम :** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 6/3 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 18,500/-, **क्रम सं.4, निविदा संख्याः ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3564-आर, कार्य का नाम :** "एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 24ए/4(ई) के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 18,500/-, **क्रम सं.5, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3610, कार्य का नाम :1)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 7/ सी के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **2)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 5/4 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **3)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 5/3 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **4)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 7/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **5)** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 7/5 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 46,28,070/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 92,600/-, **क्रम सं.6, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3563-आर, कार्य का नाम :** "एईएन/एसपीएल/हावड़ा के अंतर्गत हावड़ा रेलवे परिसर में भू-दृश्य विकास, बागवानी कार्यों और अन्य सहायक कार्यों" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 61,94,848/- **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 1,23,900/-, **क्रम सं.7, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3582, कार्य का नाम :** "मुरारई-गुमानी स्टेशनों पर 3 मीटर चौड़े एफओबी के विस्तार" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 23,82,453/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 47,700/-, **क्रम सं.8, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3552-ए, कार्य का नाम :** "एईएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन के कार्यक्षेत्र में एमएलवी स्टेशन पर एफओबी के विस्तार" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 21,87,117/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि)**: रु. 43,800/-, **पूर्णता अवधिः** 180 दिन (क्रम सं. 1 से 8 प्रत्येक हेतु)। **समापन तिथि एवं समयः** दिनांक 29.05.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 से 8 प्रत्येक हेतु) । यदि किसी कारणवश उपर्युक्त समापन तिथि को अवकाश/ बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा जमा करने की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट पर समापन तिथि और समय के बाद कोई निविदा जमा नहीं की जा सकती। हालांकि, निविदाओं का ऑनलाइन उद्घाटन समापन तिथि के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन किया जा सकता है। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपनी निविदा ऑनलाइन प्रस्तुत करें। HWH-53/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

सहयोग शिविर की तैयारी को लेकर डीएम ने की समीक्षा, लंबित आवेदनों के निष्पादन के निर्देश

आरा। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में बुधवार को आगामी 19 मई को प्रस्तावित सहयोग शिविर की तैयारी और जनगणना 2027 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा को लेकर ऑनलाइन जूम बैठक की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने प्रखंडों में प्रतिदिन पर्यवेक्षी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संबंधित पंचायतों में प्राप्त सभी आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सहयोग शिविर से पूर्व सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए और शिविर के दिन इसकी जानकारी सार्वजनिक तौर से दी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पेंशन, राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, म्यूटेशन, परिमार्जन, मापी, नल-जल से संबंधित समस्याएं, आपदा अनुदान राशि आदि सेवाओं में किसी भी प्रकार की लंबितता नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सभी जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित पंचायतों में सभी सरकारी योजनाओं की लंबित स्थिति की लगातार निगरानी करें तथा अपने-अपने प्रखंडों में उसका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने सभी वरीय प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन अपने प्रखंड अंतर्गत आवेदनों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा करें। नजरी नक्शा निर्माण व हाउस लिस्टिंग का कार्य अगले दो दिनों के भीतर करने का निर्देश जनगणना 2027 के कार्यों की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिया कि नजरी नक्शा निर्माण व हाउस लिस्टिंग का कार्य अगले दो दिनों के भीतर हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत व अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे।

रजिस्ट्री कार्यालय का निर्मित पार्किंग स्थल चालू

आरा| भोजपुर जिले में रजिस्ट्री कार्यालय के नवनिर्मित पार्किंग स्थल को अब आमजन के लिए प्रारंभ कर दिया गया है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देशानुसार यह पार्किंग व्यवस्था विधिवत तौर से क्रियाशील हो गयी है। जिलाधिकारी ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि पार्किंग स्थल पर सुरक्षा, सुव्यवस्था व सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। ताकि आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला प्रशासन से दी गयी जानकारी के अनुसार अब नागरिक इस पार्किंग स्थल का उपयोग कर सकते हैं, जिससे रजिस्ट्री कार्यालय के आसपास अनियंत्रित वाहन खड़े होने की समस्या में कमी आएगी। इससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी और जाम की स्थिति से लोगों को राहत मिलेगी।

षट्कर्म योग शिविर में किया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

आरा| जिला आर्य सभा एवं आर्य समाज द्वारा श्रद्धानंद भवन, आर्य समाज मंदिर एमपी बाग में, योग स्वास्थ्य रक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर लगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज के कार्यकारी प्रधान महावीर विद्या सागर के नेतृत्व में हुआ। शिविर में योग विद्यालय मुंगेर से आए योग गुरु आशुतोष दास ने प्रतिभागियों को षट्कर्म योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि धोति, बस्ति, नेति, त्राटक, नौली और कपालभाति जैसी क्रियाएं शरीर की आंतरिक शुद्धि कर त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) को संतुलित करती हैं और कई बीमारियों से बचाव में सहायक होती हैं। इन क्रियाओं को सुबह खाली पेट प्रशिक्षित गुरु की देखरेख में करने की सलाह दी गई। मौके पर आर्य समाज के मंत्री प्रकाश रंजन, कोषाध्यक्ष नीरज कुमार आदि रहे।

एक दिन में त्वरित न्याय का सुनहरा मौका

बक्सर| जिले में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर में लगने वाला यह आयोजन आम लोगों के लिए राहत लेकर आ रहा है। समाजसेवी सह अधिवक्ता सुन्दरम कुमार ने इसे "न्याय महाउत्सव" बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत वह मंच है जहां वर्षों से लंबित मामलों का निपटारा एक ही दिन में संभव है, वह भी बिना अतिरिक्त खर्च और जटिल प्रक्रिया के। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी की हार नहीं होती, बल्कि आपसी सहमति से दोनों पक्षों की जीत होती है, जिससे सामाजिक सौहार्द भी बना रहता है। इस लोक अदालत में बैंक ऋण वसूली, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना, वैवाहिक और श्रम विवाद, बिजली-पानी तथा टेलीफोन बिल समेत कई मामलों का समाधान किया जाएगा। सुन्दरम कुमार ने बताया कि यहां दिए गए निर्णय अंतिम होते हैं, जिनके खिलाफ अपील नहीं होती। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का त्वरित और शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

वीर कुंवर सिंह समेत बिहार के विश्वविद्यालयों में शिक्षकेतर कर्मियों की हड़ताल

आरा। आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) सहित बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकेत्तर कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के दौरान कर्मियों ने सामूहिक धरना देकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया। कर्मचारी नेताओं ने साफ कहा है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि लंबे समय से लंबित समस्याओं को लेकर कई बार ध्यान दिलाया गया, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। एसबी कॉलेज में हड़ताल पर बैठे कर्मचारी स्थिति को सामान्य बनाने के लिए अधिकारी रहे तत्पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखने की बात कही है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार और संबंधित विभागों से संवाद के जरिए समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियां जल्द सामान्य हो सकें। सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन होगा तेज कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हड़ताल के दौरान सभी कर्मचारी सामूहिक धरना देकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को उठाते रहेंगे। धरना स्थल पर एसबी कॉलेज के शिक्षकेत्तर कर्मचारी अध्यक्ष रमेश कुमार, सचिव सुमीर कुमार, परिक्षेत्र संयुक्त मंत्री राजकमल सिंह, कोषाध्यक्ष अनील कुमार, वेंकटेश प्रभाकर, रोहित कुमार, प्रेमजीत कुमार, ओंकारनाथ राय, विकास कुमार, कृष्ण प्रसाद, रूपाली राय, रिमझिम पांडे और राजू रावत समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

दो बाइक की टक्कर, युवक की मौत

आरा। भोजपुर में 2 बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। परिजन ने उन्हें इलाज के आरा सदर अस्पताल पहुंचाया। एक की हालत नाजुक है। उसे पटना रेफर कर दिया गया है। मृतक चौरी थाना क्षेत्र के बेरथ गांव निवासी सुमती साह का 21 वर्षीय बेटा वीरू कुमार है। घायलों में एक बाइक पर सवार गड़हनी थाना क्षेत्र के बगवां गांव निवासी मनोज कुमार सिंह का बेटा सूरज कुमार (19) और नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ला निवासी अवधेश चौधरी का बेटा बंटी कुमार (16) शामिल है। दूसरी बाइक पर सवार संदेश थाना क्षेत्र के काकन डीहरा गांव निवासी राजेश पासवान का का बेटा पंकज कुमार (19) शामिल है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव के पास की है।

शादी समारोह से लौट रहे थेः बताया जा हा कि बाइक सवार वीरू कुमार दो दोस्त बंटी कुमार और सूरज कुमार के साथ शादी में गए थे। शिवपुर गांव से होकर लौट रहे थे। दूसरी बाइक पर सवार पंकज कुमार चरपोखरी थाना क्षेत्र के चांदी गांव से अपनी मां को छोड़कर घर वापस लौट रहा था।

मां बोली- तीन लोगों ने बेटी के साथ दुष्कर्म किया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। नया भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने एक 60 वर्षीय वृद्ध सहित दो अज्ञात युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और नामजद आरोपी वृद्ध को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता की मां गुरुवार दोपहर महिला थाना पहुंचीं और लिखित आवेदन दिया। उन्होंने गांव के ही 60 वर्षीय व्यक्ति और दो अज्ञात युवकों पर गंभीर आरोप लगाए।

तीनों आरोपी मुंह ढंककर घर में घुसेः आवेदन में बताया गया है कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे तीनों आरोपी मुंह ढंककर उनके घर में घुसे।आरोप है कि आरोपियों ने लगभग 9 फीट ऊंची दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने युवती के साथ जबरन दुष्कर्म किया।युवती की मां ने अपने बयान में कहा कि घटना के समय वह अपने मायके गई हुई थीं और बेटी घर में अकेली थी।

युवती के शोर मचाने पर भागे आरोपीः युवती के शोर मचाने पर आसपास के लोगों के जुटने की आशंका से सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना पुलिस सक्रिय हो गई। थानाध्यक्ष चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद 60 वर्षीय आरोपी को हिरासत में लेकर महिला थाना पुलिस को सौंप दिया।

थानाध्यक्ष बोलीं-मामले की जांच की जा रहीः इधर, पीड़िता को गुरुवार सुबह मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है ताकि घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा सकें। महिला थाना पुलिस ने बताया कि मामले में प्रारंभिक कार्रवाई जारी है और पीड़िता के बयान, मेडिकल रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिला थानाध्यक्ष प्रतिभा ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस दो अज्ञात आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुटी हुई है।

गर्मी से राहत देने के लिए चित्रांश समिति ने बांटे तौलिए

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। गर्मी को देखते हुए चित्रांश समिति ने सामाजिक सरोकार के तहत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राहत सामग्री का वितरण किया। बुधवार को शिवगंज दुर्गा मंदिर के पास डॉ. राजीव रंजन और डॉ. शालिनी सिन्हा के नेतृत्व में जरूरतमंदों, रिक्शा चालकों और ठेला चलाने वालों के बीच तौलिए बांटे गए। समिति के संयोजक डॉ. केएन सिन्हा ने कहा कि चिलचिलाती धूप और लू से समाज के सबसे निचले तबके को बचाना हमारा मानवीय दायित्व है। समिति हर साल गर्मी में यह अभियान चलाती है ताकि असहाय लोगों को कुछ राहत मिल सके। सह-संयोजक कुमार निर्मल उर्फ सुधीर ने कहा कि चित्रांश समिति सालों भर जन उपयोगी कार्य करती है। इससे पहले महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनें दी गई थीं और आज इसी कड़ी में सैकड़ों लोगों को तौलिए भेंट किए गए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे।

चौसा व बक्सर में मकान सूचीकरण कार्य जारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में चल रहे जनगणना कार्य के तहत मकान सूचीकरण एवं गणना अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिला प्रशासन के निर्देशन में विभिन्न प्रखंडों में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों द्वारा घर-घर जाकर डेटा संकलन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रखंड चौसा के बनारपुर गांव में प्रगणक राम लाल एवं पर्यवेक्षक सुरेंद्र उपाध्याय (सर्किल संख्या 7) द्वारा भवन संख्या 38, मकान संख्या 0039 के अंतर्गत घर के मुखिया शैलेंद्र सिंह के मकान का सूचीकरण किया गया। इस दौरान सहायक समाहर्ता फरखंदा कुरैशी स्वयं उपस्थित रहीं और कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। वहीं, प्रखंड बक्सर के लक्ष्मीपुर गांव में भी जनगणना कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ। यहां प्रगणक सुरेंद्र प्रसाद एवं पर्यवेक्षक गोपाल जी राय (HLB 0060) द्वारा भवन संख्या 1, परिवार संख्या 1 के अंतर्गत पिंटू राय के मकान का सफलतापूर्वक गणना कार्य पूरा किया गया। निरीक्षण के दौरान बक्सर बीडीओ, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी एवं लाइजन पदाधिकारी हेमंत कुमार चौबे (सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी सह मास्टर प्रशिक्षक) भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर कार्य की गुणवत्ता और गति का जायजा लिया। सहायक समाहर्ता फरखंदा कुरैशी ने चौसा एवं बक्सर प्रखंड के सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा करें। उन्होंने कहा कि यह कार्य राष्ट्रीय महत्व का है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई कि वे जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करें और प्रगणकों द्वारा पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों का सही एवं सटीक उत्तर दें, ताकि डेटा की शुद्धता सुनिश्चित हो सके। प्रशासन ने यह भी बताया कि जो परिवार स्वयं स्वगणना कर चुके हैं, वे अपनी स्वगणना आईडी परिवार के अन्य जिम्मेदार सदस्य को उपलब्ध कराएं। इससे प्रगणक के आगमन पर प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

अर्जुन हत्याकांड का खुलासा, 5 हजार के लिए जीजा ने मारा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस ने अर्जुन हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। महज 5 हजार रुपए के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया था। आरोपी जीजा और उसके दोस्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान सहयोगी टोला निवासी गुड्डू राम और दोस्त रंजन राम के तौर पर हुई है। दोनों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पैसों के विवाद में पहले मारपीट की गई। फिर बेरहमी से प्राइवेट पार्ट दबाकर अर्जुन की हत्या कर शव को आहर में फेंक दिया गया। मृतक अर्जुन कुमार बनौली गांव का रहने वाला था। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र की है।

बेटी को लेकर घर लौटा थाः पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि तीन मई की रात अर्जुन कुमार अपने जीजा गुड्डू राम और उसके दोस्त रंजन राम के साथ घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा खोजबीन के दौरान कोई जानकारी नहीं मिलने पर मामला संदिग्ध हो गया। चार मई की देर रात जब गुड्डू राम अपनी तीन वर्षीय बेटी के साथ घर लौटा, तो उसके शरीर और कपड़ों पर खून के निशान देखे गए। जब परिजनों ने उससे पूछताछ की, तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसी दौरान उसकी छोटी बेटी ने मासूमियत में कह दिया कि पापा ने मामा को मारा है, जिसके बाद शक और गहरा गया।

5 हजार के विवाद में हत्याः मृतक के पिता कृष्णा राम के बयान पर गुड्डू राम और रंजन राम के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अर्जुन कुमार ने कुछ समय पहले अपने जीजा से पांच हजार रुपए उधार लिए थे। इसी रकम को लेकर दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। घटना वाली रात भी इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे हिंसक रूप ले बैठी।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिसः पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने पहले अर्जुन के साथ जमकर मारपीट की और फिर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को छपरापुर गांव स्थित आहर में फेंक दिया गया। पांच मई की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

11वीं में नामांकन को लेकर पहली मेधा सूची जारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में इंटरमीडिएट कक्षा 11वीं में नामांकन को लेकर पहली मेधा सूची जारी कर दी गई है। इसके साथ ही जिले के 159 प्लस टू विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जो छात्र-छात्रा मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण किये थे उन्हे नामांकन कराने का इंतजार था। पहली मेधा सूची जारी होने के बाद जिले के विभिन्न +2 विद्यालयों में छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावक नामांकन को लेकर पहुंचने लगे हैं। सुबह से ही स्कूल परिसर में नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं की आवाजाही देखने को मिली। छात्र अपने निर्धारित विद्यालयों में आवश्यक कागजात के साथ पहुंच रहे हैं। हालांकि कैफे संचालकों का कहना है कि बोर्ड द्वारा मेधा सूची जारी कर दी गई है, पर साइट नहीं खुल रही है। शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश दिया है कि सभी विद्यालय पारदर्शिता के साथ नामांकन प्रक्रिया पूरी करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। दूसरी मेधा सूची का भी होगा प्रकाशन वहीं पहली मेधा सूची के बाद दूसरी मेधा सूची भी जारी की जाएगी। ऐसे छात्र-छात्राएं जिनका नाम पहली सूची में नहीं आया है, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है।

ज्योति सिंह बोलीं-पवन सिंह को दूसरी शादी नहीं करने दूंगी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। पवन सिंह को घूंघट में रहने वाली लड़की पसंद है। वो लड़की जो फोन के बारे में जानती न हो। पति जो भी बोले, मां-बहन की गाली दे। वो सिर झुकाकर बातें सुने, लेकिन उसका जवाब न दे। वैसी ही लड़की पवन जी को पसंद है।मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा पछतावा शादी है। अब किसी से कोई डर नहीं लगता। ना अब दूसरी शादी करूंगी ना पवन सिंह की इतनी आसानी से किसी और लड़की की लाइफ बर्बाद करने दूंगी। वो बहुत लड़की की जिंदगी बर्बाद कर चुके हैं। ये बातें भोजपुरी पावर स्टार की दूसरी पत्नी ज्योति सिंह ने एक इंटरव्यू में कही है। अपने वैवाहिक जीवन और कोर्ट में चल रहे तलाक के मामले को लेकर खुलकर अपनी बात रखी।

ज्योति बोलीं- मेरी गलती क्या मुझे पता ही नहींः ज्योति सिंह ने बताया कि उनका केस अभी कोर्ट में चल रहा है। फिलहाल उनकी जिंदगी ऐसी स्थिति में है, जहां न कुछ पूरी तरह से अच्छा है और न ही पूरी तरह खराब। मैं इस समय अपने माता-पिता के साथ रह रही हूं और मानसिक रूप से काफी उलझन में हूं। खुद भी समझ नहीं पा रही हूं कि क्या सही है और क्या गलत। इसलिए अभी पूरी तरह न्यूट्रल रहने की कोशिश कर रही हूं। ज्योति सिंह ने आगे कहा कि, हर इंसान की अपनी सोच होती है, लेकिन वो अक्सर दूसरों की बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया दे देते हैं। उन बातों को गहराई से समझने की कोशिश नहीं करते और रिएक्ट कर रिश्ते को खराब कर देते हैं।

कोविड के वक्त साथ रहे, खूब होती थी लड़ाईः कोविड-19 के समय का जिक्र करते हुए ज्योति सिंह ने कहा कि, उस दौरान पवन सिंह करीब 17 दिनों तक उनके साथ उनके घर पर रहे थे। उसी दौरान उन्हें महसूस हुआ कि उनके रिश्ते में बहुत कुछ बिगड़ चुका है। साथ रहते हुए भी दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। वापस जाते समय मैंने उनसे कहा था कि अब काफी समय हो गया है, इसलिए उन्हें अपने साथ ले चलें। आगे जो भी फैसला हो, मिलकर करें।

मैं अब दूसरी शादी की बात सोच नहीं सकतीः 3 करोड़ की मांग पर भी पिछले 8 वर्षों से मामला अटका हुआ है। हाल ही में जब वह कोर्ट गईं, तो उन्होंने अपनी मांग बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए कर दी। इस सवाल पर ज्योति ने कहा कि जब 3 करोड़ की मांग में ही 8 साल लग गए, तो 10 करोड़ के मामले में और पंद्रह साल समय लगना तय है। इस शादी ने मुझे गहरा मानसिक आघात दिया है। अब दूसरी शादी के बारे में सोच भी नहीं सकती।

अब किसी और की जिंदगी बर्बाद मत कीजिएः ज्योति ने यह भी कहा कि उनकी एक रिकॉर्डिंग के कारण पवन सिंह काफी परेशान हो गए और हालात इस मुकाम तक पहुंच गए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक रिकॉर्डिंग किसी पुरुष के लिए इतनी बड़ी बात हो सकती है, तो कोई दूसरा व्यक्ति उन्हें कैसे अपनाएगा। अगर उनके परिवार वाले उनके लिए दूसरा रिश्ता ढूंढने की कोशिश भी करें, तो यह बहुत मुश्किल होगा। ज्योति सिंह ने अपने जीवन के दो मुख्य मकसद भी बताए। पहला, वह चाहती हैं कि उनके बाद अगर पवन सिंह शादी करें, तो वह अपनी जिम्मेदारियों को समझें और किसी अन्य लड़की की जिंदगी बर्बाद न करें। पहले भी कई लड़कियों की जिंदगी खराब कर चुके हैं। दूसरा, उन्होंने कहा कि अगर पवन सिंह दोबारा शादी करें, तो उस लड़की को सम्मान मिलना चाहिए।

रिश्ता आने के बाद सिर्फ 20 दिन में शादी हो गईः पवन सिंह को ऐसी लड़की से शादी करनी चाहिए, जो बोल या सुन न सके, क्योंकि उन्हें ऐसी लड़की पसंद है जो उनकी बातों का विरोध न करे।

आरटीई के तहत नामांकन के तीसरे चरण में 402 बच्चों का हुआ चयन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया जिले में जारी है। इसी क्रम में तीसरे रैंडमाइजेशन के तहत 402 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। चयनित बच्चों के अभिभावकों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित तिथि 21 मई तक संबंधित विद्यालयों में जाकर अपने बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराएं। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चंदन प्रभाकर ने बताया कि आरटीई के तहत चल रही इस नामांकन प्रक्रिया में पहले और दूसरे चरण में ही 1627 बच्चों का सफलतापूर्वक नामांकन कराया जा चुका है। अब तीसरे चरण के चयनित बच्चों को जोड़ने के बाद यह संख्या और बढ़ेगी, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को निजी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन रैंडमाइजेशन प्रणाली अपनाई जा रही है। इस प्रक्रिया के माध्यम से बच्चों का चयन निष्पक्ष तरीके से किया जाता है, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ मानवेंद्र कुमार राय ने बताया कि आरटीई के तहत बच्चों को निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र बच्चा इस योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे नामांकन के समय सभी जरूरी दस्तावेज साथ लेकर जाएं और किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। साथ ही, विभाग ने यह भी कहा कि जिन अभिभावकों के आवेदन किसी कारणवश रद्द हुए हैं, वे भविष्य में आवेदन करते समय सभी निर्देशों का पालन करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। आरटीई योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर देना है, जिससे वे भी मुख्यधारा में शामिल हो सकें। कुल मिलाकर, जिले में आरटीई के तहत नामांकन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और प्रशासन इसे सफल बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। तीसरे चरण के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि शेष योग्य बच्चों का भी जल्द ही नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रेक्षक की समीक्षा बैठक में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान पर दिया गया जोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बिहार विधान परिषद उप निर्वाचन के तहत भोजपुर-सह-बक्सर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्ट्रेट परिसर आरा में प्रेक्षक राजीव रौशन (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत भोजपुर डीएम तनय सुल्तानिया एवं बक्सर डीएम साहिला ने प्रेक्षक का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद भोजपुर डीएम ने उप निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की। प्रस्तुति में बताया गया कि निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, एआरओ एवं अतिरिक्त एआरओ की नियुक्ति, निर्वाचन कार्यक्रम, अभ्यर्थियों की सूची तथा विभिन्न निर्वाचन कोषांगों के कार्यों को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। साथ ही मतदान एवं मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण और मतदान केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं (एएमएफ) की भी जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान प्रेक्षक ने निर्देश दिया कि पूरी निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जाए।

श्रवण कुमार को फिर मिला मंत्रिमंडल में अहम स्थान, ग्रामीण विकास के साथ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना : बिहार की राजनीति में अपनी सादगी, स्वच्छ छवि और संगठनात्मक क्षमता के लिए पहचान रखने वाले वरिष्ठ जदयू नेता एवं विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को एक बार फिर बिहार सरकार के मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें ग्रामीण विकास विभाग के साथ-साथ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग जैसे अत्यंत अहम विभाग का दायित्व भी दिया गया है। लंबे समय से जनता दल यूनाइटेड के मजबूत स्तंभ रहे श्रवण कुमार को बिहार के सबसे अनुभवी, सुलझे हुए और जमीनी नेताओं में गिना जाता है। पार्टी संगठन से लेकर सरकार तक उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

जनता के बीच लोकप्रिय और साफ-सुथरी छवि वाले नेता : श्रवण कुमार की पहचान एक ईमानदार, कर्मठ और सहज उपलब्ध रहने वाले जनप्रतिनिधि के रूप में रही है। वर्षों से वे लगातार जनता के बीच सक्रिय रहते आए हैं। अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर उनकी संवेदनशीलता और विकास को लेकर उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें आम लोगों के बीच काफी लोकप्रिय बनाया है। बिहार की राजनीति में ऐसे नेताओं की संख्या कम मानी जाती है जिनकी छवि बेदाग और कार्यशैली संतुलित हो। श्रवण कुमार उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्हें सत्ता और संगठन दोनों में समान सम्मान प्राप्त है। यही वजह है कि जदयू विधायक दल के नेता के रूप में भी उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी नेताओं में गिने जाते हैं: राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो श्रवण कुमार, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री Nitish Kumar के बेहद करीबी नेताओं में से एक रहे हैं। वर्षों तक उन्होंने पार्टी और सरकार दोनों स्तरों पर पूरी निष्ठा के साथ काम किया है। जब-जब सरकार के सामने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां आईं, तब-तब उन्होंने संगठन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। नीतीश कुमार के कार्यकाल में जिन नेताओं पर सबसे अधिक भरोसा दिखा, उनमें श्रवण कुमार का नाम प्रमुखता से लिया जाता रहा है। यही कारण है कि उन्हें लगातार महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी मिलती रही है।

ग्रामीण विकास विभाग में पहले भी छोड़ चुके हैं अपनी छाप: हाल के मंत्रिमंडल में भी श्रवण कुमार ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में ग्रामीण सड़कों, आवास योजनाओं, पंचायत स्तर पर विकास कार्यों और गरीबों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी देखने को मिली थी। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को लेकर उनकी गंभीरता और प्रशासनिक अनुभव का लाभ सरकार को लगातार मिलता रहा है। यही वजह है कि सरकार ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए ग्रामीण विकास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सौंपना बड़े विश्वास का संकेत : इस बार उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय भी दिया गया है। यह विभाग सरकार की नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का प्रमुख माध्यम माना जाता है। ऐसे में इस विभाग की जिम्मेदारी किसी अनुभवी, संतुलित और भरोसेमंद नेता को ही दी जाती है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सूचना विभाग की जिम्मेदारी देकर सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि शासन की छवि, संवाद और जनसंपर्क को मजबूत बनाने में श्रवण कुमार की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है।

लंबे राजनीतिक अनुभव का मिलेगा लाभ : श्रवण कुमार लंबे समय से विधायक के रूप में जनता की सेवा करते आ रहे हैं। उनके पास प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ संगठनात्मक समझ भी गहरी है। विधानसभा और सरकार दोनों में उनका अनुभव उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देता है। उनकी राजनीतिक यात्रा संघर्ष, सादगी और जनसेवा की मिसाल मानी जाती है। यही कारण है कि पार्टी कार्यकर्ताओं से लेकर आम जनता तक में उनके प्रति सम्मान का भाव देखने को मिलता है।

सम्राट चौधरी सरकार में बढ़ी अहमियत : मुख्यमंत्री Samrat Choudhary के नेतृत्व वाली सरकार में श्रवण कुमार को दो महत्वपूर्ण विभाग सौंपा जाना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि सरकार अनुभवी और साफ-सुथरी छवि वाले नेताओं को आगे रखकर विकास और प्रशासनिक संतुलन को मजबूत करना चाहती है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी तेज है कि आने वाले समय में सरकार की विकास योजनाओं और जनसंपर्क अभियान को मजबूत बनाने में श्रवण कुमार की भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के अनुपालन हेतु 20 हजार से अधिक जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026' के प्रभावी अनुपालन को लेकर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा राज्यभर में व्यापक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत 20 हजार से अधिक जनप्रतिनिधियों, जिला पदाधिकारियों, जिला एवं प्रखंड समन्वयकों, पंचायती राज पदाधिकारियों तथा पंचायत स्तर के कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या 6174/2023 में 19 फरवरी 2026 को जारी निर्देश के बाद इस प्रशिक्षण अभियान को विशेष रूप से संचालित किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा है कि 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026' का पालन नहीं करना केवल प्रशासनिक विफलता नहीं माना जाएगा, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और मुकदमा भी चलाया जा सकता है। इस मामले की लगातार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निगरानी की जा रही है। ज्ञात हो कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 जनवरी 2026 को 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2026' अधिसूचित की गई थी। यह नियमावली 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावी हो चुकी है। इससे पूर्व वर्ष 2016 की नियमावली लागू थी। इसी के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् ने नगर विकास एवं आवास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग तथा जिला प्रशासन के सहयोग से 15 अप्रैल से 7 मई 2026 तक 12 चरणों में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मुखिया, जिला पदाधिकारी, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक, प्रखंड स्तरीय पंचायती राज पदाधिकारी एवं अन्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण श्रृंखला के 12वें एवं अंतिम सत्र में पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और शिवहर जिलों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के अंतिम सत्र का उद्घाटन करते हुए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् के अध्यक्ष डॉ. शुक्ला ने कहा कि इस नियमावली का मुख्य उद्देश्य चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सीमित प्राकृतिक संसाधनों का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग कर उन्हें दोबारा इस्तेमाल में लाना समय की आवश्यकता है, ताकि संसाधनों का क्षरण रोका जा सके। उन्होंने कहा कि बड़े कचरा उत्पादकों जैसे संस्थान, मॉल और अपार्टमेंट को अपने कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी स्वयं उठानी होगी। यदि वे स्वयं इसका प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो उन्हें स्थानीय निकाय से ईपीआर प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने 5 मई 2026 को जारी आदेश में जिला पदाधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा-5 के तहत विशेष अधिकार प्रदान किए हैं। इसके तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकेगा। साथ ही जिला स्तर पर एक विशेष कोषांग गठित किया जाएगा, जो अपने क्षेत्र में उत्पन्न हो रहे कचरे और डंपिंग स्थलों का आंकड़ा एकत्र कर मुख्यालय को भेजेगा। यह रिपोर्ट आगे सर्वोच्च न्यायालय को उपलब्ध कराई जाएगी।

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् के सदस्य-सचिव नीरज नारायण, भारतीय वन सेवा ने प्रशिक्षण में शामिल पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार नियमावली का अनुपालन पूरी तरह बाध्यकारी है। उल्लंघन की स्थिति में जुर्माना और कानूनी कार्रवाई दोनों की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष डॉ. शुक्ला की दूरदर्शिता और समय पर की गई पहल के कारण राज्यभर में 20 हजार से अधिक प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इनमें सभी जिलों के जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, पंचायत एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, जिला और प्रखंड समन्वयक सहित तकनीकी कर्मी शामिल रहे। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों के बल पर आने वाले समय में बिहार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। ऑनलाइन प्रशिक्षण का संचालन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् के वैज्ञानिक नलिनी मोहन सिंह द्वारा किया गया।

नियमावली के प्रमुख प्रावधान

- कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में पृथक करना
- खुले में कचरा फेंकने और जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध
- गीले कचरे का स्थानीय स्तर पर ही प्रसंस्करण
- उपभोक्ता शुल्क का निर्धारण और वसूली
- बड़े कचरा उत्पादकों की जवाबदेही तय करना
- पंचायत स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की आधारभूत संरचना का आकलन
- कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूकता फैलाने में जनप्रतिनिधियों की प्रमुख भूमिका

बिहटा में अनिरोध हत्याकांड का 48 घंटे में खुलासा पत्नी और छोटे भाई गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहटा। बिहटा थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव में 4 मई को हुए अनिरोध कुमार हत्याकांड का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी निशु कुमारी और उसके छोटे भाई कुंदन कुमार को गिरफ्तार किया है।

हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल और मैगजीन भी गांव के एक कुएं से बरामद कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, अनिरोध कुमार की सिर और पीठ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी और पुलिस लगातार मामले की जांच में जुटी हुई थी।

पटना पश्चिमी सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि अनिरोध कुमार की हत्या उसकी पत्नी निशु कुमारी और छोटे भाई कुंदन कुमार ने मिलकर की थी। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों के बीच अवैध संबंध थे, जिसके कारण हत्या की साजिश रची गई। पुलिस के अनुसार, हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से पिस्टल और मैगजीन को गांव के कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हथियार बरामद कर लिया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

20 मई को बंद रहेंगी दवा दुकानें, मेडिकल स्टोर संचालकों ने किया राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान

♦ ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉरपोरेट छूट के विरोध में लिया गया फैसला, मरीजों को हो सकती है परेशानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मसौढ़ी। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर 20 मई को देशभर में दवा दुकानदार राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान देशभर के करीब 12 लाख से अधिक दवा प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। इसी क्रम में पटना जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने भी मसौढ़ी क्षेत्र की सभी दवा दुकानों को बंद रखने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री, बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा भारी छूट देकर बाजार को प्रभावित करने तथा नकली दवाइयों के बढ़ते खतरे के विरोध में यह एकदिवसीय बंद बुलाया गया है।

दवा व्यवसायियों का कहना है कि ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री जनस्वास्थ्य और मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। फर्जी चिकित्सकीय पर्चियों के आधार पर दवाओं की बिक्री होने से दवाओं के दुरुपयोग की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में अवैध ई-फार्मेसी पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की गई है।

एसोसिएशन ने यह भी कहा कि बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां मनमाने तरीके से भारी छूट देकर छोटे और मध्यम स्तर के दवा कारोबारियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर रही हैं। इससे स्थानीय मेडिकल दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। पदाधिकारियों के अनुसार हड़ताल के दौरान मसौढ़ी शहर समेत आसपास के क्षेत्रों की अधिकांश दवा दुकानें बंद रहेंगी। ऐसे में मरीजों और उनके परिजनों को दवाएं खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोगों से अपील की गई है कि आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था पहले से कर लें।

पिस्तौल और कारतूस के साथ दो युवक गिरफ्तार

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कर्पूरी चौक के पास पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को पिस्तौल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों पर हथियार का भय दिखाकर पैसे मांगने और मारपीट करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, भगवानगंज निवासी गोरख यादव के पुत्र से पुरानी बाजार मोहल्ला निवासी हीरालाल श्रीवास्तव के पुत्र अमन कुमार तथा धनौती गांव निवासी सतीश कुमार के पुत्र गुलशन कुमार उर्फ गोलू अक्सर पिस्तौल का डर दिखाकर पैसे मांगते थे। बताया जाता है कि गुरुवार को भी दोनों युवक युवक से पैसे की मांग कर रहे थे। पैसे नहीं देने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसकी जानकारी युवक ने अपने पिता गोरख यादव को दी। आरोप है कि जब गोरख यादव मौके पर पहुंचे तो दोनों युवकों ने उनके साथ भी मारपीट की और पिस्तौल के बट से हमला कर उनका सिर फोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मसौढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए अमन कुमार एवं गुलशन कुमार उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान अमन कुमार के पास से एक पिस्तौल तथा गुलशन कुमार के पास से एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

मुजफ्फरपुर में होटल में युवती से रेप, प्रेमी गिरफ्तार, पीड़िता बोली- मिलने के बहाने बुलाया था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में युवती से रेप का मामला सामने आया है। अहियापुर थाना क्षेत्र के आर.एस. होटल एंड रेसीडेंसी में बुधवार रात युवती ने पुलिस को फोन कर मदद मांगी, जिसके बाद टीम ने उसे बचाया। मौके से आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता ने बताया कि सिवाई पट्टी निवासी सुजीत कुमार से पिछले ढ़ाई साल से अफेयर चल रहा था। शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक शोषण किया। सुजीत ने मिलने के बहाने बुलाया। मुझे अपनी पत्नी बताकर एक कमरा बुक गया। होटल के रजिस्टर में लिखा कि पत्नी के साथ आया हूं। कमरे के अंदर सुजीत ने मेरे साथ दरिंदगी की। विरोध करने पर प्रताड़ित किया। खुद को खतरे में पाकर किसी तरह से पुलिस को सूचना दी। अहियापुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए होटल पर छापा मारा। पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर सुरक्षित निकाला। मामले की गंभीरता को देखते हुए रात में ही कमरे को सील कर दिया, ताकि साक्ष्यों से छेड़छाड़ न हो सके। गुरुवार को पुलिस टीम फॉरेंसिक (FSL) विशेषज्ञों के साथ दोबारा होटल पहुंची। पीड़िता को भी शिनाख्त के लिए साथ ले जाया गया, जहां उसने पूरी बात बताई। कमरे से कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं, जो जांच में सहायक होंगे। पुलिस ने होटल मालिक को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि प्रेमी जोड़ों को कमरा देते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। बिना सही पहचान और संदेह होने पर सूचना न देना लापरवाही की श्रेणी में आता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि होटल में ठहरने वाले हर व्यक्ति का पूर्ण विवरण होना अनिवार्य है। नगर एसडीपीओ विनीत सिंह ने बताया कि एक लड़की ने फोन करके बताया था कि होटल के कमरे में उसके साथ गलत काम किया जा रहा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने युवती को सुरक्षित निकाला। आरोपी सुजीत को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता का मेडिकल चेकअप करा लिया गया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

लैंडिंग से पहले इंडिगो फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी राजीव प्रताप रूडी ने लखनऊ में सुरक्षित उतरा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E6497 गुरुवार को लैंडिंग से पहले अचानक खराब मौसम और तेज टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। लैंडिंग से ठीक पहले विमान में अचानक तेज झटके लगने लगे, जिससे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री डर गए और फ्लाइट के अंदर चीख-पुकार की स्थिति बन गई। यात्रियों को ऐसा लग रहा था, जैसे कोई बड़ा हादसा हो सकता है। खास बात यह रही कि इस फ्लाइट को केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी उड़ा रहे थे। खराब मौसम और सुरक्षा कारणों को देखते हुए पायलट ने विमान को पटना में उतारने के बजाय लखनऊ डायवर्ट करने का फैसला लिया। इसके बाद फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान के सुरक्षित लैंड होते ही यात्रियों ने राहत की सांस ली।

रूडी ने यात्रियों का हौसला बढ़ाया: फ्लाइट में मौजूद केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने भी यात्रियों का हौसला बढ़ाया। लखनऊ में सुरक्षित लैंडिंग के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अब आप ताली बजा सकते हैं, क्योंकि आप सुरक्षित उतर गए हैं।' उनकी यह बात सुनते ही फ्लाइट में मौजूद सभी यात्रियों ने तालियां बजाईं। कुछ यात्रियों ने इस पूरे घटनाक्रम को बेहद डरावना बताया। वहीं, सुरक्षित लैंडिंग के बाद लोगों ने पायलट और क्रू मेंबर्स की सराहना की।

लेक्चरर और पायलट रह चुके हैं रूडी:

❐ यात्रियों से बोले-अब आप ताली बजा सकते हैं

राजीव प्रताप रूडी का जन्म 30 मार्च, 1962 को पटना में हुआ था। उनके पिता विश्वनाथ सिंह और मां का नाम प्रभा सिंह है। उनका परिवार मूल रूप से सारण जिले के अमनौर का रहने वाले हैं। रूडी ने पटना के संत माइकल हाई स्कूल से शुरुआती पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज से अपनी पढ़ाई की। उन्होंने चंडीगढ़ के गवर्नमेंट कॉलेज से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया है। रूडी ने 1985 में पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री और 1987 में मगध यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया है। यूनिवर्सिटी पॉलिटिक्स में भी रूडी सक्रिय थे। वे पंजाब यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष रह चुके हैं। हालांकि, सक्रिय राजनीति में आने से पहले वे पटना के एएन कॉलेज में लेक्चरर थे।

सम्राट की पुलिस से खफा हुए बाहुबली अनंत सिंह

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बाहुबली अनंत सिंह सम्राट चौधरी की पुलिस से खफा हैं। गोपालगंज पुलिस ने JDU विधायक पर FIR दर्ज की है। 3 दिन पहले अनंत सिंह गोपालगंज के मीरगंज में एक जनेऊ कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उनके समर्थकों ने खुलेआम हथियार लहराए थे। इसी कार्यक्रम में अनंत सिंह मुजरा देखने के दौरान तालियां बजाते दिखे थे। हथियार लहराने को लेकर अनंत सिंह समेत 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। FIR दर्ज होने के बाद अनंत सिंह सम्राट सरकार के खफा हैं।

उन्होंने कहा है कि, FIR से मैं डरता हूं क्या? क्या मैं किसी आमंत्रण में नहीं जाऊं। उन्होंने गोपालगंज के एसपी विनय तिवारी को भी निशाने पर लिया। अनंत सिंह ने कहा कि, सुने उसको कोई जानता नहीं, इसलिए नाम कमाने के लिए ये सब किया है। अनंत सिंह ने कहा कि, मैंने कोई गलती नहीं की है। अगर गलती की होगी तो हमको भुगतना होगा। ऊपर भगवान बैठा है।

पूरा मामला मीरगंज के सेमराव गांव में गुड्डू राय के घर 2 और 3 अप्रैल को जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम का है। जनेऊ में अनंत सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शामिल हुए थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेहमान शामिल हुए थे।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज बिहटा में 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बिहटा में 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भारत सरकार के केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम के जरिए देशभर के 12 विभिन्न केंद्रों पर इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की शुरुआत की। इसी कड़ी में बिहटा स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ऑडिटोरियम में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि बिहार के श्रमायुक्त राजेश भारती विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

कार्यक्रम में बताया गया कि नवंबर 2025 में अधिसूचित नई श्रम संहिताओं के तहत व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता (ओएसएच कोड) 2020 की धारा 6(1)(सी) के अनुसार अब प्रत्येक नियोक्ता के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वह 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करे। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा बीमित श्रमिकों के लिए इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करना है।

समारोह को संबोधित करते हुए श्रम सचिव दीपक आनंद ने कहा कि बिहार सरकार श्रमिकों के कल्याण और नई श्रम संहिताओं को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं श्रमायुक्त राजेश भारती ने ओएसएच कोड के प्रावधानों और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वार्षिक स्वास्थ्य जांच के लिए श्रमिकों को सवेतन अवकाश का भी प्रावधान किया गया है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विनय विश्वास ने स्वास्थ्य जांच के महत्व और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक सीए. निरंजन कुमार ने नए लेबर कोड के तहत नियोक्ताओं और श्रमिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओएसएच कोड के तहत वार्षिक स्वास्थ्य जांच श्रमिकों का मूल अधिकार है और यह स्वस्थ कार्यबल के निर्माण के लिए आवश्यक कदम है।

उन्होंने ईएसआईसी द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बीमित श्रमिकों को बीमारी के दौरान वेतन, कार्यस्थल दुर्घटना की स्थिति में आजीवन पेंशन, मृत्यु होने पर आश्रितों को 90 प्रतिशत तक पेंशन, 26 सप्ताह तक मातृत्व लाभ तथा बच्चों को मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। आंचलिक चिकित्सा आयुक्त डॉ. रचिता विश्वास ने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच होने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की शुरुआती चरण में पहचान संभव हो सकेगी। इससे श्रमिकों और उनके परिवारों को भारी चिकित्सा खर्च से राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में डीआईएमएस शिशिर भारती ने भी ईएसआई योजना की विभिन्न विशेषताओं और लाभों की जानकारी दी। सरकार का मानना है कि इस पहल से श्रमिकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा, उद्योगों की उत्पादकता बढ़ेगी और कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। कार्यक्रम का समापन अतिथियों, चिकित्सकों और उपस्थित श्रमिकों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

छात्रों ने जाना भारतीय संस्कृति और मंत्रों का महत्व

रांची। मारवाड़ी महिला सम्मेलन के संस्कार ही धरोहर कार्यक्रम के तहत गुरूवार को शिवनारायण कन्या पाठशाला में छात्राओं को संस्कृत के उपयोगी श्लोक सिखाने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा एक से आठवीं तक की छात्राओं ने करीब डेढ़ घंटे तक शुद्ध उच्चारण और मधुर स्वर में मंत्र और श्लोकों का पाठ किया। यह जानकारी मारवाड़ी महिला सम्मेलन के मीडिया प्रभारी रीना सुरेका ने जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं को भारतीय संस्कृति, संस्कार और दैनिक जीवन में मंत्रों के महत्व से जोड़ना ही इस कार्यक्रम का उद्धेश्य है। सुरेका ने बताया कि छात्राओं को सुबह उठकर धरती माता को प्रणाम करने, घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने और स्नान, भोजन और अन्य दैनिक कार्यों के समय निर्धारित मंत्रों का जाप करने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने भी इन बातों को नियमित रूप से अपनाने का संकल्प लिया। प्रोजेक्टर चेयरपर्सन बबीता नारसरिया ने बताया कि उसकी देशभर की करीब 700 शाखाएं अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों में बच्चों को मंत्र, श्लोक और भारतीय संस्कृति से जुड़ी अच्छी बातें सिखाने का अभियान चलाएंगी। सम्मेलन की ओर से बताया गया कि 08 मई को पुनः विद्यालय पहुंचकर शुद्ध उच्चारण करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल, रांची शाखा अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, छाया अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, ललिता नारसरिया, उषा विजयवर्गीय, कमला विजयवर्गीय सहित बडी संख्या में छात्र और शिक्षक मौजूद थे।

रिम्स और बड़गाईं में डालसा ने आयोजित किया विधिक जागरूकता कार्यक्रम

रांची। रिम्स और बड़गाईं अंचल एवं बड़गाईं बस्ती में डालसा की टीम ने 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर और सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। डालसा के पीएलवी की ओर से बाल विवाह, बाल श्रम, डायन बिसाही और नशा उन्मुलन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएलवी रिषभ जायसवाल ने कहा कि नशा से घर परिवार नष्ट होता है। युवाओं को नशा करने से बचना चाहिए। स्नेहलता दुबे ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं की जानकारी दी। साहिष्ता प्रवीण ने प्रधानमंत्री रोजगार योजना और वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन की जानकारी दी। डालसा के पीएलवी ने योजना साथी, डॉन, आशा, जागृति योजनाओं पर भी चर्चा किया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं और लाभकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी। पीएलवी रिषभ जायसवाल सहित अन्य ने 09 मई आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत पर भी चर्चा भी की। कार्यक्रम में डालसा टीम में पीएलवी स्नेहलता दुबे, शाहिष्ता प्रवीण, रिषभ जायसवाल, सूरज वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

खड़ी कार में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

पूर्वी सिंहभूम। गोलमुरी थाना क्षेत्र के टूइलाडुंगरी स्थित साईं मोटर्स के सेल-पर्चेस परिसर में गुरुवार तड़के अचानक एक कार में आग लग जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना सुबह करीब पांच बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना गोलमुरी थाना और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार का अधिकाश हिस्सा जल चुकी थी। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पीडीएस डीलर की मौत पर फूटा आक्रोश, की मुआवजे की मांग

पूर्वी सिंहभूम। जिला स्थित घाटशिला के पीडीएस डीलर मृणाल कांति रजक की खुदकुशी के बाद जिले में जन वितरण प्रणाली से जुड़े डीलरों का आक्रोश खुलकर सामने आया। गुरुवार को जिले के विभिन्न पीडीएस संगठनों से जुड़े डीलरों ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते हुए राज्य सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में डीलर शामिल हुए और मृतक के परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मृणाल कांति रजक लंबे समय से आर्थिक संकट और मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। डीलरों का दावा है कि सुसाइड नोट में उन्होंने बकाया कमीशन नहीं मिलने और बढ़ती आर्थिक परेशानी का जिक्र किया है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन प्रतिनिधियों में अजय कुमार, शंभू नाथ रजक, सुनील महतो और प्रदीप साहू शामिल थे। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार समय पर कमीशन भुगतान नहीं कर रही है, जिससे जिले के कई डीलर कर्ज और तनाव में जीने को विवश हैं। डीलरों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को पीडीएस दुकान का लाइसेंस और लंबित कमीशन का शीघ्र भुगतान करने की मांग की।

राज्यपाल से मिले झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ी

एजेंसी। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों ने रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। बधिर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि विषम परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बावजूद टीम के खिलाड़ियों ने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा 'तृतीय टी-20 नेपाल डीफ क्रिकेट टूर सीरीज ऑफ इंडिया 2026' में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया है। राज्यपाल ने टीम के खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण एवं टीम भावना का सशक्त प्रतीक है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर यह सिद्ध किया है कि चुनौतियाँ सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकतीं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश का अत्यंत लोकप्रिय खेल है तथा हर्ष है कि झारखण्ड के खिलाड़ी क्रिकेट सहित विभिन्न खेल विधाओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य एवं देश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। यहां के युवाओं में खेलों के प्रति विशेष रुचि एवं अपार प्रतिभा विद्यमान है, जिसे उचित प्रोत्साहन एवं अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और वे खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव प्रयासरत हैं। उन्होंने झारखण्ड बधिर क्रिकेट संघ को यथासंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन का आश्वासन भी दिया।

आईएएस पूजा सिंघल के पति के विदेश जाने की अनुमति मांग वाली याचिका पर आदेश सुरक्षित

एजेंसी। रांची

मनरेगा घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आईएएस पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा की विदेश जाने की अनुमति से संबंधित याचिका पर पीएमएलए कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई। इसके बाद अदालत ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों अदालत ने पूजा सिंघल को विदेश (सिंगापुर) जाने की अनुमति प्रदान की है। वहीं अभिषेक झा ने भी अदालत से बेटी के इलाज के लिए सिंगापुर जाने की इजाजत मांगी है। दरअसल मनरेगा घोटाला मामले की जांच के दौरान ईडी ने पूजा सिंघल, उनके पति अभिषेक झा और सीए सुमन कुमार सिंह के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान सुमन कुमार सिंह के ठिकाने से 19.31 करोड़ नकद मिले थे। मामले में कार्रवाई करते हुए ईडी ने 11 मई 2022 को पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया था। 28 माह जेल में रहने के बाद पूजा सिंघल को जमानत मिली थी। वहीं अभिषेक झा को भी समन जारी कर इस मामले में कई दिनों तक पूछताछ की गई थी। वह इस मामले में चार्जशीटेड आरोपित हैं।

महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ चाईबासा में झामुमो का महाधरना

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित उपायुक्त कार्यालय (पुराना भवन) परिसर में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से एक दिवसीय महाधरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। महंगाई, बेरोजगारी और केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के विरोध में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। धरना को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम ने कहा कि देश में लगातार बढ़ रही महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जबकि लोगों की आमदनी स्थिर बनी हुई है। ऐसे में परिवार चलाना आम लोगों के लिए कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों के निजीकरण, बड़े कारोबारियों के कर्ज माफ करने और कर में राहत देने जैसे फैसलों से आर्थिक असमानता बढ़ी है। चुनाव के समय महंगाई कम करने और रोजगार देने के जो वादे किए गए थे, वे आज केवल घोषणा बनकर रह गए हैं। धरना को झामुमो महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सह जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार प्रधान, मदन गागराई, मंगल सिंह तिउ, सागर महतो, तारकांत सिजुई, सनातन पिंगुवा, सोमबारी बाहांदा सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन झामुमो जिला सचिव राहुल आदित्य ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने दिया।

झारखंड में मई माह में नहीं पड़ेगी भीषण गर्मी, लातेहार में अधिकतम तापमान महज 28 डिग्री

एजेंसी। रांची

झारखंड में मई माह में भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। यह जानकारी मौसम विभाग की ओर से गुरुवार को दी गई है। विभाग के अनुसार लातेहार में गुरुवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जमशेदपुर में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। लातेहार के अधिकतम और जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में अंतर महज 03 डिग्री का है। विभाग के अनुसार राज्य भर में 12 मई तक गर्जन के साथ हल्की बारिश होने और वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। साथ ही इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी बात कही गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 36.2 डिग्री जमशेदपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कांके में 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बादल छाए रहे जबकि दोपहर बाद घने बादल छाए रहे और गर्जन के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश होने से ठंडी हवाएं चली इससे मौसम सुहाना बना रहा। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 19.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.8 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 36.2 और न्यूनतम 23.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 34.1 डिग्री और न्यूनतम 22.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

चेन छिनतई मामले में जेवर दुकानदार सहित तीन गिरफ्तार

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

कदमा थाना क्षेत्र में महिला से सोने की चेन छिनतई मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में दो छिनतई करने वाले अपराधी और एक जेवर दुकानदार शामिल हैं, जिसने लूटी गई चेन को खरीदकर उसे पिघला दिया था। पुलिस ने आरोपितों के पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी, नकद राशि और चोरी की चेन से तैयार की गई सोने की अंगूठियां बरामद की हैं। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि गत दो मई को कदमा थाना क्षेत्र के अनिल सुरपथ रोड में रहने वाली अनिता चौधरी सुबह अपने घर के पास जा रही थीं। इसी दौरान स्कूटी पर सवार दो अपराधी उनके पास पहुंचे और गले से सोने की चेन झपटकर तेजी से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर कदमा थाना में मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी जांच के साथ-साथ स्थानीय सूत्रों से भी जानकारी जुटाई। लगातार निगरानी और छापेमारी के दौरान 06 मई को टाटा वर्कर्स यूनियन हाई स्कूल, कदमा के पास से दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान आदित्यपुर निवासी प्रकाश पटेल और कदमा भाटिया बस्ती निवासी प्रीतम सिंह उर्फ पोदो के रूप में हुई। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों आरोपितों ने महिला से चेन छिनतई की घटना को स्वीकार कर लिया। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना के तुरंत बाद लूटी गई सोने की चेन को कदमा स्थित जेपी ज्वेलर्स के संचालक निखिल सोनी को 25 हजार रुपये में बेच दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने जेवर दुकानदार निखिल सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया।

जांच में यह भी सामने आया कि जेवर दुकानदार ने चोरी की चेन को पहचान छिपाने के उद्देश्य से पिघलाकर तीन सोने की अंगूठियों में बदल दिया था। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर करीब पांच ग्राम वजन की तीन सोने की अंगूठियां, घटना में इस्तेमाल की गई एक्टिवा स्कूटी और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। सिटी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित प्रकाश पटेल का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ चोरी, गृहभेदन और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपित किसी बड़े छिनतई गिरोह से जुड़े हैं या नहीं। साथ ही चोरी के गहनों की खरीद-बिक्री करने वाले अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से युवक की मौत

एजेंसी। खूंटी

जरियागढ़ थाना क्षेत्र के लिमड़ा गांव में बुधवार रात हुए सड़क हादसे में युवक सुंदरू कच्छप (18) की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, सुंदरू बुधवार को बाइक से गोविंदपुर रेलवे स्टेशन घूमने गया था। लौटने के दौरान रात करीब साढ़े सात बजे लिमड़ा गांव के समीप विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक अनियंत्रित बोलेरो ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से सुंदरू गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद जरियागढ़ पुलिस ने स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि सुंदरू के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में उसकी मां और दो भाई हैं। जवान बेटे की असमय मौत से परिवार सदमे में डूब गया है। गुरुवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल खूंटी में कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। वहीं दुर्घटना में शामिल बोलेरो वाहन को जब्त कर जरियागढ़ थाना लाया गया है।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू
(खासमहाल प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्ति

मेदिनीनगर (पलामू) अन्तर्गत खास महाल भूमि में स्थित प्राइवेट निजी बस पड़ाव की वर्ष 2026–27, 2027–28 एवं 2028–29 के लिए वार्षिक सुरक्षित जमा राशि 18,21,232/– (अठारह लाख इक्कीस हजार दो सौ बतीस) रूपये पर अस्थायी वार्षिक बंदोबस्ती हेतु खुली डाक निम्नांकित शर्तो के तहत आमंत्रित की जाती है–

डाक की नियम एवं शर्ते :–

1. डाक बोलने वाले को जमानत की सुरक्षित जमा राशि **18,21,232** का 10%=1,82,123 (एक लाख बेरासी हजार एक सौ तेइस) रूपये का बैंक ड्राफ्ट द्वारा उपायुक्त, पलामू के पदनाम से देय होगा जो भारतीय स्टेट बैंक , मुख्य शाखा, डालटनगंज में भुगतेय होगा को आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना होगा। यह ड्राफ्ट डाक बोली के एक घण्टा पूर्व तक जमा करनी होगी। डाक समाप्ति के बाद प्रथम एवं द्वितीय डाकवक्ता को छोड़कर बाकी डाक बोलने वाले असफल डाकवक्ताओं को जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी। किसी भी परिस्थति में चेक स्वीकार नही किया जायेगा।
2. सफल डाकवक्ताओं को बन्दोबस्ती की पूर्ण राशि का 25% राशि डाक समाप्ति के तुरंत बाद ऑन लाइन राजस्व शीर्ष–00290080000101 मे जमा करना होगा। दूसरे किश्त की अर्थात पूर्ण डाक की राशि का दुसरा 25% चौथे माह मे तीसरा 25% किस्त आठवें माह मे तथा अंतिम एवं चौथा 25% किस्त की राशि दसवें माह मे ऑन लाइन राजस्व शीर्ष–00290080000101 मे जमा करना होगा। इसी प्रकार से अगले वित्तीय वर्ष 2027–28 मे भी जमा करना होगा।
3. यदि डाकवक्ता/बस पड़ाव बन्दोवस्तधारी सरकारी सुरक्षित जमा की उपरोक्त चार किस्तों की राशि ससमय जमा नही करतें है तो डाक उसी समय बिना स्पष्टीकरण पूछे/पत्राचार किये रद्द कर दिया जायेगा। उक्त 25% की चार किश्तों की राशि क्रमांक 1 में निर्धारित माह के अंतिम दिन तक जमा करना अनिवार्य होगा।
4. डाकवक्ता को 40/– रू प्रति बस/प्रति ट्रीप की राशि रसीद के माध्यम से प्राप्त करना होगा। इस आशय का शपथ –पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
5. यदि सर्वोच्च डाकवक्ता उपरोक्त समय पर डाक की राशि जमा नही करते है तो क्रमशः द्वितीय स्थानों के डाकवक्ता से डाक की राशि जमाकर उनके साथ सैरात की बन्दोबस्ती कर दी जायेगी। और प्रथम डाकवक्ता का दावा रद्द कर दिया जायेगा एवं जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी।
6. बन्दोबस्ती लेने वाले व्यक्ति को खास महाल के नियम एवं शर्तो के अनुरूप एकरारनामा करना होगा इसके बाद ही वसूली हेतु प्राधिकार पत्र निर्गत किया जायेगा।
7. डाक वक्ता को अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा निर्गत निवास प्रमाण पत्र तथा उपायुक्त द्वारा निर्गत 06 माह के अन्दर के चरित्र प्रमाण–पत्र समर्पित करना होगा।
8. वह व्यक्ति डाक में भाग नही लेंगे जिसके पास खास महाल का किसी भी तरह का बकाया (सैरात टैक्स) होगा।
9. डाकवक्ता को वसूली प्रारम्भ करने के पूर्व दर तालिका बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा और वे निर्धारित दर पर वसूली करेंगे अन्यथा किसी प्रकार का अनियमितता पाये जाने पर एक तरफा विचार रद्द कर दिया जायेगा।
10. L.O.A निर्गत होने की तिथि से 07 (सात) दिनों के अन्दर एकरारनामा करना अनिवार्य होगा। यदि परिस्थति जन्य इसमें अवधि विस्तारित करने की आवश्यकता होगी तो इसके लिए एकरारनामा निबंधन का खर्च बन्दोवस्तधारी को करना होगा।
11. निर्धारित शर्त के उल्लंघन या बिना किसी वैध कारण के राशि जमा करने में विलम्ब करने के लिए एकरारनामा रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
12. आवेदन पत्र के साथ जमानत राशि का बैंक ड्राफ्ट, आधार कार्ड,, सक्षम पदाधिकारी से निर्गत निवास प्रमाण–पत्र एवं आयकर विभाग से पैन निर्गत तथा विगत तीन वर्षो का आई0टी0 रिर्टन की कॉपी आवेदन के साथ जमा करना होगा।
13. पड़ाव स्थल से वाहनों की चोरी एवं क्षतिग्रस्त होने पर खास महाल कार्यालय जिम्मेवार नही होगा। उसकी जिम्मेवारी बन्दोवस्तधारी की होगी।
14. किसी भी डाक को अस्वीकृत या रद्द करने का अधिकार बिना कारण बताये अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा एवं किसी प्रकार का दावा मान्य नही होगा।
15. किसी भी विवाद की स्थिति में स्थानीय न्यायालय का क्षेत्राधिकार होगा।
16. साफ–सफाई, शौचालय सुव्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक विधिसम्मत कार्य बन्दोबस्तधारी को सम्पादित करना होगा।
17. यदि किसी कारणवश दिनांक **18.05.2026** को प्रथम डाक दिवस को डाक करना संभव नही हुआ तो अगली तिथि **20.05.2026** तथा इस स्थिति को भी संभव नही होने पर दिनांक **22.05.2026** डाक संपन्न होगी।
18. उपरोक्त डाक निर्धारित तिथि को 11:00 बजे अपर समाहर्त्ता,पलामू के कार्यालय उपायुक्त द्वारा गठित जिला स्तरीय चयन समिति के समक्ष होगा। निर्धारित तिथि को सभी डाक वक्ताओं द्वारा बंद लिफाफा में आवश्यक कागजात 2:50 बजे अपा० तक अपर समाहर्त्ता कार्यालय मे रखें डाक बक्शा में डाल देना होगा, जिसे खोलकर डाक में भाग लेने वाले व्यक्ति को डाक बोली में भाग लेने की अनुमति होगी।

उपायुक्त,
पलामू

PR 379225 Palamu(26-27)#D

संक्षिप्त समाचार

ईएसआईसी नोएडा डिस्पेंसरी में स्टाफ की कमी से मरीज परेशान, अधिकारी बेलगाम

नोएडा, एजेंसी। ईएसआइसी अस्पताल में जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह से बेलगाम हो

चुके हैं। आलम ये है कि सेक्टर-57 की डिस्पेंसरी में दवाई लेने के लिए मरीज छह-सात घंटे तक कतार में खड़े रहकर धूप में तपते रहते हैं, लेकिन स्टाफ की व्यवस्था बनाने वाले मेडिकल सुपरिटेंडेंट अपनी जिम्मेदारी से बचकर छिपते रहते हैं। अधिकारी के ऐसे गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर भड़के मरीजों ने बुधवार को डिस्पेंसरी में जमकर नाराजगी जाहिर की। महिलाओं ने प्रबंधन और एमएस का घेराव कर प्रदर्शन की चेतावनी दी है। सेक्टर-57 की डिस्पेंसरी को ईएसआइसी प्रबंधन ने नगरीय आरोग्य प्रशिक्षण केंद्र बनाया हुआ है, यहां मरीजों को तुरंत इलाज और दवाई देने की सेवा का जल्द ही लाभ मिल सके। मगर ये योजना केवल कागजों में दौड़ रही है। हालात ये है कि डिस्पेंसरी पर मरीजों को देखने के लिए 12 में से केवल चार डॉक्टर हैं जबकि दवाई देने और दूसरी व्यवस्थाओं के लिए 12 फार्मासिस्ट में अब सिर्फ तीन ही कर्मी तैनात हैं। सुबह और शाम दो-दो डाक्टरों की ड्यूटी रहती है, जिन पर रोजाना 800 मरीजों को देखने का दबाव रहता है। डिस्पेंसरी की इस दशा के लिए मरीजों ने मेडिकल सुपरिटेंडेंट और ईएसआइ के प्रबंधन पर इलाज देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। आरोप है कि पर्ची कटाने के बाद स्टाफ के लोग दवाई लेने के लिए सेक्टर-24 अस्पताल से डिस्पेंसरी तक चक्कर काटकर बेवजह परेशान होते हैं। सूत्रों ने बताया कि डिस्पेंसरी पर तैनात चार में एक डाक्टर 10 मई के बाद छुट्टी पर चले जाएंगे। इसके बाद यहां केवल तीन डाक्टरों पर 800 से ज्यादा मरीजों को देखने की जिम्मेदारी होगी। डिस्पेंसरी पर अधिकारियों की मनमानी चल रही है। मैं दो दिन से दवाई लेने के लिए चक्कर काट रही हूं। सुबह से दोपहर तक धूप में खड़े रहने पर भी बिना दवाई लिए घर लौटना पड़ता है। स्टाफ की कमी से मरीज परेशान रहते हैं। डॉक्टर और फार्मासिस्ट की कमी पिछले चार-पांच महीने है। अधिकारियों की लापरवाही हम मरीजों को झेलनी पड़ती है। अधिकारी कोई सुनने को तैयार नहीं हैं।

टुकड़ों में बिखर गए शव, गुरुग्राम रेलवे स्टेशन पर हादसा

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम में एक दर्दनाक हादसा हो गया। गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे रेलवे स्टेशन पर हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। इस घटना से स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, अलियार गांव में रहने वाली 40 वर्षीय महिला अपनी मां के साथ ट्रेन से जयपुर

जाने के लिए स्टेशन पर आई थीं। कोई फुटओवर ब्रिज न होने से दोनों महिलाएं ट्रैक पार कर दूसरे प्लेटफॉर्म पर जा रही थीं। इसी दौरान दोनों ट्रैक पर आमने-सामने से ट्रेन आ गई और हादसे में दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घटना के बाद जीआरपी पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। बताया गया कि ट्रेन की चपेट में आने से दोनों महिलाओं के शवों के कई हिस्से हो गए और करीब सौ मीटर तक शव के टुकड़े बिखर गए। ट्रेन हादसे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग कार्यवाह ब्रजेश सिंह के रिश्ते में भाई विनोद की पत्नी ममता और सास की मौत हुई है। ब्रजेश के बड़े भाई महेश चौहान भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और हिमाचल के प्रभारी भी रहे हैं।

मथुरा में बड़ी कार्रवाई : राजस्थान के दो इनामी डकैत मुठभेड़ में ढेर

व्यापारी के घर डाली थी डकैती

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में पुलिस को गुरुवार सुबह एक बड़ी कामयाबी मिली है। सुरीर थाना क्षेत्र में पुलिस और स्वाट टीम की बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में 'बाबरिया गिरोह' के दो कुख्यात डकैत मारे गए। मारे गए बदमाशों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। डकैतों की पहचान धर्मवीर उर्फ लंबू और राजेंद्र उर्फ पप्पू के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले थे। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि 23 अप्रैल को हुई डकैती में शामिल बदमाश यमुना एक्सप्रेस-वे अंडरपास के पास किसी बड़ी वारदात की फिराक में घूमने वाले हैं। गुरुवार तड़के करीब 7:00 बजे पुलिस ने टैंटीगांव अंडरपास के पास घेराबंदी की। तभी एक बाइक पर दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर बदमाशों ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन उनकी बाइक फिसल गई। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें दोनों डकैत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस भीषण मुठभेड़ में डकैतों की गोली लगने से स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा और हेड कांस्टेबल दुर्ग विजय भी घायल हुए हैं। दोनों का अस्पताल में उपचार चल रहा है

और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बता दें कि 23 अप्रैल की रात इन बदमाशों ने सुरीर टैटीगांव में किराना व्यवसायी अजय अग्रवाल के घर धावा बोला था। बदमाशों ने पूरे परिवार को, जिसमें एक 6 साल की बच्ची भी शामिल थी, बंधक बनाकर करीब ढाई घंटे तक लूटपाट की थी। डकैत घर से 20 लाख रुपये से अधिक के जेवर, नकदी और साक्ष्य मिटाने के लिए सीसीटीवी की डीवीआर (ष्ठङ्कक्र) भी उखाड़ ले गए थे।

मारे गए डकैतों का अपराधिक इतिहास बेहद लंबा है:

धर्मवीर उर्फ लंबू : इस पर मथुरा, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में डकैती, लूट और हत्या के प्रयास के 16 मुकदमे दर्ज थे।

राजेंद्र उर्फ पप्पू : इसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में डकैती और अवैध शराब तस्करी के 11 मामले दर्ज थे।

पुलिस ने मौके से डकैती का कुछ माल, नकदी और हथियार बरामद किए हैं। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। एसएसपी ने बताया कि यह गिरोह नाम बदल-बदल कर अलग-अलग राज्यों में वारदात करता था और पहले भी कई बार जेल जा चुका था।

लखनऊ की विशेष उड़ानों का भी संचालन किया जाएगा

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून को उड़ेगी पहली फ्लाइट इंडिगो जोड़ेगी दिल्ली-एनसीआर को सीधा मुंबई से

नोएडा , एजेंसी। 15 जून से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो की पहली उड़ान मुंबई के लिए शुरू होगी, जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आर्थिक राजधानी के बीच सीधी हवाई कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। इसके साथ ही, भूमि देने वाले किसानों के लिए अयोध्या और लखनऊ की विशेष उड़ानों का भी संचालन किया जाएगा, जो इस शुरुआत को एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल बनाता है।

नोएडा से एक बड़ी और अहम खबर सामने आ रही है। 15 जून से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नियमित यात्री उड़ानों की शुरुआत होने जा रही है, जिसकी पहली उड़ान देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए निर्धारित की गई है। बता दें कि इस सेवा की शुरुआत के साथ ही नोएडा और मुंबई के बीच सीधी हवाई कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी, जिससे व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि नोएडा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां कार्यरत हैं, जिनका मुंबई से लगातार संपर्क बना रहता है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस मार्ग पर उड़ान संचालन की जिम्मेदारी इंडिगो संभालेगी और टिकटों की बुकिंग जल्द शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा, पहले दिन दो अन्य उड़ानों के संचालन की भी तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि 15 जून को ही नोएडा एयरपोर्ट से लखनऊ और अयोध्या के लिए भी विशेष उड़ान संचालित करने की योजना बनाई गई है। इस विशेष यात्रा में उन किसानों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी

जमीन उपलब्ध कराई थी। बताया जा रहा है कि उन्हें पहले अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन कराए जाएंगे और उसके बाद लखनऊ में सम्मानित किया जाएगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस प्रस्ताव को योगी आदित्यनाथ की ओर से सकारात्मक संकेत मिले हैं। यह पहल स्थानीय किसानों के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से की जा रही है। इस बीच, अधिकारियों का कहना है कि इंडिगो के अलावा आकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी जल्द ही नोएडा एयरपोर्ट से अपनी सेवाएं शुरू कर सकती हैं। इसके बाद देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ानों और किराए की पूरी स्थिति साफ हो जाएगी। गौरतलब है कि 28 अप्रैल को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सुरक्षा कार्यक्रम को मंजूरी मिलने के बाद ही उड़ान सेवाएं शुरू करने का रास्ता साफ हुआ था। इसके बाद एयरलाइंस कंपनियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है।

ससुर का सरकारी भूमि पर कब्जा तो बहू नहीं लड़ सकेगी पंचायत चुनाव

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में अगर किसी परिवार के मुखिया विशेषकर ससुर का सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा है तो उसकी बहू अब पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएगी। सरकार ने इस संबंध में एक ऑर्डिनेंस पारित किया है, जिसे राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। चुनाव के लिए नामांकन शुरू होने से ठीक पहले सरकार की ओर से लाए गए ऑर्डिनेंस का असर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहीं कई संभावित महिला प्रत्याशियों पर पड़ेगा। अब तक के प्रावधानों के अनुसार यदि परिवार के मुखिया ने

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया होता था तो भी उस परिवार की बहुएं चुनाव लड़ सकती थीं, जबकि बेटा, बेटी (जिसकी शादी न हुई हो) दादा-दादी चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। अब संशोधन के बाद बहुओं को दी गई छूट भी समाप्त कर दी गई है। सरकार का तर्क है कि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए यह कदम जरूरी था। इससे अवैध कब्जों पर अंकुश लगेगा। सूत्र बताते हैं कि मंगलवार शाम ऑर्डिनेंस का सर्कुलर जारी कर इस पर मंत्रियों की सहमति ली गई, इसके बाद इसे मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा गया। बताया जा रहा है कि राजभवन के कर्मचारी फाइल लेकर सुंदरनगर पहुंचे और यहां ऑर्डिनेंस पर राज्यपाल के हस्ताक्षर कराए गए। हिमाचल प्रदेश में अब आशा वर्कर भी पंचायत चुनाव लड़ सकेंगी। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत आशा कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश रंजन शर्मा की खंडपीठ ने 2 मई 2026 के फैसले के क्रियान्वयन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

मथुरा में पुलिस एनकाउंटर में ढेर हुए दो बदमाश, बावरिया गिरोह के थे दोनों सदस्य; 30 लाख का डाला था डाका

मथुरा , एजेंसी। मथुरा के सुरीर थाना क्षेत्र के टैंटीगांव में बीती 23 अप्रैल की रात एक बड़े डकैती कांड को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं। यह मुठभेड़ बृहस्पतिवार सुबह हुई, जिसमें दोनों आरोपी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मारे गए बदमाशों की पहचान राजस्थान के भरतपुर निवासी धर्मवीर उर्फ लंबू और अलवर निवासी राजेंद्र उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। दोनों कुख्यात बावरिया गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये नकाबपोश बदमाश 23 अप्रैल की रात टैंटीगांव में व्यवसायी अजय अग्रवाल के घर में घुस गए थे। उन्होंने घर में मौजूद लोगों को धमकाकर करीब 30 लाख रुपये की नकदी और जेवरात लूट लिए थे। इस घटना के बाद से ही पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी।

मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह इन दोनों वांछित अपराधियों को घेर लिया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हुए और बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई। एसएसपी ने बताया कि व्यापारी के घर वारदात देने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई थी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से दोनों घायल हुए। उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया,

जहां उनकी मौत हो गई। दोनों का लंबा आपराधिक इतिहास है। इस कार्रवाई के दौरान दो सिपाही भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, मारे गए दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास काफी लंबा और गंभीर रहा है। धर्मवीर उर्फ लंबू, जो राजस्थान के भरतपुर का निवासी था, पर विभिन्न थानों में डकैती, लूट, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास सहित कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज थे। उसके खिलाफ राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई थानों में करीब 16 मामले दर्ज थे, जिनमें कई में वह वांछित चल रहा था।

शिमला में 19 साल बाद मई सर्वाधिक ठंडा

शिमला , एजेंसी। राजधानी शिमला में 19 साल बाद मई में सबसे कम पारा रिकॉर्ड हुआ है। शिमला में इन दिनों अधिकतम तापमान 18 से 21 डिग्री के बीच चल रहा है। इससे पूर्व साल 2007 में मई के दौरान अधिकतम तापमान सबसे अधिक 26 डिग्री तक ही पहुंचा था। अब 19 साल बाद पारे में बड़ी कमी दर्ज हुई है।

उधर, मौसम के बदले मिजाज से हिमाचल में आजकल सामान्य से दस डिग्री कम अधिकतम तापमान चल रहा है। आमतौर पर मई के दौरान 40 डिग्री से अधिक पारे का सामना करने वाले ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा और हमीरपुर जिलों में इन दिनों तापमान 28 से 33 डिग्री के बीच ही चल रहा है। प्रदेश में सुबह और शाम के समय मौसम में ठंडक अभी भी बरकरार है।

बुधवार को रोहतांग दर्रा के साथ ऊंची पहाड़ियों में फिर बर्फबारी हुई। रामपुर, चंबा और कुल्लू में ओलावृष्टि हुई। राजधानी शिमला में भी बाद बरसे। प्रदेश के मध्य और उच्च पर्वतीय आठ जिलों किन्नौर, लाहौल-स्पीति, शिमला, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू और चंबा के कुछ क्षेत्रों में वीरवार को बारिश और अंधड़ के आसार हैं। मैदानी जिलों ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और कांगड़ा में मौसम साफ रहेगा। आठ से दस मई तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना है। इस दौरान धूप खिलने से तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। 11 और 12 मई को पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से दोबारा बारिश का पूर्वानुमान है।

उधर, बुधवार दोपहर बाद जिला कुल्लू और लाहौल घाटी के निचले इलाकों में बारिश से मौसम ठंडा रहा। सैंज टटी के शैंशर, शांघड़ और गाडापारली में भारी ओलावृष्टि हुई है। इससे सेब के साथ गेहूं, जौ, मटर, आड़ू को नुकसान हुआ है। भारी मात्रा में ओले गिरने से पूरी घाटी बर्फ की तरह सफेद हो गई।

मई के छह दिनों में सामान्य से 28% अधिक बारिश

हिमाचल में मई के छह दिन प्रदेश में सामान्य से 28 फीसदी अधिक

बारिश दर्ज की गई। 1 से 6 मई की अवधि के लिए 13.9 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया, लेकिन वास्तव में 17.8 मिलीमीटर बारिश हुई। बिलासपुर में सामान्य से 367, हमीरपुर में 197, कांगड़ा में 168, मंडी में 160, शिमला में 284, सिरमौर में 336, सोलन में 304 व ऊना जिले में 317 फीसदी अधिक बारिश हुई। हालांकि, चंबा में सामान्य से 49, किन्नौर में 51, कुल्लू में 6 व लाहौल-स्पीति में 89 फीसदी कम बारिश हुई।

हर तीन मिनट पर सड़क पर नई गाड़ी; चंडीगढ़ में पार्किंग व्यवस्था बेहाल

चंडीगढ़, एजेंसी। पांच लाख की आबादी के लिए बसाए गए चंडीगढ़ में हर तीन मिनट में एक नई कार सड़क पर उतर रही है। दस हजार नंबरों की नई सीरीज दो महीने में ही खत्म हो रही है। जमीनी हकीकत यह है कि अब पार्किंग के लिए जगह नहीं बची है। ग्रीन बेल्ट हो या साइकिल ट्रैक सभी पार्किंग की भेंट चढ़ चुकी है। कड़वी सच्चाई यह है कि इंसाफ के मंदिर कहे जाने वाले हाईकोर्ट या डिस्ट्रिक कोर्ट में भी कारों की दोहरी लाइनें लगने लगी हैं। अभी न संभले तो समस्या गंभीर हो जाएगी। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि फ्रांसीसी आर्किटेक्ट ली कार्बूजिए शायद 60 वर्ष बाद का भविष्य देखते हुए शहर को गढ़ रहे थे लेकिन जनसंख्या और वाहनों का विस्फोट उनके गढ़े मॉडल से कहीं आगे निकल चुका है। चंडीगढ़ देश में सर्वाधिक कारों के घनत्व वाला शहर बन चुका है। यह समृद्धि गौरव का विषय होने के साथ ही गंभीर समस्या भी बन चुकी है।

अभी चंडीगढ़ की आबादी 12 लाख है। 2051 तक यह बढ़कर दो गुना होगी। ट्राईसिटी में 2051 तक आबादी 45 लाख प्रोजेक्टिड है। प्रशासन न तो नई गाड़ियों के सड़क पर उतरने की रफ्तार को कम कर पाया है, न ही कोई योजना पार्किंग स्पेस देने की बना पाया। सड़क, पार्क, ग्रीन बेल्ट, फुटपाथ और खेल के मैदान हर जगह कारें खड़ी दिखाई देती हैं और प्रशासन मूकदर्शक बन इस बिगड़ती स्थिति को देख रहा है। घनी आबादी वाले इलाकों में पार्किंग की समस्या सबसे ज्यादा है। वहां तेजी से लोग दोपहिया से चारपहिया की तरफ जा रहे हैं। इन इलाकों में पहले ही पार्किंग की जगह नहीं है, ऐसे में लोगों ने कालोनियों के छोटे-छोटे पार्कों में गाड़ियां खड़ी कर उसे पार्किंग बना दिया है। आलम यह है कि अब पार्कों में भी जगह नहीं बची है। ऐसे में सड़कों पर गाड़ियां खड़ी होने लगी हैं। 1000 लोगों पर 731 कार, यह पूरे देश में सबसे अधिक 89 पेड पार्किंग स्थलों में 22725 कारों के लिए स्पेस 200 फ्री पार्किंग फिर भी स्पेस नहीं 202 में 38659 नई कार पंजीकृत हुई।

सावधान! दिल्ली-एनसीआर में लौटी 'कच्छा बनियान' गिरोह की दहशत

पुलिस ने जारी किए अलर्ट

बल्लभगढ़, एजेंसी। शायद आपको यह हैरतअंगेज घटना याद होगी! एमपी के गुना से ताल्लुक रखने वाले पारदी गैंग (कच्छा बनियान) गिरोह ने आठ अगस्त 2016 को देश की सुरक्षा एजेंसियों को उस वक्त चुनौती दी थी, जब इन्होंने सेलम-एग्मोर एक्सप्रेस ट्रेन की पार्सल बोगी से रिजर्व बैंक चेन्नई भेजे जा रहे 342 करोड़ में से 5.78 करोड़ रुपये चुराए थे।

353 किलोमीटर लंबे रेल ट्रैक पर नौ सदस्यों ने चिन्नासेलम-वृद्धचलम रेलवे स्टेशन के बीच चलती ट्रेन में पार्सल बोगी की छत काटकर वारदात को अंजाम दिया था। चिंता की बात ये है कि पारदी गैंग नए ट्रेंड सदस्यों के साथ दिल्ली व एनसीआर में फिर दस्तक दे चुका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार छह आरोपितों ने बताया है कि वे गुना से अकेले नहीं बल्कि 45 लोग अप्रैल में एक साथ निकले थे। सब दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम के भीड़भाड़ वाले इलाकों में छिपे हैं। दिल्ली पुलिस की तरफ से टेलीग्राम ऐप के जरिये एनसीआर पुलिस को गैंग की

आहट से अवगत कराया जा चुका है। डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने एसीपी, थाना व चौकी प्रभारियों को चौकन्ना रहने, लोगों को गैंग की मौजूदगी से अवगत कराने के निर्देश जारी किए है। दरअसल, पारदी गैंग उर्फ कच्छा बनियान गिरोह के आतंक से फरीदाबाद, पलवल और नूंह अछूता नहीं रहा है। गैंग ने वर्ष 2009-2011 के बीच कई वारदात को अंजाम दिया था। दिसंबर 2017 में फरीदाबाद के मवई गांव की जस्सी कालोनी में तीन जगह लूट की थी। जुलाई 2017 में पुन्हाना के बीसरू रोड स्थित गाडिया लुहार बस्ती में लूट का विरोध करने वाली वृद्धा की बेरहमी से हत्या की थी। फिर गैंग अचानक गायब हो गया। ये गिरोह जिस इलाके में वारदात को अंजाम देता हैं, वहां गुब्बारे व खिलौने बेचने निकलते हैं। रेकी करके वारदात वाली जगह चुनते हैं। रात के दो बजे से 3.30 बजे के बीच वहां पहुंचते हैं। पूर्व रिकार्ड के अनुसार हर वारदात में इनकी संख्या तीन, छह, नौ, 12 होती है। ज्यादातर छह की संख्या में होते हैं। तीन बाहर रहते हैं, तीन अंदर जाते हैं। जो घरों में घुसते हैं, वे शरीर पर ग्रीस व काला तेल लगाने के बाद कच्छा बनियान व जुर्राब पहन लेते हैं। वारदात में बाधा बनने या विरोध करने वाले शख्स का तुरंत कत्ल कर देते हैं। पारदी गैंग के एनसीआर में होने का इनपुट हमारे पास है।

गाजियाबाद के 20 हजार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत: 20 मई से सुदामापुरी बिजलीघर से बंद होगी शाहबेरी की आपूर्ति

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले के सुदामापुरी बिजलीघर से गौतमबुद्धनगर के शाहबेरी, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को दी जा रही बिजली आपूर्ति 20 मई से बंद कर दी जाएगी। शाहबेरी में 20 एमवीए क्षमता का नया बिजलीघर बनकर तैयार हो गया है, जिसे जल्द ही लोड पर लिया जाएगा। इसके शुरू होते ही शाहबेरी क्षेत्र को स्थानीय स्तर से ही बिजली मिलने लगेगी और जिले पर पड़ रहा अतिरिक्त दबाव कम हो जाएगा। विद्युत निगम के अधिकारियों के मुताबिक अब तक सुदामापुरी बिजलीघर से शाहबेरी के दो फीडरों को नियमित आपूर्ति की जाती थी। इससे गाजियाबाद के कई इलाकों में ओवरलोडिंग की स्थिति बनती थी, जिसके कारण ट्रिपिंग और फाल्ट की शिकायतें भी सामने आती थीं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अकबरपुर-बहरामपुर और बागू के करीब 20 हजार उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर राहत मिलने की उम्मीद है। शाहबेरी में स्थापित नए बिजलीघर के चालू होने के बाद वहां की आपूर्ति पूरी तरह स्थानीय फीडरों से की जाएगी। इससे दूसरे जिले पर निर्भरता समाप्त होगी और आपूर्ति व्यवस्था अधिक संतुलित हो सकेगी।

विचार-मंथन

संपादकीय

कहीं सत्ता पलटी, कहीं भरोसा बरकरार, बदल रहा है जनता का राजनीतिक मूड

कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है।चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के जैसे नतीजे सामने आए हैं, उनसे साफ है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में जहां मतदाताओं ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया, वहीं असम और पुडुचेरी में लोगों ने मौजूदा सरकार पर भरोसा कायम रखा। इसमें चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से आए, जहां चुनाव प्रचार के क्रम में बहुस्तरीय उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सत्ताधारी पार्टियों का प्रदर्शन बेहद कमजोर हो सकता है। इन राज्यों में इतने बड़े उलटफेर की उम्मीद कम ही लोगों ने की थी।दरअसल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के प्रति दिखने वाला जनसमर्थन चुनाव और मतदान के मोर्चे पर उलट नतीजे देने वाला साबित हुआ। हालांकि राज्य में भाजपा ने जीत के लिए जिस स्तर पर जाकर मेहनत की, मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक राजनीति पर काम किया और यहां तक भावनात्मक मुद्दों का भी सहारा लिया, उसका साफ असर मतगणना और नतीजों पर दिखा। जाहिर है, लंबे समय के बाद अब पश्चिम बंगाल एक और सत्ता परिवर्तन का गवाह बन रहा है, जहां विचारधाराओं का सफर क्रमशः बदलता दिखा है।वहीं तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को लेकर बहुत कम लोगों ने यह अंदाजा लगाया होगा कि चुनाव के परिणाम में उसकी स्थिति इस कदर खराब रहेगी। गौरतलब है कि फिल्मों की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति में आकर हाल के वर्षों में उभरे और अपने प्रशंसकों के बीच थलापति के नाम से मशहूर जोसेफ विजय ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य की राजनीति में बीते कुछ सालों से एकछत्र राज करने वाले नेता एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक को करारी शिकस्त दी। अब तमिलनाडु द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति के समांतर एक नए दौर में प्रवेश कर गया है। यह देखने की बात होगी कि आने वाले वर्षों में यह राज्य किस राजनीतिक धारा का केंद्र बनेगा।जहां तक केरल का सवाल है, तो वहां आमतौर पर वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड लोकतांत्रिक मोर्चे के बीच सत्ता में फेरबदल होता रहा है। इस लिहाज से देखें तो दो कार्यकाल के बाद वामपंथी मोर्चा सत्ता से बाहर हुआ है और अच्छी उपस्थिति के साथ कांग्रेस को महत्त्वपूर्ण जीत मिली है।इसके अलावा, असम में एक तरह से अपेक्षित नतीजे आए हैं, जहां भाजपा ने फिर से भारी जीत हासिल की है। यह तब भी संभव हुआ, जब राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के रुख को लेकर कई तरह के विवाद चुनाव प्रचार के केंद्र में रहे। इसी तरह, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी के परिणामों के मुताबिक, वहां सत्तारूढ़ राजग गठबंधन ने एक बार फिर बहुमत हासिल कर अपनी सत्ता कायम रखी।कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत करीब सत्ताईस लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने को लेकर भी सवाल उठे। इसके बावजूद राज्य में मतदान का कीर्तिमान कायम हुआ। बहरहाल, चुनाव प्रचार के दौरान चाहे जिस तरह की तल्खियां देखी गईं, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि एक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत समावेशी विकास सभी सरकारों का मुख्य उद्देश्य बने।

सोमनाथ : भारत की अपराजित आस्था, संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक, भारत की शाश्वत सभ्यता का गौरव

- वर्ष 2026 की शुरुआत में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में शामिल होने का अवसर मिला।
- यह आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित किया गया था।
- 11 मई को पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ मंदिर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। यह आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के एक हजार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। अब 11 मई को एक बार फिर मुझे सोमनाथ धाम जाने का अवसर मिल रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर है। यह वह ऐतिहासिक क्षण है, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने मंदिर का लोकार्पण किया था। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत सभ्यता, अटूट आस्था और आत्मबल का जीवंत प्रतीक है। इसके समक्ष गर्जन करता विशाल समुद्र हमें यह संदेश देता है कि कितने भी तूफान क्यों न आएं, सत्य, श्रद्धा और संस्कृति को कभी पराजित नहीं किया जा सकता। सदियों से तट से टकराती समुद्री लहरें यह उद्घोष करती रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है — "प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्", अर्थात प्रभास क्षेत्र की परिक्रमा करना संपूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। यही कारण है कि सोमनाथ केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की निरंतरता का प्रतीक माना जाता है।

इतिहास के अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद सोमनाथ सदैव भारतीय जनमानस के केंद्र में बना रहा। लकुलीश, सोम शर्मा, महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा जैसे अनेक महान विभूतियों ने इस पवित्र धाम की रक्षा, पुनर्निर्माण और सांस्कृतिक गौरव को बनाए रखने में अमूल्य योगदान दिया।

विशेष रूप से पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी सोमनाथ में भक्ति और पूजा की परंपरा को जीवित रखा। वहीं वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमी योद्धाओं का बलिदान आज भी श्रद्धा के साथ स्मरण किया जाता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौह पुरुष बल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। 13 नवंबर 1947 को उन्होंने प्रभास पाटन में मंदिर के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर सोमनाथ पुनर्निर्माण का ऐतिहासिक संकल्प लिया था। दुर्भाग्यवश, वे अपने इस स्वप्न को साकार होते नहीं देख सके, लेकिन उनके संकल्प को के.एम. मुंशी और अन्य राष्ट्रनायकों ने आगे बढ़ाया। साल 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर का उद्घाटन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू Nehru के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने समारोह में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा था कि सोमनाथ यह संदेश देता है कि आस्था और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। आज 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ देशभर के प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों का पुनरोद्धार किया जा रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर केदारनाथ मंदिर, कामाख्या मंदिर, राम मंदिर, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और त्र्यंबकेश्वर शिव मंदिरतक आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है, जबकि उनकी सांस्कृतिक पहचान को भी सुरक्षित रखा गया है। सोमनाथ का इतिहास हमें यह सीख देता है कि जब कोई समाज अपनी संस्कृति, अपनी आस्था और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता। यही साझा चेतना भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। आज की विभाजित दुनिया में सोमनाथ एकता, साहस और सभ्यतागत चेतना का प्रेरणास्रोत बनकर खड़ा है। यह केवल गुजरात या भारत का नहीं, बल्कि मानवता की उस अटूट शक्ति का प्रतीक है, जो हर आघात के बाद और अधिक मजबूती से उठ खड़ी होती है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर सोमनाथ धाम की यात्रा अवश्य करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि भारत की उस अपराजित आत्मा की अनुभूति होगी, जिसने सदियों के संघर्ष के बावजूद अपनी संस्कृति और पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखा है। यही सोमनाथ का संदेश है, यही भारत की सनातन चेतना का अमर स्वर है।

श्यामा बाबू के संकल्प की जीत, विवेकानंद के विचारों की प्रीति- बंगाल में राष्ट्रवाद का नया सूर्योदय

(भारत भूषण अरजरिया)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है। उन्होंने उस समय बंगाल के विभाजन के संकट को समझा था और यह सुनिश्चित किया था कि बंगाल का एक हिस्सा भारतीय संस्कृति और अस्मिता के साथ सुरक्षित रहे। बंगाल केवल एक भौगोलिक भूभाग नहीं है, बल्कि यह वह विचार है जिसने आधुनिक भारत की आधारशिला रखी। आज का दिन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होने वाला है, क्योंकि यह मात्र एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उस माटी की अपनी जड़ों की ओर वापसी है, जिसने कभी %वंदे मातरम्% के उद्घोष से पूरे आर्यावर्त को जगाया था। यह जीत उस संकल्प की सिद्धि है जो दशकों से बंगाल की गलियों में मौन था, किंतु मरा नहीं था। आज जब बंगाल में राष्ट्रवाद का भगवा ध्वज लहरा रहा है, तो ऐसा प्रतीत होता है कि गंगासागर की लहरें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उन बलिदानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हैं, जिन्होंने एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। यह उस विचारधारा की विजय है जो मानती है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही भारत की नियति है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है। उन्होंने उस समय बंगाल के विभाजन के संकट को समझा था और यह सुनिश्चित किया था कि बंगाल का एक हिस्सा भारतीय संस्कृति और अस्मिता के साथ सुरक्षित रहे। आज उनकी आत्मा निश्चित रूप से तृप्त हो रही होगी, क्योंकि जिस बंगाल को वैचारिक शून्यता और तुष्टीकरण की राजनीति ने जकड़ लिया था, उसने अब अपने सबसे प्रतापी पुत्र के सपनों को साकार करने का मार्ग चुन लिया है। यह जीत बताती है कि समय कितना भी क्यों न बदल जाए, सत्य और राष्ट्रवाद की धारा कभी सूखती नहीं है; वह बस सही समय की प्रतीक्षा करती है। बंगाल ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि वह अपनी गौरवशाली विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए तत्पर है। इस परिवर्तन की गहराई को समझने के लिए हमें स्वामी विवेकानंद के उन संदेशों को स्मरण करना होगा, जिन्होंने विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक श्रेष्ठता को स्थापित किया था। संघ और उससे प्रेरित सभी समवैचारिक संगठनों के लिए विवेकानंद केवल एक पथ-प्रदर्शक नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा था कि 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।' बंगाल की जनता ने आज उसी मंत्र को आत्मसात किया है। दशकों की राजनीतिक हिंसा, वैचारिक दमन और सांस्कृतिक विस्मृति के बाद, बंगाल की चेतना जागृत हुई है। यह उस 'सिंह-गर्जना' की गूंज है जिसने कभी शिकागो के मंच से दुनिया को हिला दिया था।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन आर्थिक रूप से मिला-जुला रहने वाला है। यात्रा या कुछ नया सीखने की एक्टिविटीज पर खर्च बढ़ सकता है। इस समय जोखिम भरे निवेश से आपको पूरी तरह बचना चाहिए। बृहस्पतिदेव कम्युनिकेशन और नेटवर्किंग के जरिये छोटे लाभ दिला सकते हैं। अपने बजट का ध्यान रखें और बिना सोचे-समझे किसी को उधार न दें।

वृष
आज धन के मामले में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है। कुछ अचानक आने वाले खर्च आपको परेशान कर सकते हैं। सट्टेबाजी या जोखिम भरे निवेश से आज दूरी बनाकर रखें। बचत और बजट बनाने पर ध्यान देना ही आपके लिए श्रेयस्कर होगा। बिना विचार किये किसी को पैसा उधार देना नुकसानदेह हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक रूप से आज का दिन एवरेज रहेगा। नेटवर्किंग या क्रिएटिव कार्यों के माध्यम से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। अष्टम भाव में मंगलदेव और शनिदेव होने के कारण किसी भी बढ़े जोखिम से बचें। वित्तीय योजना बहुत ही सोच समझकर बनाएं।

तुला
आर्थिक दृष्टि से आज का दिन सामान्य रहने वाला है। नेटवर्किंग या साझेदारी के माध्यम से कुछ धन लाभ के संकेत हैं। हालांकि, खर्चों में भी बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए फिजूलखर्ची से बचें। अपनी वित्तीय योजनाओं को बहुत सावधानी से तैयार करें। बृहस्पतिदेव लंबी अवधि के विकास में आपकी मदद करेंगे।

वृश्चिक
आज वित्त के क्षेत्र में बहुत ही व्यवस्थित योजना बनाना जरूरी है। अचानक आने वाले खर्चों के कारण बजट बिगड़ सकता है। बृहस्पतिदेव की स्थिति सुझाव देती है कि आप बचत पर अधिक ध्यान दें। धन लाभ के अवसर तो आएंगे लेकिन उनकी गति काफी धीमी रहेगी। निवेश के मामले में कोई भी जल्दबाजी ना दिखाएं। आज वित्तीय अनुशासन ही आपकी स्थिरता बनाए रखेगा।

धनु
आज आपकी आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, फिर भी सावधानी जरूरी है। किसी भी तरह के अचानक या बड़े वित्तीय फैसलों से आज बचें। अष्टम भाव का प्रभाव बताता है कि शेयर्ड फाइनेंस या कर्ज के मामलों में सावधान रहें। बृहस्पतिदेव करियर से जुड़े लाभ दिलाने के संकेत दे रहे हैं। घर की सुख-सुविधाओं पर कुछ खर्च हो सकता है। बजट का सख्ती से पालन करना जरूरी है।

कर्क
आज धन के मामलों में बहुत ही फूंक - फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। बारहवें भाव में चंद्रदेव की उपस्थिति आपके खर्चों में बढ़ोतरी करा सकती है। फालतू खर्चों पर नियंत्रण रखें और बजट के अनुसार ही चलें। बृहस्पतिदेव आपके अनुशासित प्रयासों के माध्यम से स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। जोखिम भरे निवेश से आज पूरी तरह दूर रहना ही समझदारी होगी।

सिंह
आर्थिक रूप से आज का दिन एवरेज रहेगा। नेटवर्किंग या रचनात्मक प्रयास के जरिए लाभ होने की संभावना है। हालांकी, दूसरे भाव में मंगलदेव और शनिदेव होने के कारण आपको खर्चों और पैसों से जुड़ी बातचीत पर काबू रखना होगा। जोखिम भरे निवेश से आज बचना बेहतर होगा। अपने वित्त की योजना बहुत सावधानी से बनाएं।

कन्या
आज आर्थिक मामलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे भाव के सूर्यदेव आपकी आय तो बढ़ा रहे हैं, लेकिन बुद्धदेव के अस्त होने से वित्तीय निर्णय लेने में सावधानी बरतें। किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से आज दूरी बनाना ही उचित होगा।

मकर
आज धन के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। आपके निरंतर प्रयास छोटे-छोटे लाभ दिला सकते हैं। अचानक होने वाले खर्चों से बचने के लिए बजट पहले ही तैयार कर लें। बृहस्पतिदेव यात्रा या शिक्षा के माध्यम से भविष्य में लाभ के द्वार खोल रहे हैं। पैसों के लेन-देन में अनुशासन बनाना बहुत जरूरी है। फिजूलखर्ची से बचें ताकि आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर रहे।

कुंभ
आज आपका पूरा ध्यान वित्तीय प्रबंधन पर होगा। चंद्रदेव आपको बचत बढ़ाने और बजट बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है। अष्टम भाव के बृहस्पतिदेव सहज धन या ऋण के मामले में सावधान की सलाह देते हैं। धैर्य और अनुशासन के साथ निवेश ही भविष्य में लाभ देगा। करियर के क्षेत्र में आज आपको काफी केंद्रित और अनुशासित रहने की जरूरत है।

मीन
आर्थिक रूप से आज का दिन शांत रहेगा। सुख-सुविधाओं और घर से संबंधित वस्तुओं पर कुछ धन खर्च हो सकता है। शुक्रदेव आपके दैनिक खर्चों में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेंगे। आज बजट और भविष्य की योजना बनाने पर जोर दें। किसी भी तरह के जोखिम भरे निवेश से बचना आपके हित में होगा। साझेदारियों के माध्यम से आर्थिक लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6085

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6084

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 6085

1	2		■	3	4		5
6		■	7			■	
	■	8	■	■	■	9	■
10	11		12	13	14		
15		■	16			■	■
17		18	■	■	■	19	
■	20		■	21			■
■	■	22			■	23	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 2000 को ऑस्टेलिया में यहां 27 वें ओलम्पिक खेलों का शुभारंभ हुआ (3)
3. इस देश को साऊथवेस्ट अफ्रिका कहा जाता था (4)
6. समय का अत्यंत छोटा भाग (2)
7. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
10. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार जिनका मूल नाम अब्दुल हयी था (8)
15. तिब्बती धर्मगुरू यह कहलाते है (2)
16. धतूरा, स्वर्ण (3)
17. प्रकार, जेवर, आभूषण (3)
19. मशगूल, काम में लगा हुआ (2)
20. देह, शरीर, काया, बदन (2)
21. सुगमता, आसानी, सुख, चैन (3)
22. यह नार्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टाकहोम है (3)
23. पूर्ति साधन, वह जो किया जाए (2)

संकेतः ऊपर से नीचे

1. सेनाध्यक्ष, सेनानी, कमांडर, सेनापति (6)
2. कश्मीर की प्रसिद्ध झील (2)
3. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
4. मछली, मत्स्य, बारह राशियों में से एक (2)
5. एक नहर, तीन घंटे का समय (2)
8. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
9. इस देश की राजधानी मेड्रिड है (2)
11. अविवेक, मूढ़ता, नामसझी, विवेकहीनता (4)
12. देखना (अंग्रेजी), इनामल (2)
13. शास्त्रीहय संगीत में तबले आदि का बोल (2)
14. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में पाया जाने वाला एक जंगली बैल (2)
18. विद्वान व्यक्ति, ध्यानी (3)
19. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक, मैले वस्त्र साफ करने वाला (3)
21. हुनर, कला, आर्ट, गुण (2)

वर्ग पहेली 6084 का हल

रा	म	जे	ठ	म	ला	नी	■
म	न	■	ह	म	ला	व	र
दा	न	वी	र	■	अ	■	ह
स	■	■	ना	का	म	या	ब
■	आ	■	■	म	र	म	र
फा	ग	■	म	दी	ना	■	■
गु	म	रा	ह	■	थ	म	ना
न	न	■	ल	क्ष्य	■	ला	स

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

पंजाब को धूल चटाकर टॉप पर पहुंची सनराइजर्स हैदराबाद

● बदल गया पॉइंट्स टेबल का पूरा समीकरण, RCB को भी लगा झटका

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 49वां मैच बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) और पंजाब किंग्स (PBKS) के बीच हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया। इस सीजन दोनों के बीच यह दूसरा मुकाबला था। जिसे स्क्रा ने 33 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ ही सनराइजर्स 14 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आ गई।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 235 रन बनाए थे। हैदराबाद के लिए हेनरिक क्लासेन ने 43 गेंदों पर 69 रन की शानदार पारी खेली। क्लासेन के अलावा अभिषेक शर्मा 35, ट्रेविस हेड 38, ईशान किशन 55 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 13 गेंदों पर 29 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। जवाब में पंजाब किंग्स 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन बना सकी और 33 रन से मैच हार गई।

टॉप पर पहुंची सनराइजर्स हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद 11 मैचों में 7 जीत के साथ 14 अंक लेकर पहले स्थान पर है। पंजाब किंग्स 10 मैचों से 13 अंक लेकर दूसरे, आरसीबी 9 मैचों से 12 अंक लेकर तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 10 मैचों से 12 अंक लेकर चौथे और गुजरात टाइटंस 10 मैचों से 12 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।

चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों से 10 अंक लेकर छठे, दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों से 8 अंक लेकर सातवें, कोलकाता नाइट राइडर्स 9 मैचों से 7 अंक लेकर आठवें, एमआई 10 मैचों से 6 अंक लेकर नौवें और एलएसजी 9 मैचों से 4 अंक लेकर दसवें स्थान पर है। समान अंक के बावजूद टीमों की रैंकिंग में अंतर रन रेट की वजह से है।

हेनरिक क्लासेन के पास आई ऑरेंज कैप

स्क्रा।-पंजाब किंग्स मैच के बाद ऑरेंज कैप एक बार फिर से एसआरएच के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के पास आ गई है। क्लासेन ने 43 गेंदों पर 69 रनों की पारी खेली थी। क्लासेन के सीजन के 11 मैचों की 11 पारियों में 494 रन हो गए हैं। एसआरएच के ही अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। अभिषेक के 11 मैचों की 11 पारियों में 475 रन हैं।

पायलट बनने के सपने से लेकर शूटिंग तक का सफर

● राइफल दिलाने के लिए पिता ने बेच दिया था घर

नई दिल्ली। देश के स्टार शूटर और ओलंपिक पद विजेता गगन नारंग का आज जन्मदिन है। नारंग ने देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गगन नारंग पहले भारतीय शूटर हैं, जो लंदन ओपंपिक में क्वालीफाइड हुए थे। 2012 में हुए लंदन ओलंपिक में नारंग नें पुरुष श्रेणी में 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में 701.1 प्वाइंट के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया था। इस खिलाड़ी का बचपन बड़ा ही दिलचस्प है। गगन ने काफी उम्र में ही सफलता हासिल की।

20 की उम्र में जीता स्वर्ण पदक- 2003 में एफ्रो एशियन गेम्स में शूटिंग प्रतियोगिता में गगन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उस समय उनकी उम्र 20 साल थी। 2006 में मेलबर्न में हुए कॉनवेल्थ गेम्स के अलग-अलग प्रतियोगिता में गगन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इसके बाद 2008 में चीन में हुए विश्वकप में भी गगन ने स्वर्ण पदक जीता।

पायलट बनना चाहते थे नारंग- 6 मई, 1983 को जन्मा यह खिलाड़ी बचपन से वायुसेना में पायलट बनना चाहता था। गगन के पिता भीमसेन नारंग बताते हैं, नारंग में बचपन में ही निशानेबाजी की प्रतिभा दिख गई थी। उनके अनुसार, 2 साल की उम्र गगन ने बलून पर पिस्टल से निशाना लगाया था। उसके बाद उन्हें अहसास हुआ कि उनका बेटा निशानेबाजी में काफी आगे जा सकता है।

कॉमनवेल्थ में जीते 4 पदक- साल 2010 में नई दिल्ली में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में गगन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसमें 10 मीटर और 50 मीटर एयर राइफल कैटेगरी शामिल थी। ऐसा करने वाले वो पहले भारतीय बन गए। 2010 में ही एशियाई गेम्स में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया था। इसके अलावा बैंकाक में होने वाले ब्रुस्स्त्र विश्व कप के फाइनल में गगन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इस उपलब्धि के बाद गगन की रैंकिंग बढ़ गई और वह अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में शीर्ष निशानेबाजों में शुमार हो गए। अंतरराष्ट्रीय खेलों में यह सफलता हासिल करने वाले गगन नारंग तीसरे भारतीय निशानेबाज बन गए थे।

हॉकी एशिया कप से पहले

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला टीम

भोपाल। भारतीय पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें 15 से 20 मई तक उद्धव दास मेहता सेंट्रल सेंटर में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज अंडर-18 नेशनल कोचिंग कैंप के बाद हो रही है, जो 19 अप्रैल, 2026 को साई भोपाल में शुरू हुआ था। इस महीने के आखिर में काकामिगाहारा में होने वाले अंडर-18 एशिया कप से पहले हो रही यह सीरीज काफी अहम है। महिला टीम के लिए, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज 15 मई से शुरू होगी। दूसरा मैच 17 मई, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा मैच 20 मई को खेला जाएगा। पुरुषों की टीम अपनी सीरीज 15 मई से शुरू करेगी। दूसरा मैच 17 मई, तीसरा मैच 18 मई और चौथा मैच 20 मई को खेला जाएगा। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कैंप के दौरान हुई प्रगति और आने वाले मैचों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा, 'साई भोपाल में हमारा दौर बहुत अच्छा रहा है। खिलाड़ियों ने जोश और उम्मीदों पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इस कैंप के दौरान मुख्य फोकस सभी पोजीशन पर बुनियादी तरीकों को मजबूत करना रहा, ताकि वे मॉडर्न हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों और सीनियर लेवल की ओर लगातार आगे बढ़ सकें।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ आने वाले एक्सपोजर मैच हमारी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह ग्रुप के लिए उच्च-क्षमता का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का मौका है। सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन को तलाश सकते हैं। अंडर-18 एशिया कप आने वाला है, इसलिए ये मैच भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेंगे।'

महिला टीम की कोच रानी रामपाल ने कहा, 'साई भोपाल में कैंप हमारे लिए खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक अच्छा अवसर रहा है। हम खुश हैं कि उन्होंने इसका फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ मैच उन्हें ऊंचे स्तर पर खेलने और अंडर-18 एशिया कप की तैयारी करने का शानदार मौका देंगे। यह हर खिलाड़ी के लिए अपनी काबिलियत को दिखाने का एक मौका है।'

ग्रैंड स्लैम का बहिष्कार

● अपने अधिकारों के लिए लड़ने का एकमात्र तरीका: एरिना सबालेंका

नई दिल्ली । दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में ज्यादा हिस्सा पाने के खिलाड़ी हकदार हैं। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा कि ज्यादा हिस्से के लिए टूर्नामेंट का बहिष्कार करने को भी तैयार हैं। एरिना सबालेंका ने इटैलियन ओपन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि शो हमारी तरफ से है। हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होता। वह एंटरटेनमेंट नहीं है। हम निश्चित रूप से अधिक राशि पाने के हकदार हैं। मुझे लगता है कि किसी समय हम बहिष्कार करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है।' उन्होंने कहा, 'हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। मुझे लगता है कि कुछ चीजें खिलाड़ियों के साथ बहुत गलत हैं। किसी समय यह अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएगा। पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम बॉस को दो पत्र साइन किए थे। इसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास, और मातृत्व के अवसर पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान करने की मांग की गई थी। पत्र में टूर्नामेंट राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जिससे मेजर टूर्नामेंट एटीपी मेन्स टूर और विमेंस डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-लेवल इवेंट्स के बराबर आ जाएंगे।'

महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन की विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने कहा, 'टूर्नामेंट के बहिष्कार का निर्णय थोड़ा ज्यादा हो जाएगा।' स्वियाटेक ने कहा, 'सच कहूं तो सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उम्मीद है कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक करने का मौका मिलेगा और हम देखेंगे कि उसमें क्या होता है।'

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा था कि फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा काफी नहीं है। पिछले साल फ्रेंच ओपन की कमाई 395 मिलियन यूरो थी, जो उसके पहले के वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कुल पर्स में सिर्फ 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खिलाड़ियों का राजस्व हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है। अनुमान के मुताबिक इस साल फ्रेंच ओपन का राजस्व 400 मिलियन यूरो से ज्यादा हो जाएगा। इसी वजह से खिलाड़ी अपनी राशि को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। एरिना ने फ्रेंच ओपन 2026 की शुरुआत से पहले अपनी मांग रखकर आयोजकों को निश्चित रूप से पुरस्कार राशि पर पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ा दिया है। फ्रेंच ओपन 2026 का 18 मई से 7 जून 2026 तक खेला जाना है।

विनेश फोगाट WFI द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी

एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्सन ट्रायल में रही अयोग्य

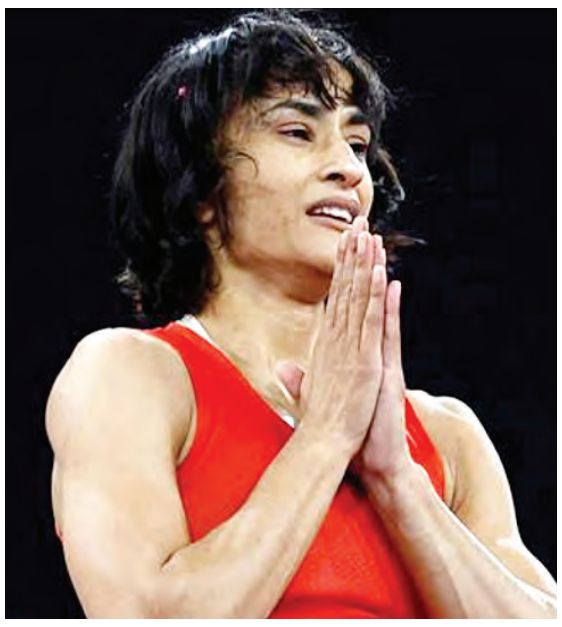

नई दिल्ली । तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए बुधवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी।

मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में माँ बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी।

ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

पठान और रैना ने प्लेऑफ की दौड़ के बीच चैम्पियन को लेकर कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली । IPL 2026 में प्लेऑफ की दौड़ तेज हो गई है। पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स 9 मैचों में 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर है और मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में एक नया चैंपियन देखने को मिलेगा।

पठान ने जोर देकर कहा कि PBKS अपना पहला IPL खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, %पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे असरदार क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। अगर कूपर कोनोली गेंदबाजी शुरू करते हैं जो मुझे लगता है कि उनकी गेंदबाजी की पहेली में एक कमी है क्योंकि वे अभी सिर्फ एक स्पिनर के साथ खेल रहे हैं तो वे पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे। उनके पास एक शानदार कप्तान है, उनके दोनों ओपनर जबरदस्त फॉर्म में हैं, और कुल मिलाकर, गेंदबाजी यूनिट में भी क्वालिटी है।%

पठान ने दिल्ली कैपिटल्स को भी अपनी पहली IPL ट्रॉफी जीतने की दौड़ से बाहर नहीं माना और कहा, %मुझे लगता है कि दिल्ली भी एक अच्छी टीम है। अभी उनके लिए चीजें 50-50 लग रही हैं, लेकिन मुझे लगता है कि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच उन्हें खलेगा। वह एक करीबी मैच था, और अगर वे उसे जीत जाते, तो उस समय तक वे तीन में से तीन मैच जीत चुके होते। लखनऊ को अभी बहुत काम करना है, लेकिन मेरी नजर दिल्ली और पंजाब पर रहेगी। अगर मुझे किसी एक को चुनना हो, तो वह पंजाब होगी।

विराट कोहली के साथ खेल चुके पूर्व भारतीय क्रिकेटर का 36 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली । बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के पूर्व भारतीय अंडर-19 साथी अमनप्रीत सिंह गिल का 36 साल की उम्र में निधन हो गया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) ने ङ्क पर पोस्ट कर अमनप्रीत का निधन की जानकारी दी। पंजाब के चंडीगढ़ में 16 सितंबर 1989 को जन्मे अमनप्रीत एक दाएं हाथ के मीडियम फास्ट बॉलर थे और 2007 में भारत की अंडर-19 टीम में विराट कोहली, रवींद्र जडेजा और मनीष पांडे जैसे खिलाड़ियों के साथ खेले थे। अमनप्रीत ने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 2007 में हुए तीन देशों के अंडर-19 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। यह टूर्नामेंट श्रीलंका में हुआ था जिसमें अमनप्रीत ने 5 मैचों में 9 विकेट लिए थे। अपने करियर में अमनप्रीत ने 6 फर्स्ट-क्लास मैच खेले और 54.72 की औसत से 11 विकेट लिए।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) ने ङ्क पर एक पोस्ट में उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें खेल का एक समर्पित सेवक बताया। एसोसिएशन ने उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। PCA ने अपने ङ्क पोस्ट में लिखा, %पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन, पंजाब के पूर्व क्रिकेटर और पंजाब की सीनियर चयन समिति के सदस्य अमनप्रीत सिंह गिल के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। उन्होंने इंडिया अंडर-19, किंग्स XI पंजाब और पंजाब जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी लगन और जुनून के साथ पंजाब क्रिकेट की सेवा की।

'बेतुकी देरी', माइकल वॉन ने नेशनल सिलेक्टर की नियुक्ति में देरी पर ECB की आलोचना की

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) की नए नेशनल सिलेक्टर की नियुक्ति में हुई देरी के लिए कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस स्थिति को 'बेतुका' बताया, खासकर तब जब टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ एक महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज खेलने वाली है। यह पद तब से खाली है जब ल्यूक राइट ने 22 जनवरी को घोषणा की थी कि वह पद छोड़ देंगे। उन्होंने मार्च में टी20 वर्ल्ड कप के बाद पद छोड़ा था। हालांकि यह पद चार महीने से ज़्यादा समय से खाली है और काउंटी चैंपियनशिप के चार राउंड भी हो चुके हैं, फिर भी उनके उत्तराधिकारी को खोजने की प्रक्रिया अब जाकर अपने अंतिम चरण में पहुंची है जिसके लिए इस सप्ताह इंटरव्यू हुए हैं।

वॉन ने इस स्थिति पर अपनी टिप्पणियों में सीधे तौर पर बात की। उन्होंने पॉडकास्ट पर कहा, यह बेतुका है कि वे इतनी देर से सिलेक्टर की घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने जल्द से जल्द शामिल होने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, मैं चाहता था कि सिलेक्टर 1 अप्रैल को ही वहां मौजूद हो, बाहर जाए, खिलाड़ियों को देखे और जानकारी इकट्ठा करे। पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि किसी दूसरे व्यक्ति को खोजने की समय-सीमा महीनों से स्पष्ट थी। वॉन ने इस लंबी देरी पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, ल्यूक राइट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिर में पद छोड़ा था। हमें पता था, है ना? किसी को खोजने के लिए यह बहुत लंबा समय है - चार महीने। मुख्य कार्यकारी रिचर्ड गोल्ड के नेतृत्व में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों 4-1 से एशेज में मिली हार के बाद पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के ढांचे की समीक्षा शुरू की थी। जहां प्रबंध निदेशक रॉब की और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने पदों पर बने रहे, वहीं सिलेक्टर का पद पुनर्गठन के लिए एक प्रमुख क्षेत्र बन गया। सिलेक्टर के पद के लिए विज्ञापन 18 मार्च को ही जारी किया गया था और आवेदन 17 अप्रैल तक खुले थे।

इस बीच ECB ने घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए अपने मौजूदा स्काउट्स के नेटवर्क पर भरोसा किया है। प्रतिभा की पहचान की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए एक नया काउंटी इनसाइट ग्रुप भी बनाया गया है जिसमें काउंटी कोच और ECB के अधिकारी शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज स्टीवन फिन और डैरेन गफ उन लोगों में शामिल हैं जिनके नाम इस पद के लिए चर्चा में हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

चार महीने से वेतन नहीं मिलने पर भड़के एंबुलेंस कर्मी, हड़ताल की चेतावनी

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित 102 एंबुलेंस सेवा से जुड़े चालक और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण आक्रोशित हैं। नाराज कर्मियों ने बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। एंबुलेंस कर्मियों ने अपनी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन की प्रतिलिपि श्रम अधीक्षक, सिविल सर्जन, अस्पताल उपाधीक्षक तथा इंटक के प्रांतीय अध्यक्ष सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को भी भेजी गई है। सदर अस्पताल परिसर में आयोजित बैठक में एंबुलेंस कर्मियों ने कहा कि वे पिछले 12 वर्षों से जिले के विभिन्न अस्पतालों में एंबुलेंस सेवा के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। बिहार राज्य चिकित्सा कर्मचारी संघ इंटक के बैनर तले आयोजित बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। संघ के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार टाइगर ने बताया कि वर्तमान में बिहार में 102 एंबुलेंस सेवा जैन पल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के माध्यम से पीपी मोड पर संचालित की जा रही है। औरंगाबाद जिले में करीब 100 चालक और 100 इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन कार्यरत हैं। इसके अलावा शव वाहन चालक और सहयोगी भी इसी व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।

नाबालिग ने की आत्महत्या की कोशिश

फेसर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले के पौथू थाना क्षेत्र के कुसमी फेसरा गांव में एक 17 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। गुरुवार को यह घटना पिता द्वारा मारपीट किए जाने के बाद हुई। कुसमी फेसरा निवासी संगीत राम की पुत्री लक्ष्मी कुमारी ने दुपट्टे के सहारे फांसी लगाने की कोशिश की थी। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत किशोरी को फंदे से नीचे उतारा और तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची। टीम में कांस्टेबल विपिन कुमार, अजय कुमार और महिला कांस्टेबल मंजू कुमारी शामिल थे। पुलिस टीम किशोरी को तुरंत रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई।

जिले में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक

जिलाधिकारी ने शौचालय निर्माण में तेजी लाने का दिया निर्देश

- अब तक 866 शौचालयों का निर्माण पूरा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर गुरुवार को जिला पदाधिकारी अभीलाषा शर्मा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान तथा अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रखंडवार स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रगति पर विशेष फोकस किया गया। अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले को 14 हजार शौचालय निर्माण का लक्ष्य दिया गया है, जिसके विरुद्ध अब तक 866 शौचालयों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने पर जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को अभियान मोड में कार्य करने का निर्देश दिया।

डीएम ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष अभियान चलाकर योग्य लाभुकों की पहचान सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) पोर्टल पर लाभुकों की प्रविष्टि के बाद जियोटैगिंग की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। बैठक में महादलित टोलों में शौचालय विहीन परिवारों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। प्रखंडों द्वारा ऐसे परिवारों की पहचान की गई है। इस पर जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी चिन्हित परिवारों का पुनः सत्यापन कराया जाए तथा पात्र लाभुकों के लिए शीघ्र शौचालय निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी जरूरतमंद परिवार को योजना के लाभ से वंचित नहीं रखा जाए। जिला पदाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि का आगामी तीन दिनों के भीतर उपयोग सुनिश्चित करें तथा व्यय से संबंधित प्रतिवेदन जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराएं। उन्होंने योजनाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के प्रति सख्त रुख अपनाने की चेतावनी भी दी।

बैठक में ग्रामीण स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। डीएम ने ग्राम पंचायतों के प्रमुख हाट-बाजारों में नियमित साफ-सफाई एवं कचरा उठाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा अक्रियाशील पड़े पैडल रिक्शा और ई-रिक्शा को जल्द से जल्द चालू कराने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर हो सके। बैठक में उप विकास आयुक्त अन्नया सिंह, डीआरडीए निदेशक अनुपम कुमार, डीपीओ मनरेगा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी एवं अन्य प्रखंड स्तरीय अधिकारी भी जुड़े रहे। बैठक के अंत में जिला पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर उतारते हुए निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करें, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं को और मजबूत बनाया जा सके।

औरंगाबाद में उत्तर प्रदेश के मजदूर की संदिग्ध मौत, ईंट भट्ठा के पास फंदे से लटका मिला शव

- ज्ञान सिंह पिछले चार महीने से जीवा बिगहा स्थित ईंट भट्ठा पर करता था मजदूरी।

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गुरुवार सुबह उसका शव ईंट भट्ठा के पास बांस के सहारे फंदे से लटका मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा मजदूर मौके पर जुट गए। पुलिस फिलहाल हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिला अंतर्गत बिंदकी थाना क्षेत्र के सहबाजपुर बेहटा गांव निवासी ज्ञान सिंह के रूप में हुई है। वह पिछले करीब चार महीनों से अंबा थाना क्षेत्र के जीवा बिगहा गांव के पास स्थित एक ईंट भट्ठा पर मजदूरी करता था। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह ईंट भट्ठा पर काम करने वाले कुछ मजदूरों की नजर बांस से लटके शव पर पड़ी। इसके बाद अन्य मजदूरों और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तुरंत डायल-112 और अंबा थाना पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर सबसे पहले देव थाना की डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। बाद में पता चला कि घटनास्थल अंबा थाना क्षेत्र में आता है। इसके बाद अंबा थाना अध्यक्ष राहुल राज, एसआई सुमित सुमन, पंकज कुमार और पारसनाथ सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही ईंट भट्ठा पर काम कर रहे अन्य मजदूरों ने शव को फंदे से उतार लिया था। बाद में शव को घटनास्थल से करीब 200 मीटर दूर ईंट भट्ठा परिसर में बने एक झोपड़ीनुमा कमरे में रख दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल यूडी केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

मृतक के साथ काम करने वाले मजदूर मो. अली राजा ने बताया कि ज्ञान सिंह करीब चार महीने पहले उसके साथ ईंट भट्ठा पर काम करने आया था। उसने बताया कि बुधवार शाम से ही ज्ञान सिंह गायब था और रात में ड्यूटी पर भी नहीं पहुंचा। अली राजा के अनुसार, ज्ञान सिंह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे में रहता था। बुधवार शाम को भी उसने ताड़ी पी रखी थी और काफी नशे में था। हालांकि, घटना को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शव बांस के पेड़ से घुटनों के बल लटका हुआ था और जमीन से उसकी ऊंचाई काफी कम थी, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। कुछ लोगों ने आशंका जताई है कि संभवतः उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया हो, ताकि मामला आत्महत्या का लगे।

फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, ज्ञान सिंह अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। घटना के बाद उसके परिवार में मातम पसरा हुआ है।

बिहार एनडीए मंत्रिमंडल विस्तार पर पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने दी बधाई

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार के एनडीए मंत्रिमंडल विस्तार समारोह के अवसर पर भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी मंत्रिपरिषद सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े समेत कई वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कुशल नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, जो पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और नेतृत्व के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बधाई देने वालों में भाजपा के वरीय नेता सुनील सिंह, जिलाध्यक्ष बिजेंद्र चंद्रवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष अवध किशोर प्रसाद सिंह, पुरुषोत्तम सिंह, मनोज शर्मा, देव के पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक, पूर्व सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता आदित्य शेखर, युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह, शुभेंदु शेखर सिंह, ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री जुलेखा खातून, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक सिंह, अनिल सिंह, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, अनिता सिंह, जिला परिषद सदस्य रामेश्वर बैठा, भाजपा नेता आलोक सिंह, जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र सिंह, नलिनी रंजन, राजेश सिंह, अमरीश सिंह, विनय शर्मा, रविन्द्र शर्मा, राकेश कुमार देवता, मुनीन्द्र राम, अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार उर्फ राजू, भरत सिंह, उपेन्द्र सिंह, मृत्युंजय सिंह, विनय सिंह, अंजली सिंह, सारिका शेखर, गुड़िया सिंह, उषा सिंह, सुमन अग्रवाल, सोनम सिंह, भूषण दुबे सहित बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ताओं के नाम शामिल हैं।

समारोह को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यकर्ताओं ने इसे बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत बताते हुए एनडीए सरकार के प्रति विश्वास व्यक्त किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जागरूकता रथ रवाना, सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगी जानकारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और अधिक से अधिक वादों के निस्तारण को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजीव रंजन कुमार ने प्राधिकार परिसर से बिहार ग्रामीण बैंक के सहयोग से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रधान जिला जज ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ केवल शहर और कस्बों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जिले के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों तक भी इसकी जानकारी पहुंचनी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से जागरूकता रथ को रवाना किया गया है, जो जिले के सभी प्रखंडों और गांवों में जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक करेगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के सुलहनीय वादों के साथ-साथ बैंक ऋण से जुड़े मामलों का भी निस्तारण किया जाएगा। इसके तहत पक्षकारों को विभिन्न प्रकार की छूट और राहत देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने लंबित मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित समाधान कराएं। प्रधान जिला जज ने कहा कि बैंक ऋण से जुड़े मामलों में भी लोगों को विशेष राहत दी जाएगी और बैंक अधिकारियों द्वारा पूरा सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जागरूकता रथ ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को यह जानकारी देगा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कम समय और कम खर्च में विवादों का समाधान संभव है। जागरूकता रथ रवाना होने के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने सुलहनीय मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में कराएं और इस व्यवस्था का लाभ उठाएं। इस मौके पर बिहार ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक रवि शंकर सिंह, वरीय प्रबंधक ओम प्रकाश तथा प्रबंधक रजनीकांत भी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय प्रबंधक रवि शंकर सिंह ने बताया कि सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिया गया है कि ऋण वाद से जुड़े मामलों का निस्तारण निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत किया जाए और किसी भी पक्षकार को परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि यदि किसी पक्षकार को काउंसिलिंग या अन्य सहायता की आवश्यकता होगी तो उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार या बैंक तक पहुंचाने में हर संभव सहयोग किया जाएगा।

चोरी की बढ़ती घटनाओं पर पूर्व सांसद ने जताई चिंता, एसआईटी गठन की मांग

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

अंबा थाना क्षेत्र के अंबा बाजार चौक स्थित भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह और पूर्व उप प्रमुख गीता देवी के घर हुई बड़ी चोरी की घटना का अब तक खुलासा नहीं होने पर पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने गहरा अफसोस जताया है। गुरुवार को वे पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी ली। पूर्व सांसद ने पुलिस प्रशासन से मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि घटना को हुए 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक पुलिस को कोई ठोस सफलता नहीं मिली है, जिससे लोगों में भय और नाराजगी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, चोरों ने वीरेंद्र कुमार सिंह के घर से करीब 80 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 12 लाख रुपये नकद की चोरी कर ली थी। घटना के बाद पुलिस लगातार जांच कर रही है, लेकिन अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने कहा कि जिले में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं और अपराधी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। उन्होंने हाल के दिनों में हुई कई बड़ी चोरी की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सिंघना निवासी एक व्यक्ति के औरंगाबाद शहर के सत्येंद्र नगर स्थित घर में भी चोरों ने ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और एक लाइसेंसी राइफल की चोरी कर ली थी। इसी तरह कर्मा रोड स्थित दो सगे भाइयों के घर में भीषण चोरी की घटना हुई थी। दोनों भाई शादी समारोह में गांव गए हुए थे और वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। उस घटना में करीब 50 से 60 लाख रुपये मूल्य के आभूषण चोरी कर लिए गए थे। इसके अलावा शहर के बाईपास इलाके में मिशन स्कूल के पास भी चोरों ने पीछे के रास्ते से घर में घुसकर 25 से 30 लाख रुपये मूल्य के जेवरात और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया था। पूर्व सांसद ने कहा कि अब तक पुलिस केवल एक मामले में ही चोर गिरोह तक पहुंच सकी है और कुछ मामूली आभूषण बरामद कर आरोपितों को जेल भेजा गया है।

औरंगाबाद में जाम से मिलेगी राहत, खैरी मोड़ से पोला तक बनेगा नया बाईपास

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर में लगातार लगने वाले सड़क जाम से लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद जगी है। औरंगाबाद ओवरब्रिज तथा अंबा बाजार में रोजाना लगने वाले भीषण जाम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-139 से अंबा, हरिहरगंज और नवीनगर की ओर जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नए बाईपास निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एनएच-139 को जाममुक्त बनाने के उद्देश्य से औरंगाबाद के खैरी मोड़ से पोला तक नए बाईपास के निर्माण की कवायद शुरू की गई है। प्रस्तावित बाईपास की लंबाई लगभग 30 किलोमीटर होगी। इसके लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर विभाग को भेजने की तैयारी चल रही है।

पूर्व सांसद ने कहा कि पहले विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण एनएच-139 को फोरलेन बनाने की योजना में काफी देरी हुई। उन्होंने बताया कि दाउदनगर और ओबरा में बाईपास निर्माण को लेकर पहल की गई थी, लेकिन औरंगाबाद और अंबा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया था। बाद में उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को रोजाना लगने वाले जाम की तस्वीरें और स्थिति से अवगत कराया, जिसके बाद विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने बताया कि अब औरंगाबाद से पोला तक बड़े बाईपास निर्माण पर सहमति बन चुकी है। इससे शहर और बाजार क्षेत्रों में लगने वाले भारी जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर इस दिशा में ठोस प्रगति देखने को मिल सकती है।

गौरतलब है कि औरंगाबाद बाईपास और अंबा चौक पर प्रतिदिन लंबा जाम लगना आम बात हो गई है। आम नागरिकों के साथ-साथ अधिकारी, एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन भी घंटों जाम में फंसे रहते हैं। इसका सबसे अधिक असर मरीजों, स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और दूर-दराज से आने-जाने वाले यात्रियों पर पड़ता है। कई बार गंभीर मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। पूर्व सांसद ने कहा कि पहले सरकार का ध्यान सासाराम और आमस-गया सड़क परियोजना पर अधिक केंद्रित था, जबकि एनएच-139 के विकास को लेकर कोई स्पष्ट योजना नहीं थी। लेकिन लगातार प्रयासों के बाद अधिकारियों ने इस सड़क के महत्व को समझा और अब बाईपास निर्माण को लेकर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि बाईपास बनने से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, यात्रा का समय कम होगा और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पटना से अरवल, दाउदनगर और औरंगाबाद होते हुए बिहार-झारखंड सीमा तक जाती है। यह सड़क डाल्टनगंज के रास्ते रांची के साथ-साथ छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को भी जोड़ती है। आवागमन की दृष्टि से यह सड़क अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। अधिक ट्रैफिक दबाव के कारण यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं भी होती रहती हैं। ऐसे में नए बाईपास निर्माण से लोगों को बड़ी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

भूमि विवाद : दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे, छह लोग घायल

हसपुरा, औरंगाबाद (नि.सं.)। हसपुरा थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में करीब 6 लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, जमीन के एक टुकड़े को लेकर दोनों पक्षों में पहले गाली-गलौज हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों और लोहे के सरियों से हमला कर दिया। रघुनाथपुर निवासी सागर कुमार ने थाने में दिए आवेदन में बताया कि मंगलवार को हुए इस हमले में उनके परिवार के सदस्य दिनेश शर्मा, बिंदेश्वर मिस्त्री और नागेश्वर मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दो लोगों के हाथ टूट गए हैं और कई के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को पहले सीएचसी हसपुरा ले जाया गया, जहां से उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमले के दौरान उनकी मां से पैसे और आभूषण भी छीन लिए गए। इस मामले में अग्रेश कुमार, नंदबिहारी मिस्त्री, गोविंद कुमार, गोकुल मिस्त्री, सुनैना कुँवर और बिचुन देवी सहित दस लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है।

एनसीसी कैंप में कैडेट्स को मिला आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज परिसर में 13 बिहार बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-III) के नौवें दिन गुरुवार को कैडेट्स के लिए विभिन्न प्रशिक्षण एवं प्रतियोगितात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। 29 अप्रैल से 8 मई 2026 तक चल रहे इस शिविर में पूरे दिन अनुशासन, ऊर्जा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। दिन की शुरुआत शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) सत्र से हुई। इस दौरान कैडेट्स को आत्मरक्षा के तहत जूडो और कराटे का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को आत्मरक्षा की तकनीकों और आपात परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक तरीके सिखाए। इसके बाद पीआई स्टाफ द्वारा ड्रिल प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 'बेस्ट कैडेट' का चयन किया गया। कैंप में बौद्धिक गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया गया। एएनओ सचिदानंद कुमार और अक्षय जैन के नेतृत्व में चयनित कैडेट्स के बीच क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस दौरान नगर थाना साइबर शाखा की सब इंस्पेक्टर मधु कुमारी ने साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष कक्षा ली। उन्होंने कैडेट्स को ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सतर्कता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया। शिविर के समापन अवसर पर कैंप कमांडेंट प्रदीप कुमार तक्षक की अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। अपने संबोधन में कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक ने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने अनुशासन, नेतृत्व, खेल, फायरिंग, ड्रिल, क्विज और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जो भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं तथा एनसीसी के ए, बी और सी सर्टिफिकेट परीक्षाओं में काफी सहायक होगा। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पुरस्कृत किया गया। साथ ही प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी कैडेट्स को कैंप सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि शुक्रवार को सभी कैडेट्स अपने-अपने घरों के लिए रवाना होंगे। शाम के समय आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कैडेट्स ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की। गीत, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में 13 बिहार बटालियन एनसीसी के सभी एएनओ, पीआई स्टाफ और सिविल स्टाफ मौजूद रहे।

न्यायिक आदेश की अवहेलना पर कुटुम्बा और हसपुरा थाना प्रभारी को शो-कॉज नोटिस

- कुटुम्बा थाना कांड संख्या-154/22 और हसपुरा थाना कांड संख्या-160/22 से जुड़ा मामला।
- बोर्ड ने आदेश दिया था कि विधि विरुद्ध किशोर को निर्धारित तिथि पर बोर्ड में प्रस्तुत किया जाए।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

किशोर न्याय बोर्ड, औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह एएसजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने न्यायिक आदेश का पालन नहीं करने के मामले में कुटुम्बा और हसपुरा थाना प्रभारी को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने जानकारी देते हुए बताया कि कुटुम्बा थाना कांड संख्या-154/22 तथा हसपुरा थाना कांड संख्या-160/22 में संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया था कि बोर्ड द्वारा निर्धारित तिथि पर विधि विरुद्ध किशोर को किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत किया जाए।

हालांकि, दोनों थाना प्रभारी न्यायिक आदेश के अनुपालन में असफल रहे, जिससे बोर्ड की कार्यप्रणाली और उद्देश्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए किशोर न्याय बोर्ड ने इसे न्यायिक आदेश की अवहेलना माना है। बोर्ड ने दोनों थाना प्रभारियों से पूछा है कि आखिर किन परिस्थितियों में न्यायिक आदेश का पालन नहीं किया गया। साथ ही उन्हें आगामी 22 जून 2026 को स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। किशोर न्याय बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि न्यायिक आदेशों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।